Vol.20, Issue 10 | Annual Subscription ₹ 420

August 2021

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

Rotary

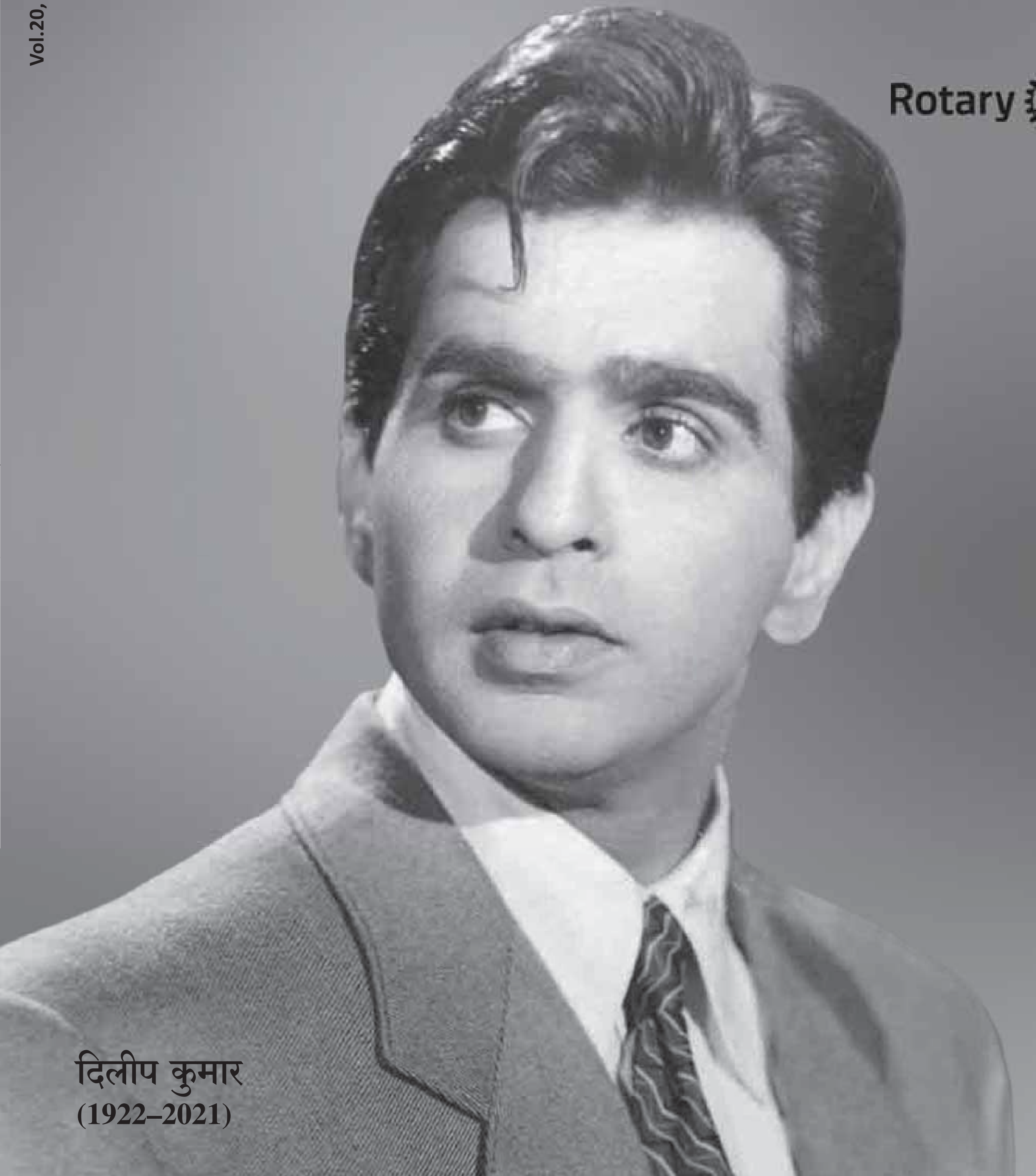

दिलीप कुमार
(1922–2021)

RNT Executive Committee Members (2021–22)

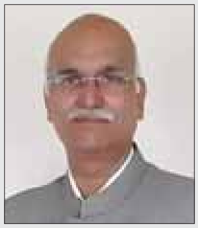

Ramesh Meher
RI District 3030

Secretary - Executive Committee

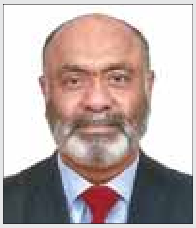

Gaurish Dhond
RI District 3170

Chairman - Governors Council

V Thirupathi Naidu
RI District 3160

Treasurer - Executive Committee

Anup Mittal
RI District 3011

Secretary - Governors Council

Jacintha Dharma
RI District 3212

Member - Advisory Committee

विषयसूची

12 दिल्ली के दो क्लबों ने राजस्थान में चेक डैम का निर्माण किया

रोटरी क्लब दिल्ली मंथन और दिल्ली वेस्ट द्वारा अलवर जिले में कार्यान्वित एक जल संरक्षण परियोजना।

18 वैश्विक नेताओं को अफ्रीकी जलवायु संकट को गंभीरता से लेना चाहिए: वैनेसा नकाते

कार्यकर्ता वेनीसा नाकाटे की विश्व नेताओं के सामने प्रस्तुत की गई जोशीली दलील अफ्रीका के सामने आने वाले विनाशकारी पर्यावरणीय परिणामों को संबोधित करती है।

20 रो ई अध्यक्ष मेहता ने रोटेरियनों से विशालतर सेवा करने के लिए रोटरी को विकसित करने का आग्रह किया

शीर्ष सरकारी नेतृत्वकर्ताओं और वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं ने शेखर मेहता को उनकी नई भूमिका के लिए एक विशाल जूम बैठक में सम्मानित किया।

28 एक ग्रामीण नेत्र अस्पताल के निर्माण की भूमिका बना विवाह समारोह

माइंडट्री के सह-संस्थापक सुब्रतो बाग्ची द्वारा शुरू किया गया एक विचार उड़ीसा के एक गांव में एक नेत्र अस्पताल में तब्दील हो गया।

30 उड़ीसा की लड़कियां कहती है, चक दे इंडिया

रोटेरियन जतिंदर कुमार शर्मा द्वारा स्थापित रोटरी हॉकी अकादमी पूरे उड़ीसा में तीन केंद्रों पर 200 ग्रामीण लड़कियों को प्रशिक्षित करती है।

34 अंदाज़, रुआब, रूतबा और भी...

दिलीप कुमार को श्रद्धांजलि। उनके करोड़ों प्रशंसकों के लिए, उनके जैसा कोई और करिश्माई अभिनेता कभी नहीं होगा।

56 रोटरी ने बनाया किसानों के लिए एक पुल

रोटरी क्लब शेगांव एक गांव में एक मजबूत पुल बनाने में गोंवालों की मदद करता है।

60 रोटरी फाउंडेशन संशोधित फंडिंग मॉडल मार्गदर्शिका

TRF द्वारा स्वीकृत निधीयन में नए नीतिगत परिवार्ताओं के बारे में जानिए।

लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए रोई अध्यक्ष मेहता का आह्वान स्वागत योग्य है

लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए रोई अध्यक्ष मेहता का आह्वान स्वागत योग्य है रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता का रोटेरियनों से लड़कियों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने हेतु किया गया आह्वान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष मेहता और उनकी पत्नी राशी की खूबसूरत तस्वीर के साथ इस अंक में हमेशा की तरह ही अनेक दिलचस्प लेख मौजूद है, जिसमें मुंबई के रोटरी क्लब क्वीन नेकलेस द्वारा किए गए कोविड राहत उपाय शामिल है, जैसे ऑक्सीजन कन्सन्ट्रैटर प्रदान करना, ताजा भोजन/सब्जियों के साथ सामुदायिक फ्रिज प्रदान करना ताकि उन लोगों की भूख मिटाई जा सके जो खाना नहीं खरीद सकते। ये परियोजनाएं लोगों को रोटरी की सेवा के बारे में बहुत कुछ बताती है।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन
मंडल 3000

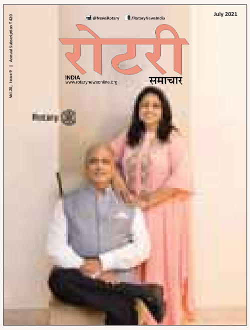

जुलाई अंक के कवर पेज पर कोलकाता में उनके घर पर खींची गई रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और पत्नी राशि की खूबसूरत तस्वीर देखकर खुशी हुई। मेहता की अवधारणा *हर एक, लाए एक* उत्कृष्ट है और एक बेहतर दुनिया के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना एक नवीन विचार है। मैं उनके आगामी सफल रोटरी वर्ष की कामना करता हूँ।

नए रो ई निदेशकों के संदेश हमें प्रेरित करते है। न्यासी प्रमुख जॉन एफ जर्म ने हेलेन केलर का उद्धरण देते हुए हमें इस महामारी से लड़ने का रास्ता दिखाया। PRIP होल्गर नेक इस बात पर ध्यान केंद्रित करते है कि महामारी के बाद की दुनिया में क्लबों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। रोटरी क्लब मुंबई क्वीन्स नेकलेस और भारत के कई अन्य क्लबों के नेक काम के बारे में पढ़कर अच्छा लगा। अन्य लेख जैसे विशाल परियोजनाओं के लिए *रोटरी-टाटा की साझेदारी,* के एल सहगल पर लेख, और *अपने घर को ऊर्जा-कुशल बनाएं,* सभी पढ़ने योग्य है। तस्वीरें भी लाजवाब है।

फिलिप मुलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

रोई अध्यक्ष मेहता का ध्यान लड़कियों को सशक्त बनाने और उनकी सेहत एवं रोटरी सेवा में उनका समावेश सुनिश्चित करने पर होगा ताकि शिक्षा, स्वच्छता, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच आसान हो सकें। उनकी थीम में एक गूढ़ अर्थ समाहित है और यह क्लबों के लिए भव्य परियोजनाएं करने के अवसर खोलती है। जून अंक के कवर पर अध्यक्ष शेखर और राशि को देखकर खुशी हुई।

अभय किशोर संदवार
रोटरी क्लब धनबाद मिडटाउन
मंडल 3250

एक भीगे हुए जून अंक को पढ़ना

जुलाई अंक में क्लबों और परियोजनाओं को व्यापक कवरेज हुआ। चूंकि बालिकाओं का सशक्तिकरण इस वर्ष का विषय है, मुझे आशा है कि हमारे सभी रोटरी क्लब रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के इस सपने पर ध्यान देंगे। रोटरी क्लब नागरकोइल में एक रोटेरियन के रूप में 13 वर्षों तक सेवा देने के पश्चात, DG जैसिंथा धर्मा रो ई मंडल 3212 की गवर्नर बनी है जिसका श्रेय एक इंटरेक्टर और बाद में RYLA की बदौलत एक रोटरेक्टर के रूप में निर्मित उनकी मजबूत नींव को जाता है। वह तमिलनाडु में दूसरी और अपने मंडल की पहली महिला DG है। उनकी सफलता महिला सशक्तिकरण का एक अच्छा उदाहरण है।

एस मोहन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - मंडल 3000

मानसून की वजह से, मुझे जून अंक भीगा हुआ मिला। अध्यक्ष मेहता और रो ई निदेशक महेश कोटबागी पर संपादक के लेख अत्यंत रुचिकर थे। मुझे संध्या राव, भरत और शालान सवूर, TCA श्रीनिवास राघवन के LBW की प्रतीक्षा रहती है। संध्या के बुकमार्क मेरे अपने पढ़ने के अभ्यास का प्रतिबिंब है - यदि कोई किताब भारी लगती है तो थकान को दूर करने के लिए एक बार में 2-3 किताबें पढ़िए। TCA के लेख को बिना रुके एक बार में ही पढ़ा जा सकता है। मेरे जवानी के दिनों में (मैंने इस मार्च में अपना 80वां जन्मदिन मनाया था) शरीर के बजाय आत्मा के लिए काम करना मेरा भी सिद्धांत था। हर महीने निरंतर रूप से इतनी दिलचस्प पठन सामग्री प्रदान करने के लिए धन्यवाद।

मंडयं बद्रीनारायण
रोटरी क्लब ठाणे हिल्स - मंडल 3142

अध्यक्ष मेहता और RID महेश कोटबागी पर लिखी गई विस्तृत विशेषताएं बहुत जानकारीप्रद है और रोटरी में अब तक की अनेक सेवा परियोजनाओं पर उनकी उपलब्धियों की ओर इशारा करती है। रोटरी क्लब बेलथंगड़ी द्वारा शुरू की गई जल परियोजनाएं किसानों तक पहुंची है जिससे उन्हें अपने क्षेत्र में पानी की कमी से निपटने में मदद मिली है, परिणामस्वरूप उनकी उत्पादकता में सुधार हुआ है।

डॉ पोन मुथइयाँ
रोटरी क्लब आडुथुरई - मंडल 2981

एस आर मधु द्वारा सहगल पर लेख ने इस महान गायक की मनमोहक आवाज की यादें ताजा कर दी। उनकी उदास आवाज में भावनाओं की गहराई को लेखक ने बखूबी कैद किया है। तत्कालीन रेडियो सीलोन पर

मुझे रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के कार्यकाल के दौरान उनकी लड़कियों का सशक्तिकरण प्राथमिकता, जो आज के समय की मांग है, के बारे में जानकर बहुत खुशी हो रही है। *रोटरी न्यूज़* से दुनिया भर में कोविड-राहत के लिए रोटरी क्लबों द्वारा प्रदान की जा रही अपार मदद और समर्थन के बारे में जानकर हमें गर्व हो रहा है। गुवाहाटी में जयपुर अंग शिविर पर लिखे गए लेख में गैंडे के हमले में अपना पैर गंवाने वाले वन रक्षक तमोंग की हृदयविदारक कहानी पढ़कर आंखें खुल गई। यह परियोजना प्रशंसनीय है और अन्य क्लबों के लिए एक प्रेरणा है। रो ई मंडल 3181 (जून अंक) द्वारा संवहनीय जल संरक्षण परियोजनाओं से किसानों को उनका मनोबल बढ़ाने और आने वाले वर्षों में अच्छा प्रदर्शन करने में बहुत मदद मिलेगी।

कर्नल विजय कुमार (सेवानिवृत्त)
रोटरी क्लब अलेप्पी ग्रेटर
मंडल 3211

सहगल की पुरानी यादें संगीत प्रेमियों के दिलों में हमेशा बनी रहेंगी।

के रविंद्रन
रोटरी क्लब त्रिकारिपुर - मंडल 3204

रोटरी और कोविड का टीका

एक और रोटरी वर्ष ने शानदार पठन सामग्री से भरे *रोटरी न्यूज़* के एक और खूबसूरत अंक के साथ शुरुआत की है। 36 साल पहले, 1985 में रोटरी ने अपने सर्वकालिक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत की थी। रोटेरियनों ने 2.1 बिलियन डॉलर से अधिक राशि का संग्रह किया और लगभग 3 बिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए अनगिनत स्वयंसेवी घंटे लगाए। पोलियो के मामलों में 99.9 प्रतिशत की कमी आई।

अगर रोटरी इस अविश्वसनीय उपलब्धि को हासिल कर सकती है तो क्यों न एक कोविड वैक्सीन भी विकसित करने का प्रयास किया जाए? रोटरी एक कोविड वैक्सीन डेवलपमेंट लैब स्थापित कर सकती है रोटरी के पास धन की शक्ति है क्योंकि हमारे पास सबसे बड़े संस्थानों में से एक, TRF है।

टोमी ईपेन
रोटरी क्लब अलेप्पी - मंडल 3211

रोटरी के लिए नोबेल नामांकन को लेकर अध्यक्ष मेहता के सपने को साझा करता हूँ। वैभव या प्रसिद्धि के लिए नहीं, बल्कि एक नोबेल हमें रोटरी के शीर्ष सेवा संगठन के रूप में उभरने के करीब ले जाएगा। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष सभी रोटेरियनों की ओर से हमारे रो ई अध्यक्ष द्वारा यह पुरस्कार प्राप्त करने वाला गौरवान्वित क्षण जरूर आएगा।

आर मुरली कृष्ण
रोटरी क्लब बेरहामपुर - मंडल 3262

एक मार्मिक संपादकी

दूर से शोक मनाने का सदमा पर जून अंक की संपादकीय दिल को छू लेने वाली है और जमीनी हकीकत को दर्शाती है। विदेशों में रहने वाले रिश्तेदार या दोस्त जो अपने प्रियजनों को अलविदा कहने के लिए वापस नहीं आ सके और जिन परिजनों को अंतिम संस्कार करने की अनुमति नहीं मिली उनके लिए यह बहुत कष्टदायक समय है।

डॉ वी रामसुब्रमण्यम ने चेतावनी दी कि यह तीसरी लहर अपरिहार्य है, लेकिन उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह हल्की होगी। रोटेरियनों को फिट और स्वस्थ रहने के लिए उनकी सलाह का अनुसरण करना चाहिए।

राज कुमार कपूर
रोटरी क्लब रूपनगर - मंडल 3080

एक ऊर्जस्वी नेता

मुझे कोलकाता में शताब्दी समारोह के दौरान रो ई अध्यक्ष मेहता और PRID कमल संघवी के साथ मिलकर काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने मेहता में महान प्रेरक विचारों, बड़े सपनों और विशाल सामाजिक सेवा लक्ष्यों का स्मारक देखा। एक सच्चा आदर्शवादी और सर्व टू चेंज लाइव्स का आदर्श वाक्य उनके चरित्र में ठीक बैठता है।

पीयूष दोषी, रोटरी क्लब बेलूर - मंडल 3291

आइए हम अध्यक्ष मेहता, DG और नए क्लब अध्यक्षों का स्वागत करें। PRIP होल्गर नेक ने अपने संदेश में महामारी के बाद की चुनौतियों का विवरण दिया है। संपादक का संदेश विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों द्वारा दूर से शोक मनाने के सदमे को स्पष्ट रूप से समझता है।

एस मुनीयांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

लेख *कोयंबटूर रोटेरियनों की कोविड राहत परियोजना* (जून 2021) अच्छी तरह से लिखा गया है। इतना व्यापक कवरेज प्राप्त करना बड़े सौभाग्य की बात है और टीम संजीवनी और सम्पूर्ण मंडल 3201 के लिए यह गर्व का क्षण है। रोटरी की छवि में एक नवीन वृद्धि हुई है।

पी पी लक्ष्मणन
रोटरी क्लब कोयंबटूर वेस्ट - मंडल 3201

We welcome your feedback. Write to the Editor:
rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com.
Mail your project details, along with hi-res photos,
to **rotarynewsmagazine@gmail.com.**

Messages on your club/district projects, information and links on zoom meetings/ webinar should be sent only by e-mail to the Editor at **rushbhagat@gmail.com** or **rotarynewsmagazine@gmail.com.** WHATSAPP MESSAGES WILL NOT BE ENTERTAINED.

Click on **Rotary News Plus** on our website **www.rotarynewsonline.org** to read about more Rotary projects.

एक व्यस्त रोटेरियन हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं

SERVE TO CHANGE LIVES

मेरे प्यारे परिवर्तनकर्ताओं,

चूंकि हम इस महीने रोटरी की सदस्यता पर ध्यान केंद्रित करते है, मैं आपसे इस साल इतिहास बनाने में मदद करने का आग्रह करता हूँ। 20 से अधिक वर्षों से, हमारी सदस्यता 1.2 मिलियन रही है। अपने 116 साल के इतिहास के साथ रोटरी एक जीवंत संगठन है, जिसके 220 से अधिक देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में सदस्य मौजूद है, और जिसके पास पोलियो उन्मूलन और अन्य मानवीय कार्यक्रमों हेतु किए गए कार्यों की एक समृद्ध विरासत है। रोटरी ने हमारे और दूसरों के जीवन में बहुत कुछ परिवर्तित किया है। जब हम जीवन बदलने हेतु सेवा करते है, तो क्या आपको नहीं लगता कि अधिक लोग *स्वयं से बढ़कर सेवा* का अभ्यास करें तो रोटरी का दुनिया पर और भी अधिक प्रभाव हो सकता है?

मेरा विचार जुलाई 2022 तक रोटरी सदस्यता को 1.3 मिलियन तक बढ़ाने का है, और इस कार्य का आह्वन सरल है: हर एक, लाए एक। इस साल, मैं चाहता हूँ कि प्रत्येक रोटेरियन और रोटरेक्टर अपने क्लब में एक नए व्यक्ति को शामिल करें।

हम एक सदस्यता संगठन है, और सदस्य हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। आप लोग ही है जो रोटरी संस्थान में इतनी उदारता से योगदान करते है। आप ही है जो सार्थक परियोजनाओं के माध्यम से दुनिया में अच्छा करने के लिए बड़े सपने देखते है। और बेशक वो आप ही है जिन्होंने दुनिया को पोलियो उन्मूलन की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

चूंकि हम इस वर्ष सदस्यता को प्राथमिकता दे रहे है, तो आइए हम युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं तक पहुंचकर विविधता पर ध्यान केंद्रित करें। प्रत्येक क्लब को अपने नए सदस्यों का जश्न मनाना चाहिए, और प्रत्येक रोटेरियन जो किसी सदस्य को प्रायोजित करेगा उसे मेरे द्वारा व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया जाएगा। और जो लोग 25 या अधिक सदस्यों को लाने में सफल होंगे, वे हमारी नई सदस्यता समिति का हिस्सा होंगे।

रोटरी के तोहफे को दूसरों के साथ साझा करने के साथ ही, इस बात को भी सुनिश्चित करें कि नए सदस्यों को व्यस्त रखा जा सकें, क्योंकि एक व्यस्त रोटेरियन सदाबहार संपत्ति होता है। और याद रखें कि हमारे मौजूदा सदस्यों को व्यस्त रखना और उन्हें हमारे क्लबों में बनाए रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि नए लोगों को लाना। आइए हम नए क्लब बनाने के लिए भी तैयार रहें, विशेष रूप से लचीले क्लब। मैं आभासी या मिश्रित बैठकें आयोजित करने वाले क्लबों को लेकर बहुत उत्साहित हूँ, और सैटेलाइट क्लब एवं कारण-आधारित क्लब भी रोटरी को विकसित करने के बहुत प्रभावी तरीके हो सकते है।

जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते है, आप और अधिक करने में सक्षम होंगे। आइए हम प्रत्येक ध्यानाकर्षण क्षेत्र में अपने काम के माध्यम से *लड़कियों को सशक्त* बनाते रहें। लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति, स्कूलों में शौचालय, स्वास्थ्य और स्वच्छता शिक्षा - हम बहुत कुछ कर सकते है। पर्यावरण पर केंद्रित परियोजनाएं भी दुनिया भर में रुचि उत्पन्न कर रही है। इस दुनिया को हमारे और सभी प्रजातियों के लिए एक बेहतर जगह बनाने हेतु स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन परियोजनाओं में भाग लें।

आप में से प्रत्येक एक रोटरी ब्रांड एंबेसडर है, और दुनिया भर के रोटेरियनों द्वारा किए गए सभी अद्भुत कार्यों को रोटरी समुदाय के बाहर साझा करने की आवश्यकता है। अपने मित्रों, सहकर्मियों और रिश्तेदारों को स्वयं से ऊपर सेवा की कहानियाँ बताने के लिए सामाजिक मीडिया का उपयोग करें।

अंत में, मैं प्रत्येक क्लब को आगामी वर्ष के दौरान कम से कम एक रोटरी सेवा दिवस की योजना बनाने की चुनौती दे रहा हूँ जो रोटरी के अंदर और बाहर के स्वयंसेवकों को एक साथ लाएगा और आपके समुदाय में आपके क्लब के काम का जश्न मनाएगा और उसे प्रदर्शित करेगा। इन सभी पहलों के साथ-साथ *जीवन परिवर्तित करने के लिए सेवा* करने के अन्य तरीकों के बारे में अधिक जानने हेतु *rotary.org* पर जाएं।

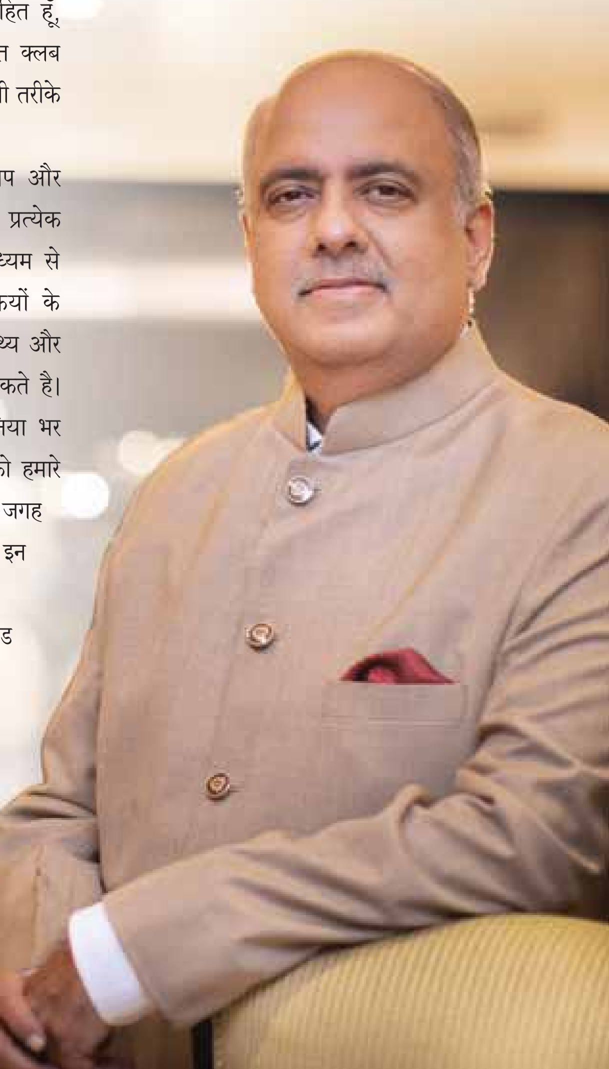

शेखर मेहता
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

एक विविधतापूर्ण, निष्पक्ष दुनिया की ओर बढ़ती रोटरी

जब भी दुनिया में रोटरी क्लब के सदस्य, विशेषकर भारत में, स्कूल में लैंगिक आधार पर पृथक शौचालय का निर्माण करते हैं; लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताते हैं और उन्हें टिकाऊ और उपयोग में आसान एमएचएम किट उपलब्ध कराते हैं; बेटियों को भी बेटों के सामान ही शिक्षित करने के महत्व पर जागरूकता सत्र आयोजित करते हैं, बाल विवाह के विरुद्ध अभियान चलाते हैं या लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति शुरू करते हैं, तो लगता है कि लड़कियों का सशक्तिकरण, जो रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के प्राथमिकताओं में बहुत ऊपर है, धीरे ही सही, आकार ले रहा है।

आत्मरक्षा के लिए कराटे या किसी अन्य मार्शल आर्ट में प्रशिक्षण, युवा लड़कियों और लड़कों को भी, 'अच्छे स्पर्श-बुरे स्पर्श' के बारे में जागरूक करना और न केवल उनमें ऐसे दरिंदों से दूर रहने का आत्म विश्वास जगाना बल्कि उनकी शिकायत करने के लिए भी प्रोत्साहित करना। विशेष पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवा महिलाओं को कुशल बनाना, जिस प्रकार RID 3232 (*रोटरी न्यूज़,* अप्रैल, 2021) की महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा 100 मूक व् बधिर लड़कियों को सौंदर्य देखभाल में प्रशिक्षित किया गया, माता-पिता को लड़कियों का जल्दी और कम उम्र में विवाह करने से रोकना और ओडिशा में ग्रामीण लड़कियों के लिए हॉकी अकादमी की शुरुआत (इस अंक में वी मुत्तुकुमरन की रिपोर्ट), ये सभी परियोजनाएं रोटरी इंटरनेशनल के नवीनतम मूल मंत्र - विविधता, समानता, समावेश (DEI) पर सटीक उतरती हैं।

यह देखकर प्रसन्नता हुई कि गत वर्ष के रो इ अध्यक्ष होल्गर नैक ने रोटेरियनों से DEI मंत्र अपनाने को में कोई भी अवसर नहीं छोड़ा और कहा कि नस्लीय, क्षेत्रीय या रंग के आधार पर भेदभाव के पूर्वाग्रहों से दूर रहें। कई दशकों से चले आ रहे भेदभाव और असमान व्यवहार से बालिकाओं को मुक्त करने के लिए बालिकाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता के बारे में अध्यक्ष मेहता, जिस उत्साह से बात कर रहे हैं, यकीनन, इस रोटरी वर्ष में उसकी छाप साफ़ नज़र आएगी। RIPE जेनिफर जोन्स रो ई का ध्यान DEI पर केंद्रित कर इसे जारी रखने की मंशा पहले ही जाहिर कर चुकी हैं।

इस मुद्दे को ले कर रोटरी कितनी गंभीर है ये इसी से जाहिर होता है कि इसके निदेशक मंडल द्वारा इस सन्दर्भ में रोटरी के भीतर वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए, DEI टास्क फोर्स का गठन किया गया है जो रोटरी द्वारा ''निष्पादित करने, मापने और उसके सार्थक परिणाम प्राप्त करने योग्य'' एक व्यापक कार्य प्रणाली विकसित करेगी। अक्टूबर 2021 में, इस योजना का प्रारूप बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मेहता करेंगे।

इस बात को कितने रोटेरियन जानते हैं, रोटरी का DEI स्टेटमेंट वास्तव में 2019 में अंगीकार किया गया था? लेकिन आज ''हमारी नई जिम्मेदारी विविधता, समानता और समावेश के प्रति है'', ठीक वैसे ही जिस तरह रोटरी में भी, विविध, न्यायसंगत और समावेशी संस्कृति विकसित करने पर सहमति बन रही है।

ऐसा नहीं है कि बालिकाओं को सशक्त बनाने की सख्त ज़रुरत के प्रति भारत उदासीन है या इससे परिचित नहीं है। उनके साथ भेदभाव और हमारे पुरुष-प्रधान समाज में बेटियों का महत्त्व कम होने को धन्यवाद है जिसके कारण, 0-6 आयु वर्ग में लड़की:लड़के का लिंग अनुपात लगातार गिर रहा है। 2011 की जनगणना में घटकर यह प्रति 1000 लड़कों पर 918 लड़कियों पर पहुँच गया, जो 2001 में 1000:927 था।

2014 में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्या भ्रूण हत्या की जघन्य प्रथा को समाप्त करने का आह्वान किया था। इसके अगले वर्ष जनवरी में उन्होंने इस अभिशाप के समाधान के लिए *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* योजना शुरू की थी।

रो ई मे नेतृत्व की नई भूमिका में उनका स्वागत करने के लिए आयोजित ज़ूम मीट में ये देख कर मुझे अत्यन्त हर्ष हुआ कि रो इ के कुछ वरिष्ठ नेताओं और दुनिया भर के रोटरी नेताओं ने रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता द्वारा बालिकाओं को सशक्त बनाने के संकल्प को विशेष रूप से चुना और इस अद्भुत पहल में उनका साथ देने का आश्वासन दिया।

रोटरी न्यूज़ की ओर से, हम भी वादा करते हैं कि अपने पृष्ठों में लड़कियों, महिलाओं और उनके माध्यम से हमारे महान देश और दुनिया को सशक्त बनाने के लिए की जा रही ठोस कार्रवाई का विवरण अवश्य छापेंगे। तो चलिए और हमें बताएं कि DEI के सन्दर्भ में आपके क्लब क्या कर रहे हैं।

रशीदा भगत

Governors Council

RID 2981 S Balaji
RID 2982 K Sundharalingam
RID 3000 R Jeyakkan
RID 3011 Anup Mittal
RID 3012 Ashok Aggarwal
RID 3020 Rama Rao M
RID 3030 Ramesh Vishwanath Meher
RID 3040 Col Mahendra Mishra
RID 3053 Sanjay Malviya
RID 3054 Ashok K Mangal
RID 3060 Santosh Prdhan
RID 3070 Dr Upinder Singh Ghai
RID 3080 Ajay Madan
RID 3090 Parveen Jindal
RID 3100 Rajiv Singhal
RID 3110 Mukesh Singhal
RID 3120 Samar Raj Garg
RID 3131 Pankaj Arun Shah
RID 3132 Dr Omprakash B Motipawale
RID 3141 Rajendra Agarwal
RID 3142 Dr Mayuresh Warke
RID 3150 K Prabhakar
RID 3160 Thirupathi Naidu V
RID 3170 Gaurishkumar Manohar Dhond
RID 3181 A R Ravindra Bhat
RID 3182 Ramachandra Murthy M G
RID 3190 Fazal Mahmood
RID 3201 Rajasekhar Srinivasan
RID 3203 Shanmugasundaram K
RID 3204 Dr Rajesh Subash
RID 3211 Srinivasan K
RID 3212 Jacintha Dharma
RID 3231 Nirmal Raghavan W M
RID 3232 Sridhar J
RID 3240 Dr Mohan Shyam Konwar
RID 3250 Pratim Banerjee
RID 3261 Sunil Phatak
RID 3262 Santanu Kumar Pani
RID 3291 Prabir Chatterjee

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions — original content — is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced with permission and attributed to RNT.

निदेशकों

रोटरी का नया ध्यानाकर्षण क्षेत्र: पर्यावरण का समर्थन

प्रिय दोस्तों,

क्या आपको नहीं लगता कि यह हमारे लिए यह एक रोमांचक क्षण है क्योंकि हम पर्यावरण का समर्थन करने के लिए तैयार है? रोटरी संस्थान ने सेवा परियोजनाओं का निधीयन शुरू करके अब रोटेरियनों को पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण करने हेतु सक्षम बनाया है। यह 1990 के दशक में 'पृथ्वी का संरक्षण' पहल के बाद एक बड़ी छलांग है। अतीत में हमारे क्लबों और मंडलों ने जल, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन आदि क्षेत्रों में अनेक परियोजनाओं एवं गतिविधियों को पूरा किया है। हालांकि, अब हम अधिक संसाधनों से परिपूर्ण है और रोटेरियनों द्वारा किए जाने वाले केंद्रित प्रयासों के माध्यम से हम हमारे आसपास के समुदायों द्वारा पर्यावरण के मुद्दों को संबोधित किए जाने के तरीकों को बदल सकते है।

जब भी हम हरे और स्वच्छ पर्यावरण के बारे में सोचते है, तो हम पेड़ों, निर्मल जल वाली नदियों, गंदगी और कचरे से मुक्त वातावरण के सपने देखते है। इतने सुंदर कैनवस के बिना धरती का कोई अर्थ नहीं है। रोटेरियनों के लिए थॉमस फुलर के शब्द बेहद उपयुक्त है: ''जो व्यक्ति पेड़ लगाता है, वह अपने अलावा दूसरों से भी प्यार करता है।''

हमें सिर्फ पौधे लगाकर ही रुकना नहीं है; हमें उनकी देखभाल तब तक करनी है जब तक कि वे अपने दम पर जीवित रहने लायक ना हो जाए। समुदायों को शामिल करते हुए स्वच्छ जल संसाधनों का निर्माण उन्हें लंबे समय तक टिकाऊ बनाएगा।

एक बार मदर टेरेसा ने कहा था, ''मुझे केवल तब गुस्सा आता है जब मैं बर्बादी देखती हूं। जब मैं देखती हूं कि लोग उन चीजें को फेंक रहे है जिनका हम इस्तेमाल कर सकते है।'' प्लास्टिक को ना कहना एक 'फैशन' है, लेकिन प्लास्टिक को कम करना, उसका पुनर्चक्रण और पुन:प्रयोग करना एक जुनून है। प्लास्टिक पुनर्चक्रण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने के अलावा, रोटरी क्लब स्कूलों और समुदायों में 'प्लास्टिक उपयोग साक्षरता' कार्यक्रमों को प्रोत्साहित एवं आयोजित कर सकते है।

लियो टॉल्स्टॉय ने कहा था, ''खुशी की पहली शर्तों में से एक यह है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच की कड़ी टूटनी नहीं चाहिए।'' रोटेरियन अपने कृत्यों और कार्यों के माध्यम से वह कड़ी बन सकते है। एक साथ मिलकर, हम अपनी युवा पीढ़ियों को शामिल करते हुए पेड़ लगाकर, प्लास्टिक को 'ना' कहने के लिए समुदायों की मदद एवं उन्हें शिक्षित करके, और ठोस कचरे का प्रबंधन करके खुशी और आनंद से भरपूर एक वातावरण का निर्माण कर सकते है। एक साथ मिलकर, आइए हम अपने ग्रह पृथ्वी को संवहनीय एवं पर्यावरणीय अनुकूल सामुदायिक पहलों के माध्यम से पहले से थोड़ा बेहतर बनाएं। आइए हम इसे वैसे ही करें जैसे हम कर सकते है।

महेश कोटबगी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

विविधता को आमंत्रित करें, समावेश के साथ नृत्य करें

एक बार एक युवा लड़की थी जो बहुत ही भुलक्कड़ थी। वह अपने कमरे को साफ करना भूल जाती थी, स्कूल से अपना लंच बैग वापस लाना भूल जाती थी इत्यादि। उसकी माँ, अन्य माताओं की तरह ही, उसे लगातार सावधान और सतर्क रहने की याद दिलाती थी। एक दिन उसकी माँ ने उसकी पोशाक की जेब में एक छेद देखा और उसे ठीक करने के लिए कहा। ''माँ, मैं इसे बाद में करूँगी'' ऐसा जवाब देकर वह खेलने चली गई। उस शाम, उसके चाचा आए और उसे उसकी पसंदीदा चॉकलेट खरीदने के लिए कुछ सिक्के दिए। उसने सिक्कों को जेब में रखा और खुशी-खुशी सड़क पार मिठाई की दुकान की ओर चल पड़ी। लेकिन जब वह वहाँ पहुँची तो उसने देखा कि उसकी जेब के छेद में से सभी सिक्के फिसलकर कहीं गिर चुके थे!

हमें इस बात का बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है कि जिन सदस्यों को हम सदस्यता के माध्यम से जोड़ रहे है उन्हें बढ़ावा देकर अच्छे रोटेरियन में विकसित किया जाए। इसलिए जेब के उस छेद को ठीक करना न भूलें और यह सुनिश्चित करें कि नए सदस्य जाने के बजाय हमारे क्लबों में सुरक्षित और आराम से रहें।

यह सुनिश्चित करने के लिए क्लब में एक ऐसा तंत्र स्थापित किया जा सकता है जिसमें नए सदस्यों को क्लब की गतिविधियों में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाए, उनके परिवारों को क्लब फेलोशिप कार्यक्रमों आदि में सहज महसूस कराया जाए। नए सदस्य नाजुक पौधे की तरह होते है जिन्हें पोषण की आवश्यकता होती है।

हमारे क्लबों को मजबूत करने का एक और बढ़िया तरीका सदस्यता में लैंगिक विविधता है। रोटरी एक मानवीय संगठन है और हमारी सदस्यता लिंग संतुलन का प्रतिनिधित्व करने हेतु अच्छा काम करेगी। पुरुष सदस्यता के पक्ष में झुकाव रखने से हमारे क्लब एक बड़े अवसर को खो रहे है जिसका प्रतिनिधित्व रोटरी में आने वाली महिलाएं अपने विचारों, शक्ति, कार्यबल, कौशल के साथ करेंगी। इसलिए, मेरे मित्रों, मैं आपको महिलाओं को अपने क्लब में शामिल करने हेतु आमंत्रित करता हूं - चलिए सुनिश्चित करें कि इस रोटरी वर्ष के अंत तक भारत में रोटरी में एक भी अखिल पुरुष क्लब न रहें!

जब महिलाएं हमारे क्लबों में शामिल हो तो उनकी सदस्यता और उनके योगदान को महत्व दें। अपने दिमाग से उन सभी पूर्व-कल्पित धारणाओं और भ्रांतियों को दूर करें जो मन में बैठी हों। महिला सदस्यों को क्लब से जोड़ने के प्रयास करें - उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करें, उनके विचारों को महत्व दें, उनके काम में विश्वास दिखाएं और सबसे महत्वपूर्ण, उनके लिए नेतृत्व का रास्ता खोलें। हमें यह याद रखना चाहिए कि विविधता को पार्टी में आमंत्रित किया जा रहा है; समावेश को नृत्य करने के लिए कहा जा रहा है!

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

Board of Trustees

Shekhar Mehta **RI President**	RID 3291
Dr Mahesh Kotbagi **RI Director & Chairman, Rotary News Trust**	RID 3131
A S Venkatesh **RI Director**	RID 3232
Gulam A Vahanvaty **TRF Trustee**	RID 3141
Rajendra K Saboo	RID 3080
Kalyan Banerjee	RID 3060
Panduranga Setty	RID 3190
Sushil Gupta	RID 3011
Ashok Mahajan	RID 3141
P T Prabhakar	RID 3232
Dr Manoj D Desai	RID 3060
C Basker	RID 3000
Dr Bharat Pandya	RID 3141
Kamal Sanghvi	RID 3250

Executive Committee Members (2021–22)

Gaurish Dhond **Chairman Governors Council**	RID 3170
Anup Mittal **Secretary Governors Council**	RID 3011
Ramesh Meher **Secretary Executive Committee**	RID 3030
V Thirupathi Naidu **Treasurer Executive Committee**	RID 3160
Jacintha Dharma **Member Advisory Committee**	RID 3212

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Rotary News Trust
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org
on WhatsApp.

अधिक सदस्यों और अधिक समर्थन के साथ, हम दुनिया में और अच्छा करेंगे

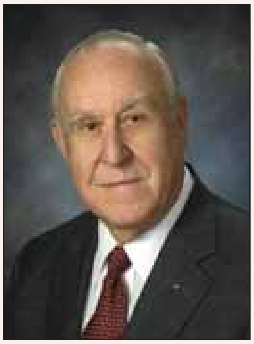

अगस्त में, हम सदस्यता पर ध्यान केंद्रित करते है - ऐसे तरीकों की तलाश करते है जिससे हम रोटरी के पद और पहुंच का विस्तार कर सकें। जब हम नए क्लब बनाते है और रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के *हर एक, लाए एक* के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते है, तो आइए इस बात पर विचार करें कि कैसे इन प्रयासों का हमारे संगठन के प्रत्येक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हमारा संगठन 48,000 से अधिक रोटरी और रोटरेक्ट क्लबों से मिलकर बना है, और हमारे समर्पित क्लब सदस्यों के बिना, हम सेवा नहीं कर सकते। हमारे सदस्य जमीनी स्तर की परियोजनाओं पर काम करके एवं अनगिनत संस्थान कार्यक्रमों और अनुदानों का समर्थन करने के लिए योगदान देकर, दुनिया में अच्छा करने के संस्थान के मिशन को भी पूरा करते है। रोटरी में अधिक सदस्यों के साथ यह संस्थान दुनिया में और भी अच्छा कर सकता है। हमारे पास प्रसवपूर्व सेवाओं का समर्थन करने वाली वैश्विक अनुदान परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए अधिक विचार मौजूद होंगे, ताकि अधिक बच्चे जीवित रह सकें। हम और अधिक मंडल अनुदानों का निधीयन कर सकते है जो साक्षरता का समर्थन करते है, ताकि अधिक लोग पढ़ना सीख सकें।

आज, हमारे लगभग एक तिहाई सदस्य वार्षिक रूप से या अन्य माध्यमों से संस्थान का सक्रिय रूप से समर्थन करते है। अधिक रोटेरियन योगदान का अर्थ होगा रोटरी शांति केंद्रों के लिए अतिरिक्त निधि, साथ ही बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से पोलियो उन्मूलन में मदद करने के लिए अधिक मिलान अनुदान।

रोटरी संस्थान एक ऐसी शक्ति है जो दुनिया भर में प्रभावशाली और टिकाऊ परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करती है; चैरिटी नेविगेटर ने द रोटरी फाउंडेशन को लगातार 13 वर्षों तक सालाना चार सितारा रेटिंग के साथ मान्यता दी है। इस पर रोटरी के सभी सदस्य गर्व महसूस कर सकते है। और यह कितना अच्छा होगा यदि सभी रोटेरियन जैसे भी हो संस्थान का समर्थन कर सकें।

इस महीने मेरा एक साधारण सा अनुरोध है। इस वर्ष संस्थान में और अधिक सम्मिलित होने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कृपया अपनी अगली क्लब बैठक के दौरान 10 मिनट का समय निकालें। यह संस्थान को लाभ पहुंचाने या वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए अन्य क्लबों के साथ साझेदारी करने के लिए एक ऑनलाइन अनुदान संचय की योजना हो सकती है।

आप जो कुछ भी करते है, याद रखें कि हमारे सदस्य - हम सभी - रोटरी के प्रयासों को आगे बढ़ाते है और हमारे संस्थान को मजबूत बनाते है।

जॉन एफ जर्म

संस्थान न्यासी प्रमुख

आइए प्रत्येक रोटेरियन को TRF में 100 डॉलर का योगदान करने दें

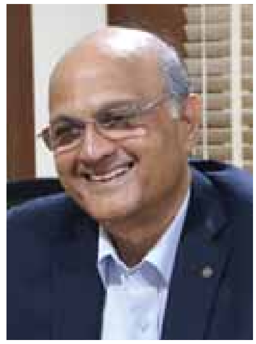

आइए इस बात पर गर्व करते हुए जश्न मनाए कि हमारे अपने शेखर मेहता रोटरी का नेतृत्व कर रहे है। उनके आह्वान *जीवन परिवर्तित करने के लिए सेवा* करें को वंचितों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बढ़ाने के एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना चाहिए।

महामारी ने 2020-21 के DGयों के लिए जीवन को बहुत कठिन बना दिया है। फिर भी, उन्होंने और उनके TRF नेतृत्व दलों ने एक कदम आगे जाकर 2019-20 के कुल योगदान को पार करके हमें गौरवान्वित किया है। जबकि अंतिम आंकड़ों का मिलान किया जा रहा है, सभी चार क्षेत्रों का अबतक का कुल योग 23.5 मिलियन डॉलर है, जिसमें भारत का योगदान 22.3 मिलियन डॉलर का है। दोनों आँकड़ें अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। यह वास्तव में अद्भुत है।

35 लाख डॉलर के कुल योगदान के साथ, ऊह्रः सुनील मेहरा के नेतृत्व में मंडल 3141 दुनिया में नंबर एक मंडल है; छह अन्य भारतीय मंडल - 3131, 3232, 3190, 3201, 3060 और 3011 - पूरी दुनिया में शीर्ष 50 में है।

मैं IPDG, उनके TRF दलों, हमारे दिलदार दानकर्ताओं एवं सभी क्षेत्रीय समन्वयकों - RRFC, EMGA - और EPNC को बधाई देता हूं। सभी लोगों को ढेरों शुभकामनाएं! साथ ही, कुल AF योगदानों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो कि बेहद महत्वपूर्ण है।

निजी तौर पर, 2021-22 खास होगा: शेखर मेहता रो ई अध्यक्ष है। और TRF न्यासी के रूप में यह मेरा आखिरी साल होगा। मैं विनम्रतापूर्वक प्रत्येक रोटेरियन से TRF में कम से कम 100 डॉलर का योगदान करने का अनुरोध करता हूं; प्रति व्यक्ति नहीं बल्कि हर एक के द्वारा। यह वास्तव में रिकॉर्ड कायम करने वाला कार्य होगा और यह सभी चार क्षेत्रों के लिए 2021-22 के 30 मिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल करना आसान बना देगा।

हमारा संस्थान शोषित एवं वंचितों के लिए उम्मीद की किरण जगाता है। प्रत्येक क्लब अध्यक्ष और DG से, मैं कहना चाहता हूँ यह आपका क्षण है। आप ऐसे नेतृत्वकर्ता है, जिनका हर प्रयास किसी अच्छे कार्य पर केंद्रित होता है। यह मायने नहीं रखता कि आपने बुलंदियाँ हासिल की है, यह मायने रखता है कि आपने कभी प्रयास करना नहीं छोड़ा।

आइए आगे बढ़ते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और ज़िंदगियों को बदलने के लिए सेवा करें।

गुलाम ए वाहनवती

ट्रस्टी, द रोटरी फौउंडेशन

Unaudited Interim TRF Contributions as on June 2021

(in US Dollars)

District Number	Annual Fund	PolioPlus	Endowment Fund	Other Funds	Total Contributions
			India		
2981	197,182	8,037	22,231	2,058	229,509
2982	157,849	19,308	20,770	109,312	307,240
3000	221,823	37,784	492	74,464	334,563
3011	339,664	17,593	65,653	596,775	1,019,684
3012	110,704	2,780	0	42,321	155,806
3020	213,466	166,771	153,471	45,907	579,615
3030	222,792	5,407	39,408	167,057	434,663
3040	66,519	3,546	0	182,456	252,521
3053	77,915	8,642	24,961	230,147	341,665
3054	112,356	7,918	0	622,200	742,473
3060	371,823	3,759	207,164	615,999	1,198,745
3070	63,184	2,760	0	74,797	140,741
3080	154,704	17,062	1,097	(13,280)	159,583
3090	62,869	603	0	(736)	62,736
3100	72,466	252	0	15,885	88,603
3110	104,698	300	0	0	104,999
3120	64,642	2,378	0	9,659	76,679
3131	506,073	44,852	172,872	1,035,650	1,759,448
3132	82,501	7,335	15,000	8,451	113,287
3141	1,081,701	52,184	427,101	1,963,778	3,524,764
3142	345,152	37,852	1,451	111,320	495,776
3150	240,891	22,687	207,804	55,026	526,408
3160	160,306	21,109	12,085	440	193,940
3170	513,558	31,464	5,554	411,534	962,111
3181	225,769	12,613	0	9,385	247,767
3182	133,331	7,804	0	41,729	182,864
3190	395,810	129,555	121,058	577,930	1,224,353
3201	306,596	50,148	0	935,423	1,292,167
3202	116,506	34,071	1,135	244,718	396,430
3211	110,445	4,554	1,300	179,795	296,094
3212	27,466	69,801	10,153	497,876	605,295
3231	20,891	2,145	0	23,767	46,804
3232	152,178	62,690	50,199	1,471,981	1,737,047
3240	278,481	54,172	0	48,935	381,588
3250	102,571	6,225	7,195	150,793	266,784
3261	154,709	3,441	50,000	114,300	322,450
3262	122,689	5,051	2,562	950	131,253
3291	218,366	18,522	58,758	72,592	368,238
3220 Sri Lanka	247,012	38,685	42,000	49,406	377,103
3271 Pakistan	80,601	102,291	0	308,125	491,017
3272 Pakistan	87,460	25,578	0	1,168	114,205
3281 Bangladesh	298,038	90,958	90,894	544,889	1,024,779
3282 Bangladesh	79,560	13,119	0	8,270	100,949
3292 Nepal	343,542	17,196	0	461,654	822,392

Source: RI South Asia Office

Rotary

Service above Self Award recipients for 2020–21

1. Amjad Ali
2. Ashis Kumar Roy
3. Ashok Kantoor
4. Chouth Mal Birla
5. Devdas Rai Badur
6. Dineshkumar Sharma
7. Dipti Ranjan Patnaik
8. Dr Pijush Kanti Roy
9. Jagadeeswara Rao Maddu
10. M Arun
11. Madhukar Malhotra
12. Manoj Agarwal
13. Nitin Dafria
14. Raj Kumar Bhutoria Raj
15. Rajendra Ruia
16. Ranjeet Singh
17. Ratna Prabhakar Anne
18. Ravi Deshpande
19. Saleem M
20. Salim Batada
21. Sushil Saini
22. Vasu Rajaram
23. Vijay Purwar
24. Y Janardhan Rao
25. Yashwant Jejurikar
26. Dr Aruna Tantia

दिल्ली के दो क्लबों ने राजस्थान में चेक डैम का निर्माण किया

रशीदा भगत

अनुकरणीय और टिकाऊ जल परियोजनाओं के माध्यम से, राजस्थान में हरियाली लाने के लिए भारतीय रोटरियनों की दिलचस्पी कायम है, कोविड महामारी से उभरी चुनौतियों के बावजूद।

इस वर्ष जून में दिल्ली के दो क्लबों द्वारा संयुक्त रूप से राजस्थान के अलवर जिले में एक प्रशंसनीय जल संरक्षण परियोजना – चट्टानवाला चेक डैम – का निर्माण किया गया था। रोटरी क्लब दिल्ली मंथन और दिल्ली वेस्ट रो ई मंडल 3011 ने 72,000 क्यूबिक फीट की जल धारण क्षमता वाले इस बांध का निर्माण किया है जो 200 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि की सिंचाई करने में सहायक होगा।

रोटरी क्लब दिल्ली मंथन के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल में एक जल संरक्षण

बांध स्थल पर गाँव वालों के साथ रोटरी क्लब दिल्ली मंथन और दिल्ली वेस्ट के सदस्य।

परियोजना करने का विचार तब आया जब ''मैं PETS की बैठक में शामिल हुआ था, हमारे मंडल अध्यक्ष संजीव राय मेहरा ने कहा था कि उन्होंने मंडल में 1000 चेक डैम बनवाने की परिकल्पना की है।'' क्लब के अध्यक्ष (2020-21) एन के लांबा कहते हैं, उसी दिन ''मैंने निश्चय कर लिया कि मैं भी अपने कार्यकाल में एक डैम बनवाऊंगा।''

उन्होंने समाज की आवश्यकताओं के अनुसार संभावित स्थानों पर शोध करना शुरू कर दिया ''मेरा कार्यकाल शुरू होने से पहले ही, मैंने फरवरी 2020 से इस योजना पर काम करना शुरू कर दिया था और पीएचडी ग्रामीण विकास फाउंडेशन (PHDRDF) को अपने साथ एक भागीदार बना लिया।'' जिस स्थान पर चट्टानवाला चेक डैम का निर्माण किया गया

स्थल पर पौधारोपण किया गया।

है उसकी अनुशंसा उस संस्था ने की थी जो किसानों के साथ जमीनी स्तर पर काम करती है। उस क्षेत्र में वर्षा कम होती है, भूजल का स्तर बहुत कम है और पानी की भारी कमी हो जाती है। अलवर जिले के हाजीपुर और उमरेन गांवों में रिचार्ज कर भूजल स्तर को बढ़ाने और कृषि और घरेलू उपयोग के लिए जल संसाधनों तक पहुंच में सुधार के अनुरूप, PHDRDF के अनुसार चेक डैम का निर्माण किया गया था।

परियोजना की कुल लागत ₹6 लाख थी। ''लेकिन मेरा क्लब वास्तव में एक शिशु क्लब है, जिसकी उम्र तीन साल से भी कम है और केवल 25 सदस्य हैं। रो ई शुल्क का भुगतान करने के बाद हमारे पास केवल ₹4.5 लाख बचे थे, जिसमें से हमने इस परियोजना के लिए ₹3 लाख अलग रखे और हमारे से कहीं बड़े और वरिष्ठ रोटरी क्लब दिल्ली वेस्ट को हमारे साथ सहभागिता के लिए आमंत्रित किया, वे स्वेच्छा से हमारे साथ आए और इस परियोजना के लिए ₹3 लाख का योगदान दिया'' वे कहते हैं।

संयोग से मंडल अध्यक्ष निर्वाचित अशोक कांतूर (2022-23) दिल्ली वेस्ट के सदस्य हैं।

महामारी की चुनौतियां

इस परियोजना के सामने पहली चुनौती, चिन्हित स्थल की उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए उस क्षेत्र की यात्रा और व्यक्तिगत निरीक्षण थी। ''लोग अपने घरों से निकलने में डरते थे, लेकिन अंततः सितंबर 2020 में, छह लोग उस साइट के भौतिक सत्यापन के लिए वहा पहुंचे, जो दिल्ली से लगभग 175 किमी दूर है।''

संयुक्त रूप से आकलन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इस बांध के निर्माण से इन गांवों में लगभग 710 घरों में 4,500 लोग, 218 हेक्टेयर कृषि भूमि और 4,800 दुधारू पशु लाभान्वित होंगे। रोटेरियनों ने देखा कि इन गांवों में अत्यंत छोटे किसान हैं जिनके पास सिर्फ 1से 3 एकड़ जमीन है। ये किसान ज़्यादातर प्याज और थोड़ी बहुत सब्जियां उगाते हैं, लेकिन सौभाग्य से महामारी में ये किसान बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुए क्योंकि उनकी मुख्य

चेक डैम का उद्घाटन।

हमारे मंडल अध्यक्ष संजीव राय मेहरा ने कहा था कि उन्होंने मंडल में 1000 चेक डैम बनवाने की परिकल्पना की है। मैंने निश्चय कर लिया कि मैं भी अपने कार्यकाल में एक डैम बनवाऊंगा।

एन के लांबा

IPP, रोटरी कल्ब दिल्ली मंथन

फसल प्याज है, जो एक नकद और लाभकारी फसल है।

''लेकिन स्वयं की पानी की जरूरतों के लिए, वे केवल वर्षा जल पर निर्भर हैं और सिंचाई का कोई अन्य विकल्प भी नहीं है। जब हमने उन्हें इस बांध के निर्माण के बारे में बताया तो वे बहुत खुश हो गए क्योंकि इस क्षेत्र में पहले किसी अन्य ने नज़दीक ही एक बांध बनाया था और उनके गाँव के कुछ कुओं का जल स्तर बढ़कर 100 फीट हो गया था, जो बहुत लंबे समय से सूखे पड़े थे, उनमें पानी आना शुरू हो गया था।''

रोटेरियनों ने ग्रामीणों से कहा कि बाँध बनाने के लिए उन्हें भी श्रम करना होगा, जिसके लिए वे तुरंत सहमत हो गए। लांबा ने कहा, ''हमने पंचायत के प्रमुख और सदस्यों से बात की और उन्होंने आश्वस्त किया कि इस बांध के रखरखाव की जिम्मेदारी उनकी रहेगी।''

पंचायत सरपंच और लाभान्वितों की कुल भागीदारी के साथ, जिन्होंने अपने श्रम के माध्यम से परियोजना की कुल लागत का लगभग 10 प्रतिशत योगदान दिया, बांध का निर्माण 75 दिनों में पूरा हो गया। PHDRDF ने इस परियोजना के लिए ₹50,000 का योगदान दिया है जिससे ग्रामीणों को लाभ होगा।

चट्टानवाला बांध 4 अप्रैल, 2021 को पूरा हो गया था, जो मानसून में हुई वर्षा जल संचय करने के लिए बिलकुल सही समय पर तैयार हुआ है। ''हमें खुशी है कि हमारे क्लब ने इस महत्वपूर्ण जल पुनर्भरण संरचना में सहभागिता की है जो इस क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध करवाएगा और गांवों के कुओं को रिचार्ज करेगा'', रोटरी क्लब दिल्ली वैस्ट के अध्यक्ष अरुण रूंगटा कहते हैं।

22 जून को बांध का विधिवत उद्घाटन किया गया और अपने अपने क्लब के अध्यक्ष लांबा और रूंगटा के नेतृत्व में दोनों क्लबों के रोटेरियनों ने और स्थानीय नेताओं ने इसमें भाग लिया। ■

हमारे डॉक्टरों को सलाम

राजेन्द्र साबू

मैंने टीवी सीरियल *द गुड डॉक्टर* देखा है। डॉक्टर हमेशा अच्छा आदमी होता है। यह एक कुलीन व्यवसाय है और डॉक्टर सत्यनिष्ठा, अखंडता, पारदर्शिता, जवाबदेही, गोपनीयता, सम्मान और न्यायसंगत की व्यावसायिक शपथ से बंधे हुए हैं। वर्तमान महामारी में, डॉक्टर अग्रिम पंक्ति में रहे हैं, अपनी जान जोखिम में डाल कर दिन रात मरीजों की सेवा में कार्यरत हैं। कुछ शहीद भी हो गए। वे सभी हमारे अभिवादन के पात्र हैं और राष्ट्र को उनके प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए।

महामारी के अलावा भी, डॉक्टर जबरदस्त चुनौतियों का सामना करते हुए अपने कर्तव्य की सीमा से आगे निकल जाते हैं। मैंने अपने डॉक्टरों की असाधारण क्षमता, प्रतिबद्धता और साहस को कई बार देखा है। 1998 में युगांडा से शुरुआत कर, अफ्रीका के 20 से अधिक देशों में और भारत में कई चिकित्सा मिशन में हर प्रकार की कठिनाइयों से लड़ते हुए काम किया है, यहां तक कि अपना जीवन जोखिम में डाल कर भी खतरों का सामना किया है। हमारे सर्जन और स्वयंसेवकों की टीम जब कंपाला पहुंची, तो वहां बमबारी का ज़बरदस्त खतरा मंडरा रहा था। इसके बावजूद दो सर्जन, डॉ एस पी एस ग्रेवाल और डॉ उमा प्रधान ने एक छोटे विमान से गुलु के लिए उड़ान भरी, जो बगावत का केंद्र था। उन्होंने पांच दिन तक वहां रह कर मोतियाबिंद की सर्जरी की, जिससे 250 से अधिक लोगों को अत्यावश्यक दृष्टि मिली।

> नाइजीरियाई सरकार द्वारा हमारी टीम को सुरक्षा के घेरे में रखा गया था। इन डॉक्टरों ने रुपये पैसे के बारे में विचार किये बिना पूरी लगन के साथ काम किया और उनका एकमात्र पारिश्रमिक था मानवता की सेवा करने से मिलने वाली संतुष्टि।

हम सन 2000 में नाइजीरिया गए थे। हमारी टीम के सदस्यों की ज़िंदगी पर लगातार खतरा मंडरा रहा था और सशस्त्र पुलिस हमेशा हमारे साथ रहती थी। इसकी जरूरत वहां इतनी ज़्यादा थी कि हमें तीन बार नाइजीरिया जाना पड़ा। हाइवे पर अपहरण आम बात हो गई थी। अबुजा में लगातार बोको हरम का खौफ बना हुआ था। नाइजीरियाई सरकार द्वारा हमारी टीम को सदैव सुरक्षा के घेरे में रखा गया था। हमारे महान डॉक्टरों ने इतने अधिक लोगों को दृष्टि, गतिशीलता और जीवन प्रदान करने के चमत्कार किए। इन डॉक्टरों ने रुपये पैसे के बारे में विचार किये बिना पूरी लगन के साथ काम किया और उनका एकमात्र पारिश्रमिक था मानवता की सेवा करने से मिलने वाली संतुष्टि।

काश मैं इन सभी हीरो का नाम ले पाता। हालांकि, कुछ नाम का ज़िक्र ज़रूर करूंगा - डॉ जी एस कोचर, डॉ आर एस परमार, डॉ पी एस चारी, डॉ राजीव प्रधान, डॉ माधव बोराटे थे अग्रणी रहे। हम अफ्रीका के आलावा 25 से अधिक देशों में गए हैं। एक और घातक खतरा एचआईवी/एड्स के संपर्क में आने का था था। ये डॉक्टर अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से ऊपर उठे और अक्सर डबल दस्ताने और अन्य सुरक्षा का उपयोग करते हुए ज़रूरतमंद रोगियों का इलाज किया। लेसोथो में, हमारे सर्जन डॉ परमार और डॉ तपोशी पटनायक को एचआईवी/एड्स रोगी का ऑपरेशन करते समय सुई चुभ गई थी। उन्हें एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी लेनी पड़ी।

भारत में हमारे चिकित्सा मिशन की शुरुआत 2006 में हुई थी। स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थान निर्धारित किये गए थे और इनमें से कई स्थान खतरे से प्रभावित थे। 2007 में, टीम ओडिशा के बारीपदा में गई जो माओवादियों का एक सक्रिय केंद्र था। हम उधमपुर में थे जहां सीमा पार से हमलों का डर हमेशा बना रहता था। हमारी टीम ने नक्सलियों के गढ़ छत्तीसगढ़ के जगदलपुर गाँव में काम किया। डॉक्टरों ने साहसपूर्वक और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर काम किया। नागालैंड के दीमापुर में वहां के स्थानीय सर्जन द्वारा एक गंभीर सर्जरी की जा रही थी। उन्होंने हमारे डॉक्टरों से सहायता का अनुरोध किया लेकिन दुर्भाग्य से रोगी की मृत्यु मेज पर ही हो गई। हालाँकि, सहमति पत्र पर रोगी द्वारा विधिवत हस्ताक्षर करवा लिए गए थे, लेकिन रिश्तेदारों ने हमारे सर्जनों के सामने हंगामा खड़ा कर दिया और मरने मारने पर उतारू हो गए थे। गनीमत रही कि जिलाधिकारी ने मामला सुलझा लिया।

अस्पतालों में कोविड मरीजों के लिए काम करने वाले डॉक्टरों के लिए चुनौतियां बहुत बड़ी हैं साथ ही उनकी जान को भी खतरा है। फिर भी वे इस दुश्मन पर विजय पाने के लिए सभी कठिनाइयों से लड़ रहे हैं - कोरोना वायरस। सिर्फ इंसानियत के खातिर।

अफ्रीका में काम करने वाले महान जर्मन चिकित्सा मिशनरी, डॉ अल्बर्ट श्विट्ज़र ने कहा है, ''मैं आपके भाग्य के बारे में नहीं जानता, लेकिन एक बात मुझे ज़रूर मालूम है: आप में से वो लोग निहायत ही खुश होंगे जो सेवा का मौक़ा खोज रहे थे और जिन्हें मिला भी। हमारे डॉक्टरों की यही भावना है।'' आइए हम उन्हें और उनके परिवारों का सम्मान करें, उनको नमन करें।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष है

(सौजन्य : द ट्रिब्यून)

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक किफायती रोटरी रेस्टोरेंट

जयश्री

रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट की पहले के तहत एक तालाब की सफाई।

यह रोटरी रेस्टोरेंट ₹5 में इडली, चाय, वड़ा, बोंडा देता है और यहाँ दोपहर के भोजन के लिए मिलने वाली विभिन्न प्रकार के चावल की एक प्लेट की कीमत सिर्फ ₹20 है। यह रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट, रो ई मंडल 3203, द्वारा संचालित रोटरी वल्लालर पीपुल्स रेस्टोरेंट है, जिसका उद्घाटन छह महीने पहले RID ए एस वेंकटेश द्वारा किया गया था। ''यह एक गैर लाभकारी, लागत-दर-लागत भोजनालय है जहां कॉलेज के छात्र, श्रमिक और कार्यालय जाने वाले नियमित रूप से आते है। हम गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करते'', रघुपति कहते है, जो लगातार दूसरे वर्ष क्लब का नेतृत्व कर रहे है।

वह क्लब अध्यक्ष का पदभार संभाले रखने के लिए सर्वसम्मत पसंद थे क्योंकि पिछले वर्ष उन्होंने अनेक परिवर्तनकारी परियोजनाओं को शुरू किया था। 2006 में क्लब के शुरू होने के बाद से सभी ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में क्लब द्वारा की गई सभी ''परियोजनाओं को रेस्टोरेंट में प्रदर्शित किया गया है। कोविड की दूसरी लहर के दौरान हमने अपने रेस्टोरेंट से क्वारंटाइन किए गए मरीजों, पुलिस कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के चिकित्सीय स्टाफ को घर-घर भोजन पहुंचाया। सफाई कर्मियों और सड़क पर रहने वालों को बड़ी संख्या में भोजन के पैकेट वितरित किए गए'', वह कहते है।

क्लब के अध्यक्ष वी रघुपति ने क्लब के सदस्यों बालासुब्रमण्यम और नटराज की उपस्थिति में एक बालिका को बचत प्रमाण पत्र सौंपा।

क्लब द्वारा तिरुपुर में अनुमानित ₹5 करोड़ की लागत से 15,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में अस्पताल बनाया जा रहा है, जिसके लिए रघुपति ने स्वयं 2 करोड़ कीमत की 55 सेंट भूमि दान की है। तीन वैश्विक अनुदान सात सरकारी स्कूलों में शौचालयों के निर्माण में मदद करते है, पल्लादम शहर के सरकारी अस्पताल के एक ICU में जीवन रक्षक उपकरण प्रदान करते है, और पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) की आधारभूत संरचनाओं में सुधार करते है।

क्लब बड़े पैमाने पर जल निकायों के नवीनीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ₹2 करोड़ की लागत से दो तालाबों की गाद निकालकर सफाई कराई जा रही है। ''एक बार काम पूरा हो जाने के बाद, पूरा क्षेत्र पक्षियों के लिए एक 20,000 एकड़ वाला आश्रय स्थल बन

बड़ी, दिखावे वाली शादी को ना

नवविवाहित अरुल प्राणेश और अनु ने अपनी शादी की बचत का एक हिस्सा TRF को दान किया।

भारतीय शादियाँ उनके दिखावे और धूमधाम के लिए जाना जाती है, लेकिन रोटेरियन अरुल प्रणेश और उनकी दुल्हन अनु ने साधारण रूप से शादी करने का फैसला किया और शादी से बचाए गए ₹38 लाख कोविड राहत कार्यों के लिए दान किए। शुरुआत में हमारी शादी का बजट ₹50 लाख का था। लेकिन महामारी के कारण, दोनों परिवारों इसे घटाकर 13 लाख करने पर सहमत हुए। ''हमारी शादी एक स्थानीय मंदिर में सम्पन्न हुई'', रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट के सदस्य प्रणेश कहते है, आगे यह कहते हुए कि उनके पिता, अरुल सेल्वम, रोटरी क्लब तिरुपुर स्मार्टसिटी के सदस्य, उनकी प्रेरणा थे। रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट के अध्यक्ष रघुपति कहते है, सेल्वम अपनी उदारता के लिए जाने जाते है।

नवविवाहितों ने इरोड के पेरुंदुरई सरकारी अस्पताल परिसर में बन रहे नए रोटरी अस्पताल को ₹11 लाख, रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट द्वारा पल्लदम सरकारी अस्पताल में स्थापित की जा रही खउण सुविधा के लिए ₹8 लाख, तिरुपुर में रोटरी कोरोना केयर सेंटर को ₹5 लाख, रोटरी क्लब पुंजई पुलियमपति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम को ₹2 लाख और महामारी से प्रभावित आठ परिवारों को ₹7 लाख निर्देशित किए।

''हमारे साथ बहुत से अच्छे लोगों की दुआएं है। हम अपने नए जीवन की इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकते थे'', प्रणेश मुस्कुराते है।

जाएगा और स्थानीय समुदायों की पानी की जरूरतों को पूरा करेगा।'' क्लब ने इन पुनरुद्धार गतिविधियों को लागू करने के लिए रोटरी नोय्यल वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट ट्रस्ट का निर्माण किया है। रघुपति इसके संस्थापक न्यासी है और क्लब के सदस्यों ने इस पहल के लिए उदारतापूर्वक योगदान दिया है। ''हमारे पास न्यास में ₹75 लाख है, जिसमें दो रोटेरियनों ने प्रत्येक ने ₹25 लाख दिए है। धन का प्रवाह जारी है और हम और अधिक जल निकायों को बहाल करने की योजना बना रहे है। यहां तिरुपुर में नोय्यल नदी द्वारा पोषित कम से कम 100 तालाब और झीलें है'', वह कहते है।

सरकारी अधिकारियों और स्थानीय लोगों की सराहना अर्जित करने वाली इस परियोजना ने रोटरी की छवि को बढ़ाया है और यह नए सदस्यों को भी आकर्षित कर रही है। पिछले साल उन्होंने दो नए रोटरी क्लबों को अधिकृत किया, 156 नए सदस्यों को शामिल किया और छह प्रमुख दानकर्ताओं के महत्वपूर्ण समर्थन एवं क्लब के सदस्य स्वामी मनोजकुमार के 32,000 डॉलर के निर्देशित उपहार के साथ TRF में 110,000 डॉलर का योगदान दिया। ''इस साल मुझे कम से कम 100 सदस्यों को शामिल करने और TRF में 1 लाख डॉलर का योगदान करने का विश्वास है।'' 65 महिला रोटेरियनों के साथ वर्तमान सदस्यता संख्या 278 है।

आईपीडीजी डॉ हरि कृष्णन नंबियार, क्लब अध्यक्ष वी रघुपति, सचिव एल नागराज, कोषाध्यक्ष पी आरुमुगन, पीडीजी ए कार्तिकेयन और डॉ ई के सगादेवन की उपस्थिति में रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने रोटरी रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया।

क्लब द्वारा तैयार की गई एक अन्य परियोजना विशाल पंपों के माध्यम से वर्षा जल को जल निकायों में निर्देशित कर रही है। ''हमनें वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया है और परियोजना की शुरुआत के लिए हम कलेक्टर की स्वीकृति का इंतजार कर रहे है'', वह कहते है, आगे यह कहते हुए कि कई कॉरपोरेट इस पहल के वित्तपोषण के इच्छुक है।

पिछले साल से क्लब 2,500 स्कूल जाने वाली लड़कियों के खातों में हर महीने ₹250 डालर रहा है ताकि उन्हें उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिल सके।■

वैश्विक नेताओं को अफ्रीकी जलवायु संकट को गंभीरता से लेना चाहिए: वैनेसा नकाते

रशीदा भगत

यह सिर्फ मौसम की ही बात नहीं है; यह बात है लोगों की। कई अफ्रीकियों ने अपनी जान गंवाई है जबकि कइयों के घर, खेत और व्यापार डूब गए हैं। जैसे-जैसे हम पृथ्वी ग्रह के तापमान को बढ़ा रहे हैं वैसे वैसे अफ्रीका की हालत बदतर होती जा रही है।''

रोटरी वर्चुअल सम्मेलन में युवा अफ्रीकी जलवायु कार्यकर्ता वैनेसा नकाते ने पूरी शिद्दत और जुनून के साथ ये जोरदार दलील रखी थी और भाग ले रहे प्रतिभागियों का ध्यान बरबस ही अपनी ओर खींच लिया जो अभी हाल ही जून में संपन्न हुआ था।

एक रोटेरियन की बेटी, जो 2017 में रोटरी क्लब बुगोलोबी, कंपाला के अध्यक्ष रह चुके हैं, और राइज़ अप मूवमेंट के संस्थापक भी हैं, इस युवा जलवायु कार्यकर्ता ने कहा कि उस समय से, अपने पिता को रोटरी मिशन ग्रीन के नेता के रूप में कार्य करते हुए देखा है। युगांडा में विभिन्न समुदायों के साथ एक परियोजना के अंतर्गत उन्हें पेड़ लगाते देखा, ''मेरे भीतर एक बीज का अंकुरण हो गया और मैंने परिवर्तन की आवाज बनने की ठान ली। उनके साहस और कार्य ने ही मुझे अपनी आवाज खोजने के लिए प्रेरित किया। जिसमें विश्वास है उसके लिए खड़ा होना और आवाज़ उठाना महत्वपूर्ण है और एक कार्यकर्ता बनने के लिए भी।''

वैनेसा कहती हैं कि बचपन में उन्होंने अपने पिता और अन्य लोगों को बारिश के बारे में बात करते हुए सुना था कि किस प्रकार इस क्षेत्र के किसान अपने खेत की फसलों के लिए हमेशा बारिश पर आश्रित रहते थे, लेकिन चीजें बदल रही थीं और पिछले कुछ वर्षों में, उसके पिता की पीढ़ी ने हर साल बारिश में होती कमी की वजह से फसलों को बार-बार नष्ट होते हुए देखा था। और ''अंत में जब बारिश आती भी तो यह इतनी ज़्यादा होती थी जिससे अक्सर खेतों में पानी भर जाता था और पहले से कमजोर हो चुकी फसलों को नष्ट कर देता था।'' उनके पिता के परिचित किसान धीरे धीरे अपने खेत और आजीविका खोते जा रहे थे और भोजन की उपलब्धता में कमी होती जा रही थी।

खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों की वजह से लोगों में तनाव पैदा हो गया और परिस्थितियां तेजी से बिगड़ती चली गई। ''मैं केवल 21 की थी, लेकिन उनकी आवाज़ में छिपी व्याकुलता को मैं महसूस कर सकती थी। और मैं समझ गई थी कि इस स्थिति को बेहतर करने के लिए मुझे कोई कोई ना कोई रास्ता ढूंढना पड़ेगा।''

उसने मौसम में होने वाले परिवर्तन पर शोध करना शुरू कर दिया। कमलाला, युगांडा की रहने वाली, वो देश जहां जलवायु परिवर्तन दुनिया में सबसे तेजी से होते हैं, वैनेसा यही पढ़ते पढ़ते बड़ी हुई कि किस प्रकार जलवायु संकट पहले से ही अफ्रीकी महाद्वीप के काफी बड़े भाग को तबाह कर रहा था। और यह तो और भी दुखदायी है, विडंबनापूर्ण है, जब आप देखते हैं कि अंटार्कटिका के बाद सभी महादिपों में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में सबसे कम उत्सर्जन करने वाला राष्ट्र अफ्रीका कैसे है। हर साल पूरा अफ्रीका महादिप, अमेरिका द्वारा उत्सर्जित CO_2 के एक तिहाई से भी कम कार्बोन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन करता है। ऐतिहासिक रूप से वैश्विक उत्सर्जन के केवल 3 प्रतिशत के लिए ही अफ्रीका जिम्मेदार है। इसके बावजूद अफ्रीकियों को जलवायु संकट के कारण उत्पन्न हुए अत्यंत क्रूर प्रभावों और परिणामों का सामना करना पड़ रहा है।''

ये तेजी से विकराल हो रहे भयंकर तूफान, विनाशकारी बाढ़ और बढ़ते हुए सूखे।

अफ्रीकी महाद्वीप को प्रभावित करने वाले सबसे खराब चक्रवातों में से एक था इडाई चक्रवात जिसके कारण मोजाम्बिक, जिम्बाब्वे और मलावी के काफी बड़े हिस्से में बाढ़ आई थी। ''तेज हवाओं और भारी बारिश ने 1,300 से अधिक लोगों को लील लिया था और कई लोग लापता हो गए थे। इसने आर्थिक संकट भी खड़ा कर दिया था।''

अफ्रीका का जलवायु संकट दुनिया की जलवायु आपदा की अग्रिम पंक्ति में शुमार हो सकता है, लेकिन यह संकट दुनिया भर के अखबारों के पहले पन्ने पर जगह नहीं पाता।

पिछले साल, वैनेसा ने कहा, पूर्वी अफ्रीका में भारी वर्षा के परिणामस्वरूप विक्टोरिया झील में पानी का स्तर बढ़ गया था जिसके फलस्वरूप घरों में पानी भर गया, खेत साफ़ हो गए और लोग विस्थापित हो गए, शौचालय जलमग्न हो गए और पानी का भारी संकट खड़ा हो गया था। भारी वर्षा और असामान्य रूप से गर्म तापमान के कारण टिड्डियों के दल ने पूर्वी अफ्रीका पर धावा बोल दिया था। ''इस दल ने मार्ग में पड़ने वाले सभी खेतों को नष्ट कर दिया था और लोगों के लिए अन्न का संकट पैदा हो गया था। पिछले साल सितंबर में, सूडान में आई भारी बाढ़ ने करीब 100 लोगों की जान ले ली और हजारों बेघर हो गए थे'', उन्होंने कहा। नील नदी नियमित रूप से अपनी सीमाओं को तोड़ती हुई चलती है और अपनी भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए किसान बाढ़ के पानी पर निर्भर रहते हैं। लेकिन नील नदी के किनारे रहने वाले लोग कहते हैं कि ''उन्होंने पिछले साल आई बाढ़ जैसी बाढ़ कभी नहीं देखी।''

अफ्रीका के दक्षिणी भाग को भयानक सूखे का सामना करना पड़ा है जिससे खाद्य असुरक्षा और पानी की कमी हो रही है। दशकों से ज़ाम्बेसी नदी, चाड झील और विक्टोरिया फॉल्स का जल स्तर घटता जा रहा है। ''चाड झील केवल 50 वर्षों में अपने मूल स्वरुप के दसवें हिस्से में सिमट गई है। सोमालिया में पांच वर्षों से अधिक समय से चल रहे सूखे के कारण इसकी लगभग आधी आबादी के पास खाने-पीने के लिए बहुत कम बचा है और इसी तरह आधा नाइजीरिया पानी को तरस रहा है।''

ऑक्सफैम के अनुसार, इथियोपिया, केन्या और सोमालिया में 1.2 करोड़ लोगों को भोजन की बेहद जरूरत है, उन्होंने कहा, लेकिन जलवायु संबंधी बढ़ती आपदाओं के साथ, यह सिर्फ और बदतर होता जाएगा। ''सूखा और बाढ़ ने लोगों के लिए दर्द, पीड़ा, भुखमरी और मौत के अलावा कुछ नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि सूखे में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि से कृषि उत्पादन 2.4 प्रतिशत घट जाता है।''

और फिर भी, वैनेसा ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''भले ही अफ्रीका बहुत सारी जलवायु-संबंधी आपदाओं को सहन करता है, झेलता है लेकिन आप इसे समाचारों के जरिये नहीं जान पाएंगे। अफ्रीका का जलवायु संकट दुनिया की जलवायु आपदा की अग्रिम पंक्ति में शुमार हो सकता है, लेकिन यह संकट दुनिया भर के अखबारों के पहले पन्ने पर जगह नहीं पाता। जबकि कैलिफोर्निया या ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में भड़की आग या यूरोप में आई बाढ़ पर मीडिया अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर देता है जबकि अफ्रीका की जलवायु संबंधी आपदाओं पर शायद ही किसी का ध्यान जाता है'', कार्यकर्ता ने भड़कते हुए कहा ..

फिर उसने पूछा: जीवाश्म ईंधन को जलाने से उपजे अफ्रीका के सामाजिक और आर्थिक संकट के बारे में विकसित देशों की क्या प्रतिक्रिया है जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण में अधिक से अधिक निवेश।

हर साल पूरा अफ्रीका महाद्वीप, अमेरिका द्वारा उत्सर्जित CO_2 के एक तिहाई से भी कम CO_2 का उत्सर्जन करता है। ऐतिहासिक रूप से वैश्विक उत्सर्जन के केवल 3 प्रतिशत के लिए ही अफ्रीका जिम्मेदार है।

अफ्रीका में जीवाश्म ईंधन की खुदाई और उसे जलाने के लिए धन देने वाले देशों और बैंकों के लिए उनका संदेश स्पष्ट था: ''हम कोयला खा नहीं सकते और तेल पी नहीं सकते। मेरे पिता ने मुझसे कहा था कि यदि आप को कोई बात उचित लगती है और आप उसमें विश्वास रखते हैं तो उसके लिए खड़े हों, आवाज़ उठाएं और कभी हार न मानें। समय आ गया है, हमारे तथाकथित नेताओं के लिए भी कुछ ऐसा ही सोचने और कदम उठाने का। उन्हें जलवायु संकट को गंभीर संकट की तरह लेना चाहिए। खोखले वादे करना बंद करें और जिम्मेदारी उठाएं। उन्हें वह साहस और लचीलापन दिखाना चाहिए जो मेरे पिता ने वर्षों पहले दिखाया था और मुझे कहते रहे कि यह संभव था। निश्चित रूप से रोटरी इंटरनेशनल का तात्पर्य कार्रवाई करने वाले क्रियाशील लोगों (पीपल ऑफ़ एक्शन) से है।'' ■

रो ई अध्यक्ष मेहता ने रोटेरियनों से विशालतर सेवा करने के लिए

रोटरी को विकसित करने का आग्रह किया

रशीदा भगत

उन्होंने रो ई अध्यक्ष के पद तक पहुँचने के लिए रोटरी में कड़ी मेहनत की है। आज, जब वह पदभार संभाल रहे हैं, मेरी आंखों के सामने ढेर सारी यादें झिलमिला रही हैं। उन की खासियत है कि वह टीम के खिलाड़ी हैं जो सबको साथ लेकर चलते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। वह अति सूक्ष्म दक्षता के साथ काम करते हैं लेकिन साथ ही ये भी ध्यान रखते हैं कि सब को आनंद आये, सब मजे भी करें। उनकी इसी खूबी को उनके साथी रोटेरियन बहुत पसंद करते हैं'', कार्यकाल के पहले दिन, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता का अभिनन्दन करने के लिए जूम पर आयोजित भव्य समारोह के दौरान राशी मेहता ने कहा।

रोटरी की परिवर्तन व्यवस्था, एक इंद्रधनुष के समान है। जिस प्रकार इंद्रधनुष के अलग-अलग रंग एक-दूसरे में घुल कर विलीन हो जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे दिवस संध्या में, संध्या रात्रि में, और रात्रि भोर में परिवर्तित हो जाती है। उसी प्रकार, रोटरी व्हील भी साल दर साल चलता रहता है।

बैठक PRID कमल संघवी द्वारा आयोजित की गई थी, जिन्होंने मेहता के साथ मिलकर, साक्षरता और प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों को आश्रय किट प्रदान करने सहित अन्य कई परियोजनाओं पर काम किया है।

राशी ने कहा कि आगे रह कर दृढ़ता से नेतृत्व करते हुए, ''वह सब के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं। उनकी सकारात्मकता सोच और आशावाद अन्य प्रशंसनीय विशेषता है। यहां तक कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण विषम परिस्थितियों में भी शायद ही कभी विचलित होते हों और अपने धैर्य और चतुराई के कारण जो अब स्ट्रीट स्मार्टनेस के कारण काफी बढ़ गई है, जिसकी पीछे उनका पसंदीदा स्ट्रीट फूड है, वे अधिकांश समस्याओं का समाधान ढूंढ निकालते हैं।''

घर पर भी हम सब का ''वो बहुत ध्यान रखते हैं। एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक के बीच में भी उन्हें याद रहता है कि बच्चे बाहर गए हैं, वहाँ पहुँच गए, या फ्लाइट पहुँची या नहीं । ये हैं शेखर, आदर्श व्यक्ति और इसमें उनकी बुद्धि, और वाक्पटुता को और जोड़ दें तो आपके हाथ में एक श्रेष्ठ नेता, एक महान साथी, एक सम्पूर्ण पारिवारिक व्यक्ति और एक सच्चे इंसान का नुस्खा है। यही वजह है कि आज उन्हें जो अवसर प्राप्त हुआ है वह उन्होंने अपनी कड़ी

मेहनत से अर्जित किया गया है और जिसके वे पूरी तरह से हक़दार हैं।''

खचाखच भरी वर्चुअल मीट में, सरकार के शीर्ष नेताओं ने मेहता को बधाई दी जैसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, तत्कालीन केंद्रीय सूचना मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन जिसमें पूर्व रो ई अध्यक्ष राजेंद्र साबू, कल्याण बेनर्जी, के आर रवींद्रन, मार्क मलोनी और रो ई का शीर्ष नेतृत्व, महासचिव जॉन ह्यूको टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती और अजीज मेमन शामिल थे। पूर्व निदेशक कमल संघवी और भरत पांड्या सहित भारत के सभी पूर्व निदेशकों ने भी मेहता का अभिनंदन किया।

मेहता द्वारा लड़कियों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने की घोषणा से उत्साहित रो ई नेतृत्व के एक बड़े वर्ग ने इस नेक उद्देश्य में उनके साथ काम करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

बैठक को संबोधित करते हुए रो ई अध्यक्ष ने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया, रोटरी की परिवर्तन व्यवस्था, एक इंद्रधनुष के समान है।

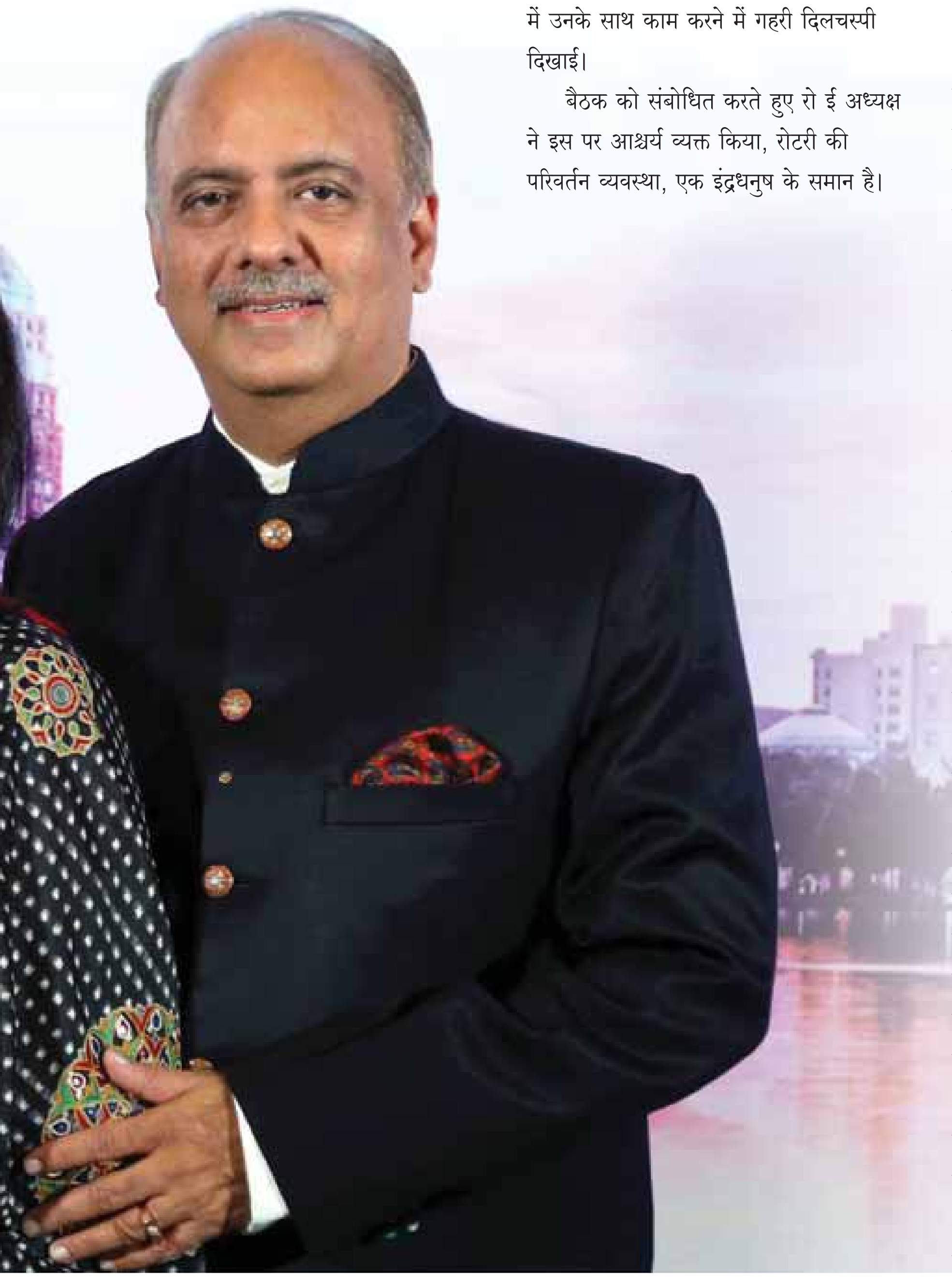

वह अति सूक्ष्म दक्षता के साथ काम करते हैं लेकिन साथ ही ये भी ध्यान रखते हैं कि सब को आनंद आये, सब मजे भी करें।

राशी मेहता

इंद्रधनुष के अलग-अलग सात रंग ही नहीं बल्कि जिस प्रकार इंद्रधनुष के अलग-अलग रंग एक-दूसरे में घुल कर विलीन हो जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे दिवस संध्या में, संध्या रात्रि में, और रात्रि भोर में परिवर्तित हो जाती है। उसी प्रकार, रोटरी व्हील भी साल दर साल चलता रहता है।''

उन्होंने कहा कि पूर्व अध्यक्ष होल्गर नैक और सुज़ैन बधाई के पात्र हैं, ''इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है क्योंकि किसी अन्य रो इ अध्यक्ष ने उनके मुकाबले कठिन परिस्थितियों का सामना नहीं किया , लेकिन इसके बावजूद, हमने कभी भी उन्हें परेशान नहीं देखा। वह हमेशा सकारात्मक रहते थे और मुस्कुराते रहते थे और रोटेरियन भी विपरीत परिस्थितियों में यही करते हैं।''

रो ई बोर्ड से विदा ले रहे निवर्तमान निदेशकों, विशेष रूप से डॉ भरत पांड्या और कमल संघवी को, ''अद्भुत कार्य'' करने के लिए बधाई देते हुए और अपने बोर्ड के सभी निदेशकों का स्वागत करते हुए, मेहता ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि ''मेरे बाद जेनिफर (जोन्स) अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगी , क्योंकि उन दोनों के विचार और लक्ष्य समान हैं।''

उन में विश्वास जताने के लिए रोटरियनों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा: ''मैं कमल द्वारा आयोजित इस पूरे कार्यक्रम में विनम्र और थोड़ा असहज अनुभव कर रहा हूँ। इससे मेरा निश्चय और अधिक दृढ़ हुआ है कि मैं आपसे

वो सपने कब देखते हैं ?

रो ई निदेशक महेश कोटबागी।

निदेशक ए एस वेंकटेश और महेश कोटबागी ने, जो रो इ में मेहता के बोर्ड में काम करेंगे, हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिभागियों का मनोरंजन किया। कोटबागी ने कहा: ''अरे वेंकी, अब जब शेखर रो ई अध्यक्ष बन गए हैं, तो हम उन्हें क्या कह कर बुलाएंगे ... सर, शेखर दा, बॉस, या विश्व अध्यक्ष?''

वेंकटेश ने चुटकी ली: ''आपको कॉल करने की ज़रूरत नहीं है, वह आपको कॉल करेंगे। खासकर अगर यह कॉल रात में हो!''

फिर उन्होंने बताया कि मेहता सामान्यतः अपने सुझावों पर बातचीत के लिए रात में कॉल करते थे; कोटबागी ने कहा, ''यह रात में नहीं बल्कि देर रात में होती थी और रात 2 बजे कॉल करने के बाद सुबह 7 बजे फिर से कॉल करते और पूछते कि आपने उसकी पिछली कॉल पर क्या काम किया!''

वेंकटेश ने कहा कि कई सालों तक, मेहता ने उन्हें देर रात में फोन करना जारी रखा, ''मैंने सोचा कि वह इवान्स्टन के समय अनुसार काम करते होंगे, जब तक एक दिन भारतीय समय के अनुसार मुझे सुबह 9 बजे फोन नहीं आया। मुझे राशी से पूछना पडेगा कि वो कभी सोते भी हैं?''

मिली सराहना और प्रशंसा के काबिल बनूँ, और अपने सपनो का आकार और बड़ा करूं। ऐसे आयोजनों में मुझे अचरज भी होता है कि क्या वाकई मैं इस सब के लायक हूं?''

अपने माता-पिता को धन्यवाद देते हुए, मेहता ने कहा कि उनके पिता ने उनके बेटे के रो ई अध्यक्ष के रूप में मनोनीत होने की खबर ज़रूर सुनी थी, लेकिन वे उन्हें उस पद पर नहीं देख सके। ''मैं अपनी माँ को धन्यवाद देता हूँ जो अभी अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं। रो इ अध्यक्ष तो उन्हें देख सके लेकिन वह उन्हें नहीं देख पाई। मुझे पूरी उम्मीद है कि वह देख पाएंगी।'' (अगले दिन मेहता की मां का निधन हो गया)।

मैं कमल (संघवी) द्वारा आयोजित इस पूरे कार्यक्रम में विनम्र और थोड़ा असहज अनुभव कर रहा हूँ। इससे मेरा निश्चय और अधिक दृढ़ हुआ है कि मैं आपसे मिली सराहना और प्रशंसा के काबिल बनूँ, और अपने सपनो का आकार और बड़ा करूं।

राशी और उनके बच्चों ने हमेशा उनकी रोटरी यात्रा का समर्थन किया था, उन्होंने पूर्व अध्यक्षों जैसे राजेंद्र साबू, कल्याण बेनर्जी और के आर रवींद्रन से बहुत कुछ सीखा और प्रेरणा ली है। ''मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मेरे लिए द्वार खोले, मुझे अवसर दिए, और मुझे वह बनने का मौक़ा दिया जहां आज मैं खड़ा हूँ । मैं अपने विशाल परिवार का भी अनुग्रहित हूँ, मेरे रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर क्लब के सदस्यों का। मेरे क्लब ने मुझे जो मजबूत नींव दी है उसके फलस्वरूप मैं यहां पहुंचा हूं। अपने सारे सपने मैंने वहां पूरे किये। अगर मैं असफल हुआ तो भी वे मेरे साथ खड़े रहे और जब मैं सफल हुआ तो उन्होंने आगे बढ़ने का मौका दिया।''

कोटबागी ने मेहता की नींद के बारे में एक रहस्य साझा किया, वो कुर्सी पर बैठे बैठे या ड्राइव के दौरान टुकड़ों में झपकी ले लिया करते थे, फिर वे दोनों अपने दो पसंदीदा शौक : डाइट कोक और मसाला दोसाई पर चर्चा करने लगते ।

वेंकटेश ने टिप्पणी की: इस शख्स ने डाइट कोक के साथ एक विचित्र कॉम्बो बना रखा है, जिसके बारे में कोक के निर्माताओं ने कभी सोचा भी नहीं होगा। मसाला दोसाई और डाइट कोक कॉम्बो । चेन्नई, मसाला दोसाई का घर, शेखर ने इसे मानने से इंकार कर दिया बोले कि आपको कोलकाता में इससे बेहतर मसाला दोसाई मिलता है, अब उन्होंने अध्यक्ष का कॉम्बो पेश किया है: मसाला दोसाई डाइट कोक के साथ!

कोटबागी ने कहा कि रो इ अध्यक्ष में उन्होंने जो सबसे अच्छा गुण यह है कि वह इतने मिलनसार नेता हैं कि ... दुनिया भर में लोग दावा करते हैं कि वह मेरा दोस्त है। यह नेता के सर्वश्रेष्ठ गुणों में से एक है।

वेंकटेश ने कहा कि कई बड़े आयोजनों में लंबे समय तक मेहता के साथ काम करने के बाद, मैंने देखा है कि उनमें सही काम के लिए सही आदमी को चुनने और फिर आराम से बैठने की दक्षता है।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश।

यह कहते हुए उन्होंने बातचीत का समापन किया कि हर व्यक्ति कहता है कि उनके सपने बहुत बड़े हैं। मैं हमेशा सोचता था कि जब वह सोते ही नहीं हैं तो सपने कब देखते हैं । एक दिन उनसे पूछ ही लिया... वो बोले : 'ये वो सपने नहीं हैं जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि ये वो सपने हैं जो आपको सोने नहीं देते '।

मेहता ने दुनिया भर के रोटेरियनों को भी धन्यवाद दिया; इससे मुझे प्रेरणा मिलती है और मैं सपने देख सकता हूँ क्योंकि मैं आपके साथ काम करता हूं । आपकी मित्रता के लिए धन्यवाद, मुझ पर विश्वास रखने के लिए, मुझे सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और कोई सपना साकार ना होने पर भी मेरे साथ खड़े रहने के लिए, साथ ही मुझे और भी बड़े सपने देखने के लिए आपके समर्थन को धन्यवाद। और 'आगे बढ़ो और अधिक करो' से बड़ा सपना नहीं हो सकता।

एक बार फिर, उन्होंने रोटरी की ताकत को 1.3 मिलियन तक बढ़ाने के अपने सपने को दोहराया। एक उत्साहपूर्ण ,उन्मादी सपना? बेशक, ये पोलियो का सफाया करने का सपना जितना ही उन्मादी है। आज उस सपने को 35 साल हो गए हैं और हम उस सपने को साकार करने के जितने करीब आज हैं उतने पहले नहीं थे । कौन जाने, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में मिले पोलियो के दो मामले दुनिया के आखिरी दो मामले साबित हों ?

मेहता ने कहा कि केवल यदि हम अपनी और वृद्धि करें तो क्या हम अधिक कर सकते हैं। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे युवा थे, तब दोस्ती और मेल मिलाप के लिए उन्होंने रोटरी में प्रवेश लिया था। लेकिन जब उनके क्लब प्रोजेक्ट के तहत, उनके घर से मुश्किल से 50 किमी दूर झोपड़ियों से भरे गांव में जाना हुआ तो रोटरी के सेवा पक्ष ने उन्हें झिंझोड़ कर रख दिया और विलासिता से भरे उनके आरामदायक जीवन में उन्हें ज़बरदस्त झटका लगा था। अपनी स्थिति को इन ग्रामीणों के साथ तुलना कर के देखा , जिनके घर में शौचालय नहीं थे और वे स्थानीय तालाब के पानी का इस्तेमाल करते थे, जिसे भैंसे भी इस्तेमाल करती थीं, और बस उसी दिन से उन्होंने केवल एक लक्ष्य पर गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया - रोटरी में सेवा के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन।

उन्होंने कहा कि रोटरी में लाया गया प्रत्येक अतिरिक्त रोटेरियन अपने समाज के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए सदैव योगदान दे सकता है। ■

रोटरी के रूप में मिलेगा कोविड को मुकाबला: ब्रूस आयलवार्ड

जयश्री

इस महामारी का रुख बदलने में आपको एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। आपके पास ज्ञान और अनुभव है जिसे आपने दशकों तक पोलियो से लड़कर हासिल किया है। कोविड के बारे में ऐसी कई चीजें है जो हम नहीं जानते है, लेकिन हम यह जानते है कि रोटरी के रूप में इस वायरस को भी अपना प्रतिद्वंद्वी मिल गया होगा'', WHO महानिदेशक के वरिष्ठ सलाहकार डॉ ब्रूस आयलवार्ड ने आभासी रोटरी सम्मेलन के समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा।

उन्होंने रोटेरियनों को सभी देशों के बीच कोविड टीकों के समान वितरण के लिए आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। ''कुछ दशक पहले भी आपने ऐसी ही असमानता देखी थी और आपने दुनिया को चुनौती दी थी। आपने कहा था कि कहीं भी कोई भी बच्चा पोलियो से लकवाग्रस्त नहीं होना चाहिए। आपने हर बच्चे को टीका लगाने के लिए समुदायों को संघटित करने हेतु हमारे साथ काम किया है और विश्व नेतृत्व को इतिहास के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय समन्वित प्रयास के वित्तपोषण के लिए सफलतापूर्वक चुनौती दी है। रोटेरियनों, इतिहास को फिर से आपकी जरूरत है और दुनिया को अभी आपकी जरूरत है।''

उन्होंने कहा की, ''हमें आपके जमीनी कार्यकर्ताओं और समझ की आवश्यकता है ताकि समुदायों को टीकाकरण के लिए तैयार किया जा सकें। हमें राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ताओं के साथ कायम आपके रुतबे की आवश्यकता है ताकि सही लोगों का उचित क्रम में टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सकें। जहां अमीर दुनिया कोविड 19 टीकों से लगभग सराबोर हो चुकी है, दुनिया के सबसे गरीब देशों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता अभी भी बीमार पड़ रहे है और वृद्ध लोग अभी भी मर रहे है। यह अस्वीकार्य है और यहीं हमारी चुनौती है।''

रोटरी, ''यहीं आपका समय है - दुनिया को यह सिखाने का कि सामाजिक न्याय का वास्तव में क्या मतलब होता है और यह सुनिश्चित करने के लिए दुनिया को चुनौती देना का कि हर जगह सभी के पास टीके, परीक्षण और उपचार उपलब्ध हो'', उन्होंने कहा।

ब्रूस आयलवार्ड WHO महा निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार।

हालांकि हमारे पास नए किफायती टीके है और कोविड 19 की कहीं भी तेजी से जांच करने वाले परीक्षण है, हमारे पास इन उपकरणों तक समान पहुंच नहीं है। कोविड-19 वैक्सीन ग्लोबल एक्सेस, जिसे संक्षिप्त रूप से COVAX कहा जाता है, एक विश्वव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य निर्देशित कोविड टीकों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है। COVAX निम्न-से-मध्यम आय वाले देशों में कोविड परीक्षणों, उपचारों और टीकों तक समान पहुंच उपलब्ध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संसाधनों का समन्वय करता है। ''दो संख्याएँ हमारी चुनौती को दर्शाती है - दुनिया भर में कोविड के 1.5 बिलियन टीके लगाए जा चुके है, लेकिन उनमें से केवल 5 मिलियन टीके - आधे प्रतिशत से भी कम - दुनिया के सबसे गरीब देशों में लगाए गए है। यह सही नहीं है और इसे समानता नहीं कहते है। इसे बदलने में रोटेरियन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है'', आयलवर्ड ने उत्साहित होते हुए कहा।

गावी, दी वैक्सीन एलायंस के CEO डॉ सेठ बर्कले ने अपने संबोधन में कहा, जब तक दुनिया के सभी लोग सुरक्षित नहीं होते, ''न कि केवल वे जो इसे खरीद सकते है, वायरस का प्रकोप जारी रहेगा।''

वैश्विक एकजुटता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए, 192 सरकार और 9 प्रतिशत वैश्विक आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले इलाकें COVAX सुविधा का समर्थन करने के लिए एक साथ आए है। दुनिया भर में 14 टीकों को मंजूरी मिलने और 1.4 बिलियन से अधिक लोगों के टीकाकरण के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा और जटिल टीका विकास अब अच्छी तरह चल रहा है।''

अगले साल की शुरुआत तक COVAX का लक्ष्य 92 सबसे कम आय वाले देशों में रहने वाले लोगों के लिए कोविड टीकों की कम से कम 1.8 बिलियन खुराक उपलब्ध कराना है। ''जब ये टीके पहली बार उपलब्ध हुए, तो हम एक उच्च आय वाले देश में लगे पहले टीके के मात्र 39 दिनों के भीतर भारत में पहला टीकाकरण कर पाए थे। तब से, हमनें 124 देशों में लोगों को लगभग 70 मिलियन टीके लगाए है'', डॉ बर्कले ने कहा। लेकिन ये काफी नहीं है। असमानता अभी भी मौजूद है, उन्होंने आगे कहा। उच्च आय वाले देशों में 30 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हो चुका है और निम्न आय वाले देशों में यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम है।

उन्होंने देखा कि कोविड संकट ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों और पोलियो अभियानों में बाधा उत्पन्न की है। कम से कम 80 मिलियन बच्चों को अन्य निरोध्य बीमारियों जैसे खसरा, पीत ज्वार या पोलियो का खतरा है क्योंकि वे महत्वपूर्ण टीकाकरण से चूक गए थे। कोविड से लड़ते समय देशों को अन्य टीके से रोके जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा था।

''इस सब की वजह से, और स्वास्थ्य प्रणाली पर पड़ने वाले कोविड के प्रभाव के कारण, वर्षों से की गई असाधारण प्रगति के एवं देशों के दशकों तक पिछड़ने का खतरा है।'' अब यह महत्वपूर्ण है कि कोविड के कारण आए व्यवधानों से उबरने के लिए टीकाकरण में कड़ी मेहनत से प्राप्त लाभों को बरकरार रखा जाए। पोलियो के लिए यह एक निर्णायक क्षण है और यह प्रयासों को समेकित करने एवं महत्वपूर्ण टीकाकरण के एकीकरण को बढ़ावा देने का मौका है, उन्होंने कहा। ■

डॉ सेठ बर्कल, CEO, गावी, द वैक्सीन एलायंस।

Rotary
PEOPLE OF ACTION

महाराष्ट्र में नक्सल प्रभावित गांवों में छात्रों के लिए साइकिलें

टीम रोटरी न्यूज़

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले और उसके आसपास नक्सली हिंसा से प्रभावित गांवों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रो ई मंडल 3030 के अंतर्गत, रोटरी क्लब चंद्रपुर ने यरकड गांव में पुलिस सहायता केंद्र के सहयोग से इन गांवों के 10 वंचित छात्रों को साइकिलें दान की। ग्रामीणों ने रोटेरियन्स और सीआरपीएफ की टीम द्वारा साइकिल वितरण समारोह के बाद स्वादिष्ट लंच के बीच इस पहल का स्वागत किया। ■

2021–22 RI Board of Directors

Shekhar Mehta

Rotary Club of Calcutta-Mahanagar, West Bengal
India

President

Jennifer E Jones

Rotary Club of Windsor-Roseland
Ontario, Canada

President-elect

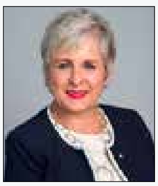

Valarie K Wafer

Rotary Club of Collingwood-South Georgian Bay
Ontario, Canada

Vice President

Virpi Honkala

Rotary Club of Raahe
Finland

Treasurer

Jessie Harman

Rotary Club of Wendouree Breakfast
Victoria, Australia

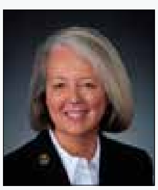

Susan C Howe

Rotary Club of Space Center (Houston)
Texas, USA

Won-Pyo Kim

Rotary Club of Gyeongju
South Gyeongsangbug
Korea

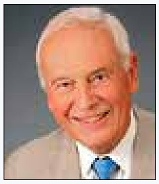

Urs Klemm

Rotary Club of Aarau
Switzerland

Mahesh Kotbagi

Rotary Club of Pune Sports City
Maharashtra, India

Aikaterini Kotsali-Papadimitriou

Rotary Club of Pendeli
Greece

Peter R Kyle

Rotary Club of Capitol Hill (Washington, DC)
District of Columbia
USA

Roger Lhors

Rotary Club of Pont-Audemer
Eure, France

Chi-Tien Liu

Rotary Club of Yangmei
Taiwan

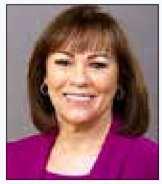

Vicki Puliz

Rotary Club of Sparks
Nevada, USA

Nicki Scott

Rotary Club of The North Cotswolds
Gloucestershire, England

Julio César A Silva-Santisteban

Rotary Club of El Rímac
Lima, Peru

Katsuhiko Tatsuno

Rotary Club of Tokyo-West, Tokyo, Japan

Elizabeth Usovicz

Rotary Club of Kansas City-Plaza
Missouri, USA

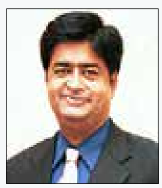

A S Venkatesh

Rotary Club of Chennai Mambalam
Tamil Nadu, India

John Hewko

Rotary Club of Kyiv
Ukraine

General Secretary and CEO

2021–22 Rotary Foundation Trustees

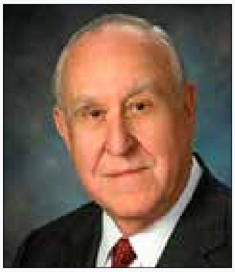

John F Germ

Rotary Club of
Chattanooga
Tennessee, USA

Chair

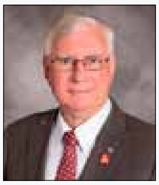

Ian H S Riseley

Rotary Club of
Sandringham
Victoria, Australia

Chair-elect

Hsiu-Ming Lin

Rotary Club of Taipei
Tungteh
Taiwan

Akira Miki

Rotary Club of Himeji
Japan

Sangkoo Yun

Rotary Club of Sae
Hanyang
Seoul, Korea

Vice Chair

Larry A Lunsford

Rotary Club of Kansas
City-Plaza
Missouri, USA

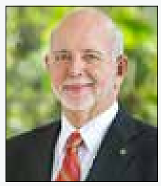

Barry Rassin

Rotary Club of
East Nassau
Bahamas

Jorge Aufranc

Rotary Club of
Guatemala Sur
Guatemala

Mark Daniel Maloney

Rotary Club of Decatur
Alabama, USA

Hendreen Dean Rohrs

Rotary Club of
Langley Central
British Columbia, Canada

Marcelo Demétrio Haick

Rotary Club of
Santos-Praia
São Paulo, Brazil

Geeta Manek

Rotary Club of Muthaiga
Kenya

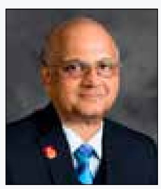

Gulam A Vahanvaty

Rotary Club of Bombay
Maharashtra, India

Per Høyen

Rotary Club of Aarup
Denmark

Aziz Memon

Rotary Club of Karachi
Pakistan

John Hewko

Rotary Club of Kyiv
Ukraine

General Secretary and CEO

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक ग्रामीण नेत्र अस्पताल के निर्माण की भूमिका बना विवाह समारोह

रशीदा भगत

इस की शुरुआत 11 मार्च, 2018 को ओडिशा के एक गांव में एक युवा फोटो पत्रकार सत्या पाधी की शादी से हुई। उस दिन ''हम दोपहर करीब 3 बजे बैंगलोर से भुवनेश्वर लौटे थे और बहुत थके हुए थे, लेकिन मैंने जोर दिया कि हमें रिसेप्शन में जाना ही चाहिए क्योंकि सुब्रतो (बागची) दूल्हे सत्या से वादा कर चुके थे। वह कुअंरपुर का रहने वाला था, जो भुवनेश्वर से ढाई घंटे की ड्राइव पर है'', सुष्मिता बागची याद करती हैं, एक एनजीओ *मो स्कूल अभियान परिचालन संगठन* की चेयरपर्सन। माइंडट्री के संस्थापकों में से एक, सुब्रतो बागची, अब ओडिशा सरकार के लिए युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदानं कर रहे हैं।

कुअंरपुर गाँव जाजपुर जिले में है, ''जहाँ हमारा पुश्तैनी गाँव तलिहा भी स्थित है। जब हम सत्या के गाँव से लगभग 25 मिनट पहले, रामबाग गाँव से गुजर रहे थे। तभी दिमाग की घंटी बजी और मैंने सहजता से सुब्रतो से कहा कि हमारा गांव भी यहीं आस पास है। हमारा परिवार अब वहां नहीं रहता, लेकिन मेरे पिता के चचेरे भाई अभी भी वहीं रहते हैं'', सुष्मिता बोली।

किसी जमाने में उनके दादा जमींदार रहे थे और गांव की ज्यादातर जमीन उन्हीं की थी। लेकिन जमींदारी प्रथा समाप्त होने के बाद, ''उन्होंने जमीन बेचना शुरू कर दिया। मेरे पिता और उनके भाई-बहन अपना हिस्सा बेच कर भुवनेश्वर चले गए सिवाय मेरे चाचा को छोड़कर, जिन्होंने विशेषकर भावनात्मक कारणों से, जमीन का एक छोटा टुकड़ा अपने पास रखा था।''

शादी से लौटते हुए, वे रामबाग रुके, उसके गांव तलिहा देखनेके लिए रुके, ''जहां मैं आखिरी बार 1972 में अपने दादा की मृत्यु के समय गई थी।'' काफी पूछताछ के बाद आखिरकार उन्हें परिवार की पुश्तैनी जमीन का पता चला जो उनके चाचा दुर्गाचरण पांडा के नाम पर थी। जमीन के सामने एक घर था जो सुष्मिता के चाचा गोलक पांडा का था। चाची ने बताया कि उनके चाचा शहर में एक डॉक्टर के पास गए थे क्योंकि उन्हें अस्थमा का दौरा पड़ा था। ''वहां 10-15 मिनट बिताने के बाद, हम निकल गए। वापस जाते समय सुब्रतो ने कहा कि गाँव में एक अस्पताल होना चाहिए। चूंकि हम अंधापन निवारण के क्षेत्र में काम करते हैं, इसलिए मैंने एक नेत्र अस्पताल खोलनेका सुझाव दिया'', उन्होंने कहा।

वो बोली कि जब उन्होंने पांडा से अस्पताल के लिए जमीन खरीदने का सुझाव दिया, तो पांडा ने उसे डांटा और कहा कि वह परियोजना के लिए जमीन बेचेगा नहीं बल्कि उपहार में देगा।

यहीं से रोटरी का प्रवेश होता है। सुष्मिता जिस अस्पताल का निर्माण करना चाहती थीं लेकिन उसे चलाने के लिए एक संस्था की आवश्यकता थी और जेपीएम रोटरी आई इंस्टीट्यूट, कटक, पहले से ही सेटलाइट नेत्र अस्पताल की खोज कर रहा था क्योंकि इस क्षेत्र के चार जिलों में आंखों से सम्बंधित लेशमात्र सुविधाएं भी नहीं थी।

सुब्रतो बागची (सबसे बाएं) और सुष्मिता (सबसे दाएं) शादी में।

चीजें अपने आप बैठती गईं और अगस्त, 2018 में, नेत्र अस्पताल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए और सुष्मिता और सुब्रतो बागची ने परियोजना के लिए ₹3 करोड़ का दान दिया, कोविड की दो लहर और लॉकडाउन खुलने के बाद, जेपीएम रोटरी आदिकंद पांडा मेमोरियल आई हॉस्पिटल का उद्घाटन जून 2021 में किया गया था।

कटक आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के जेपीएम रोटरी क्लब का इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। 1992 में यह रोटरी क्लब कटक, RID 3262 द्वारा बनाया गया था, जो लंबे रसे से इस क्षेत्र में, विशेष रूप से अविभाजित कटक जिले के ग्रामीणों के लिए नेत्र शिविर आयोजित कर रहा था। हर साल क्लब द्वारा लगभग 20 नेत्र शिविर आयोजित किए जाते थे। इस क्षेत्र में निवारण करने योग्य अंधेपन से लड़ने के लिए एक नेत्र अस्पताल स्थापित करने की सख्त आवश्यकता थी, इसलिए इस नेत्र अस्पताल का शुभारम्भ हुआ।

रोटरी क्लब कटक के पूर्व अध्यक्ष और जेपीएम रोटरी आई इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष सुशांत मोहंती का कहना है कि अस्पताल का निर्माण साइट सेवर्स इंटरनेशनल (एसएसआई) के सहयोग से किया गया था, जिसे पूर्व में रॉयल कॉमनवेल्थ सोसाइटी फॉर द ब्लाइंड, यूके के नाम से जाना जाता था। उन्होंने तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई और अस्पताल कर्मियों को प्रशिक्षित करने में मदद की और अस्पताल बनाने के लिए, रोटेरियनों ने, उन दिनों 30 लाख रुपये का योगदान दिया है। इसकी शुरुआत 40 बिस्तरों और एक बहिरंग रोगी विभाग से हुई थे, जो मुख्य रूप से मोतियाबिंद के रोगियों के लिए निर्मित किया गया है।'' आज इसमें 130 बिस्तर हैं और यह विभिन्न नेत्र रोगों की जटिल सर्जरी करता है। 24 वर्षों की अवधि के भीतर, 130 बिस्तरों को समायोजित करने के अनुरूप अस्पताल का भी विस्तार किया गया है और आज यहां जटिल आंखों की सर्जरी की जा रही है।

''आज यह पूर्वी भारत के अग्रणी अस्पतालों में से एक है, जो रेटिना, कॉर्निया, ग्लूकोमा और नेत्र के अन्य विकारों सहित सुपर स्पेशियलिटी में आंखों का इलाज करता है। शुरू में, मुख्य रूप से मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए स्थापित ये संस्थान अब उत्कृष्टता का एक रेफरल तृतीयक केंद्र बन गया है'', मोहंती बताते हैं। कटक में स्थित यह अस्पताल कटक ही नहीं बल्कि इसके पड़ोसी राज्यों की परिधि में आने वाले मरीजों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और ''हमारे पास कॉर्पोरेट क्षेत्र के कई क्लाइंट भी हैं। यह ओडिशा में विट्रो-रेटिनल पीडियाट्रिक सर्जरी के लिए अग्रणी अस्पताल है।''

यह अस्पताल अपनी ओपीडी में सालाना 65,000 से अधिक मरीजों की जांच करता है। इसके अलावा, एक सक्रिय आउटरीच / इन-रीच कार्यक्रम के माध्यम से, रोगियों तक पहुँचने के लिए, ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर मरीजों की जांच की जाती है और मुफ्त ऑपरेशन के लिए यहां अस्पताल में लाया जाता है। पूरे सप्ताह, अस्पताल के चिकित्सा दल द्वारा, औसतन 150 किमी के ग्रामीण क्षेत्रों के दायरे में शिविर लगाए जाते हैं। प्रत्येक शिविर में सैकड़ों रोगियों की जांच की जाती है और जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता होती है उन्हें यहां ला कर सर्जरी की जाती हैं साथ ही उनके भोजन की व्यवस्था भी की जाती है।

2020 में 292 नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित किए गए थे और मोतियाबिंद के नि:शुल्क 7,182 ऑपरेशन किए गए।

मोहंती ने कहा कि सैटेलाइट अस्पताल भद्रक, केंद्रपाड़ा और जाजपुर जिलों के ग्रामीण समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। ■

तलिहा गांव में जेपीएम रोटरी आई हॉस्पिटल का उद्घाटन।

Rotary PEOPLE OF ACTION

उड़ीसा की लड़कियां कहती है, चक दे इंडिया

वी मुत्तुकुमारन

चार साल पहले, उड़ीसा के दूरदराज के गांवों की रहने वाली 16 वर्षीय कमला सिंह और मैरी कोंडोर्लना ने अपने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वे दोनों प्रतिष्ठित नवल टाटा हॉकी अकादमी, भुवनेश्वर, द्वारा चलाए जाने वाले स्पोर्ट्स हॉस्टल में प्रशिक्षु होंगी। ''दोनों स्टार कलाकार है और हमारी अकादमी द्वारा आयोजित हॉकी प्रतियोगिताओं में उनका रिकॉर्ड बढ़िया है। रोटरी हॉकी अकादमी (RHA) के प्रमुख कोच और संस्थापक रोटेरियन जतिंदर कुमार शर्मा कहते

कमला सिंह (बाएं) और मैरी कोंडोर्लना के साथ रोटरी हॉकी अकादमी के संस्थापक कोच जतिंदर के शर्मा।

आर एच ए में खिलाड़ियों के साथ कोच जतिंदर शर्मा।

है, वे राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम में जगह पाने के काबिल है।''

एक पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी होने के नाते जतिंदर शर्मा खेल प्रतिभाओं को बाहर लाना चाहते थे और उड़ीसा के गांवों की ग्रामीण लड़कियों को फील्ड हॉकी में प्रशिक्षित करना चाहते थे। ''मैं इन गरीब परंतु प्रतिभावान कन्याओं को उचित प्रशिक्षण, पौष्टिक भोजन और एक स्वस्थ जीवन शैली के माध्यम से गरीबी के दलदल से बाहर निकालना चाहता था और इसलिए 2017 में मैंने RHA की शुरुआत की जब मैं रोटरी क्लब संबलपुर सिटी का अध्यक्ष था'', वह कहते है।

उस वक्त भी, वह जानते थे कि उन्होंने एक कठिन चुनौती अपने हाथों में ली है। जम्मू जिले के रहने वाले, वह संबलपुर जिले के खेतराजपुर शहर में आकर बस गए और 2016 में अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट मित्र रतन चंद्रशेखर शाह की मदद से रोटरी में शामिल हो गए। शर्मा 2019 में क्लब के सलाहकार के रूप में रोटरी क्लब वीरभूमि संबलपुर, रो ई मंडल 3261, में चले गए। बिना ज्यादा परेशान हुए, उन्होंने ग्रामीण लड़कियों के लिए अपनी विशेष हॉकी अकादमी की बारीकियों की योजना पर काम करना शुरू कर दिया।

संबलपुर के बम्ब्रा ब्लॉक में अमलीखमन मिशन अपर प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं खेल कार्यकर्ता फादर राजेंद्र कुजुरस; भूतपूर्व सैनिक रोटेरियन अनिल मिश्रा, एक फिटनेस विशेषज्ञ जो एक जिम के मालिक है; और न्यूजीलैंड के एक दम्पति डेनियल और आना विल्किंसन ने शर्मा के साथ मिलकर हॉकी अकादमी को एक मूर्त रूप देने में मदद की। शर्मा समझाते है, ''वर्तमान में, हम खेतराजपुर, कुकुड़ा (सुंदरगढ़) और अमलीखमन में तीन केंद्रों पर 200 लड़कियों को मुफ्त उपकरण, जर्सी, जूते और सुव्यवस्थित खेल के मैदान प्रदान करके प्रशिक्षित करते है।'' मिश्रा द्वारा शारीरिक प्रशिक्षण एवं पोषण का ध्यान रखा जाता है, जबकि डेनियल लड़कियों को उनके संचार कौशल में सुधार करने में मदद करते है।

बदहाल स्थिति

पैसे एवं भौतिक सुविधाओं के अभाव के कारण, उड़ीसा की इन लड़कियों की आँखों में केवल राष्ट्रीय हॉकी परिदृश्य में बेहतर मुकाम हासिल करने की चाह, साहस और दृढ़ संकल्प के अलावा कुछ भी नहीं है। ''प्रशिक्षुओं के पास भुगतान करने के लिए कुछ भी नहीं है। हम उन्हें आवास के अलावा कठोर प्रशिक्षण, व्यायाम, आहार और पौष्टिक भोजन देते है। हर साल, हम उन्हें प्रतिष्ठित हॉकी अकादमियों में राज्य स्तरीय प्रशिक्षुओं के चयन हेतु खेल छात्रावासों में परीक्षण के लिए ले जाते है।'' वर्तमान में, RHA की 25 लड़कियों को नवल टाटा हॉकी अकादमी; SAI हॉकी अकादमी, सुंदरगढ़; और पानपोश अकादमी, राउरकेला, में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

RHA की एक और खासियत यह है कि हर साल यह रोटरी वुमन्स रुरल हॉकी टूर्नामेंट आयोजित करता है जिसमें 20 से अधिक टीमों में पूरे उड़ीसा से आई 300 से अधिक लड़कियां शामिल होती है। ''यात्रा का किराया, भोजन से लेकर आवास और उपकरण तक, प्रतिस्पर्धी टीमों के लिए सब कुछ मुफ्त में व्यवस्थित किया जाता है। इन लड़कियों में से, हम लगभग 25 का चयन करते है और उन्हें 15-दिवसीय परीक्षण शिविर में प्रशिक्षित करते है।

इस शिविर से, 16 उम्मीदवारों को RHA की राष्ट्रीय टीम बनाने के लिए चुना जाता है'', शर्मा विस्तार से बताते है।

एक निर्णायक मोड़

जतिंदर शर्मा उनकी लड़कियों को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में पुरुष हॉकी विश्व कप (2018) दिखाने ले गए थे। लड़कियों के उत्साह से आश्चर्यचकित एवं इन युवा प्रतिभाओं की पृष्ठभूमि से प्रेरित होकर, उड़ीसा के दो फिल्म निर्माता, अविनाश प्रधान और देबाशीष महापात्र, RHA पर एक डाक्यूमेन्टरी बनाना चाहते थे, जो उस खेल में ग्रामीण लड़कियों के लिए एक बड़ा मंच प्रस्तुत कर रहा है जिसके लिए उनके अंदर भी एक जुनून है।

> पिछले चार वर्षों में, प्रमुख प्रशिक्षक रोटरी अकादमी में 200 लड़कियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपनी जेब से ₹20 लाख से अधिक खर्च कर चुके है।

निदेशकों को पता चला कि RHA लड़कियों के पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक बड़े पैमाने पर निधीयन करता है जिससे उन्हें राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम में चयनित होने में मदद मिलेगी। ''2019 में बनी द माउंटेन हॉकी नामक 40 मिनट की यह डॉक्यूमेंट्री जढढ प्लेटफॉर्म - डिज़्नी हॉटस्टार - पर इस साल जून में रिलीज़ की गई'', शर्मा गर्व के साथ कहते है।

लड़कियों के मनोरंजन के पहलू पर, वह कहते है, ''संबलपुर में टूर्नामेंट के दौरान, हम उन्हें अपने खिलाड़ियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए सिनेमाघरों में ले जाते है। अमलीखमन केंद्र पर शाहरुख खान की फिल्म *चक दे! इंडिया* (2007) को उनके लिए प्रदर्शित किया गया था क्योंकि यह फिल्म 2002 के राष्ट्रमंडल खेल जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम पर आधारित है।''

पिछले चार वर्षों में, प्रमुख प्रशिक्षक रोटरी अकादमी में 200 लड़कियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपनी जेब से ₹20 लाख से अधिक खर्च कर चुके है। हालांकि उन्हें स्थानीय स्कूलों में पढ़ने वाली अपनी दो बेटियों के लिए धन की आवश्यकता है, फिर भी वह कहते है, ''मैं अकादमी की अपनी छात्राओं के लिए खर्च करके काफी खुश हूं। वे आने वाले वर्षों में कई मुकाम हासिल करेंगी।''

मार्मिक विनम्रता के साथ, कमला कहती है, ''मेरे कोच के बिना, मैं कुछ भी नहीं हूं, एक बड़ा शून्य। उन्होंने मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल दी है।'' मैरी कहती है: ''सर मेरे लिए भगवान है। मुझे पता है कि मेरा भगवान मेरी रक्षा करेगा और मेरी देखभाल करेगा।'' जतिंदर शर्मा को शुभकामनाएं, और भगवान करें उनका यह कुनबा और भी बड़ा बनता जाए। ■

रोटरी तीन मंडल गवर्नर्स, रोटेरियनों को कोविड कार्य हेतु सम्मानित करेगी

अशोक महाजन

राजनीतिक इच्छाशक्ति, रोटरी के सहयोग और समाजसेवी लोगों से अर्जित किए गए फंड के अद्वितीय मेल ने भारत में कोविड के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम को अब तक 38 करोड़ (380 मिलियन) लोगों तक पहुंचा दिया है। हालांकि, कुछ ही राज्यों में 2 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया गया है और हम में से प्रत्येक को भारत से कोविड को मिटाने के लिए और भी अधिक काम करना है। रो ई ने इंटरनेशनल कोविड कमेटी टास्क फोर्स का भी गठन किया है। रोटरी इंडिया की कोविड टास्क फोर्स टीकाकरण गतिविधियों को बढ़ावा देने और क्लबों को कोविड से संबंधित स्वस्थ बुनियादी संरचना (हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर) की स्थापना के लिए प्रेरित करने के लिए 2021-22 रोटरी वर्ष के अंत में तीन जिला प्रमुखों को सम्मानित करेगी।

हम जिला प्रमुखों से अपने क्षेत्र में कोविड उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए जिला समन्वयक के रूप में कार्य करने के लिए एक रोटेरियन को नामित करने के लिए कहते हैं। वर्ष के अंत में तीन जिला समन्वयकों को उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल मुझे जल्द से जल्द जिला समन्वयकों के नाम और ईमेल पते भेजें।

कृपया रोटेरियनों के साथ मिलकर एक 'जिला कोविड टीकाकरण प्रोत्साहन समिति' बनाएं और एक व्यक्ति को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करें। तीनों अध्यक्षों का चयन उनकी उपलब्धियों के आधार पर किया जाएगा और उन्हें मान्यता दी जाएगी। राज्यपाल मुझे जल्द से जल्द समिति अध्यक्ष का नाम और ईमेल पता भेजें।

इसके अलावा, उन तीन क्लबों को जिन्होंने टीकाकरण अभियान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है और कोविड से संबंधित परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है, उन्हें रोटरी वर्ष के अंत में सम्मानित किया जाएगा। इस संदेश को अपने जिले के सभी क्लबों में फैलाएं। आइए हम कोविड के आगे प्रसार होने को रोकने के लिए कड़ी मेहनत करें।

लेखक रोटरी इंडिया कोविड टास्क फोर्स के अध्यक्ष हैं और रोटरी इंटरनेशनल कोविड टास्क फोर्स के सदस्य हैं।

TRF की मदद से अच्छे कार्य

रोटरी ने सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में खोला OT

टीम रोटरी न्यूज़

हार्ट सर्जरी की जरूरत वाले बच्चों की वेटिंग लिस्ट कम करने के लिए रो ई मंडल 3011 के अंतर्गत, रोटरी क्लब फरीदाबाद अरावली ने ₹2.5 करोड़ के ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के जरिए हरियाणा के श्री सत्य साईं संजीवनी इंटरनेशनल सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर एंड रिसर्च, पलवल में ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू कमांड सेंटर का उद्घाटन किया। रो ई मंडल 6540 के अंतर्गत, अमेरिका का रोटरी क्लब फोर्ट वेन इस परियोजना में वैश्विक भागीदार है।

अस्पताल में इस तीसरे OT के साथ इसकी क्षमता एक दिन में पांच सर्जरी से बढ़कर सात हो जाएगी। अस्पताल में एचएफओ वेंटिलेटर, सर्जिकल उपकरण, सेंट्रल मॉनिटर स्टेशन और मोबाइल केयरटेकर जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं।

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए क्लब को जूम पर बधाई दी। दो बच्चों को जीवन प्रमाण पत्र का उपहार भेंट किया गया, जिनका उपचार क्लब द्वारा प्रायोजित किया गया था।

पूर्व अध्यक्ष साकेत भाटिया ने बताया कि ऑपरेशन थियेटर में पहले ही 100 सर्जरी की गई थी, जो मार्च से कार्यरत थी। कश्मीर के अनंतनाग से छह दिन का शिशु मोहम्मद स्वाद है, जो सबसे कम उम्र का मरीज है और अब वह बिलकुल सही हालत में है।

पूर्व जिला सचिव एवं क्लब के चार्टर अध्यक्ष मोहित आनंद भाटिया ने विभिन्न जिलों के 13 क्लबों के योगदानकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा, "रोटरी द्वारा इस अस्पताल में स्थापित यह दूसरा OT है, पहला OT रोटरी क्लब फरीदाबाद मेन द्वारा वैश्विक अनुदान के माध्यम से स्थापित किया गया था।" सबसे बड़े दाता, ज्योति कॉर्प के संस्थापक सदस्य और रोटरी क्लब फोर्ट वेन के डॉ प्रवीण कोल्लीपारा हैं, जिन्होंने चिकित्सा परियोजना के लिए 49,000 डॉलर से अधिक का योगदान दिया था।■

अंदाज़, रुआब, रूतबा और भी...

रशीदा भगत

उस वक़्त मुश्किल से 10 साल की थी, जब मेरे नए नए बने रईस जीजा अपनी पत्नी की छोटी बहन को बम्बई का जादू दिखाने के लिए बेताब हो रहे थे। उन्होंने पूछा, और तुम क्या देखना चाहती हो। दिलीप कुमार की फिल्म , मैंने झिझकते हुए कहा। खुद भी दिलीप कुमार के फैन, वो भी खुश हो गए और उन्होंने अखबार में ढूंढना शुरू कर दिया,शहर में दिलीप कुमार की कौन कौन सी फिल्म लगी हैं। कई चल रही थीं और पूरे हफ्ते तक रोज़ाना हमने सिनेमा हॉल में दिलीप की अदाकारी का जादू देखा, वो भी मॉर्निंग शो में जिसे मैटिनी, इवनिंग और रात के शो से ज़्यादा पसंद किया जाता है।

बॉम्बे में गुजारे उस सुनहरे सप्ताह को मैं कभी नहीं भूल पाउंगी - 7 दिनों में दिलीप की 9-10 फिल्में ... *आन, आज़ाद, देवदास, मधुमती, अंदाज़, कोहिनूर, यहुदी, बाबुल,* कुछ और भी थीं। अगर किसी बॉलीवुड अभिनेता ने मेरी किशोरावस्था, युवावस्था और बाद के दशकों में मुझ पर गहरी छाप छोड़ी है तो वह दिलीप कुमार हैं। वह निहायत खूबसूरत थे ये बात दीगर है और ये कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। उनकी आवाज, बोलने का अंदाज़, जिस तरह से वो डायलॉग बोलते थे, शांत और खामोशी से, उनकी मोहक आंखें, पूरी शिद्दत के साथ कई जज़्बातों को आसानी से किरदार में इतनी जल्दी से पिरो लेते थे ... जी हां, मेरे लिए, और उनके लाखों चाहने वालों के लिए, उनके जैसा एक और करिश्माई हीरो कभी जन्म नहीं लेगा।

जैसा कि हमें कई बार बताया गया है, उनका अभिनय करने का एक अलग अंदाज़ था, और सत्यजीत रे उन्हें अल्टीमेट मेथड एक्टर कहा करते थे। उनके सह-कलाकारों ने साक्षात्कारों में कई दफा कहा है कि दिलीप न केवल अपनी भूमिकाओं पर गहराई से शोध किया करते थे, बल्कि बड़ी तन्मयता से वो भूमिका के चरित्र में उतर जाते थे ... जैसे उन्होंने *कोहिनूर* फिल्म के लिए सितार बजाना और *नया दौर* के लिए तांगा चलाना सीखा था। रूपहले परदे पर वो जो भी भूमिका निभाते उसके लिए बहुत मेहनत करते थे। और हाँ, किसी भी भूमिका को स्वीकार करने में कभी जल्दबाजी नहीं किया करते थे।

एक बार साक्षात्कार में उन्होंने कहा था: एक दफा आपको दर्शकों पसंद कर लें, तो आपको कम नज़र आना चाहिए, ये लालच तो हमेशा ही रहेगा ज़्यादा फ़िल्में करने का, क्योंकि ज़्यादा फिल्मों में पैसा भी तो ज़्यादा मिलता है, लेकिन जब एक कलाकार ऐसी भूमिका निभाता है जो उसके व्यक्तित्व के दायरे से बाहर हो तो वह जोखिम उठाता है । उन्होंने लिखा है : मैंने जान बूझकर कभी भी दर्शकों के सामने खुद को ओवरसोल्ड या ओवरएक्सपोज नहीं किया। पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें एक समय में सिर्फ एक फिल्म लेने के खतरे का एहसास तो होता

याहुदी (1958) में मीना कुमारी के साथ।

पठान, जिनकी कहानी आप पढ़ रहे हैं, इसे सहजता से, सावधानीपूर्वक अध्ययन कर, अपने अथक परिश्रम, पूर्वाभ्यास और नए-नए किरदारों मे कामयाब होने के जज़्बे की वजह से इसे निभाया था।

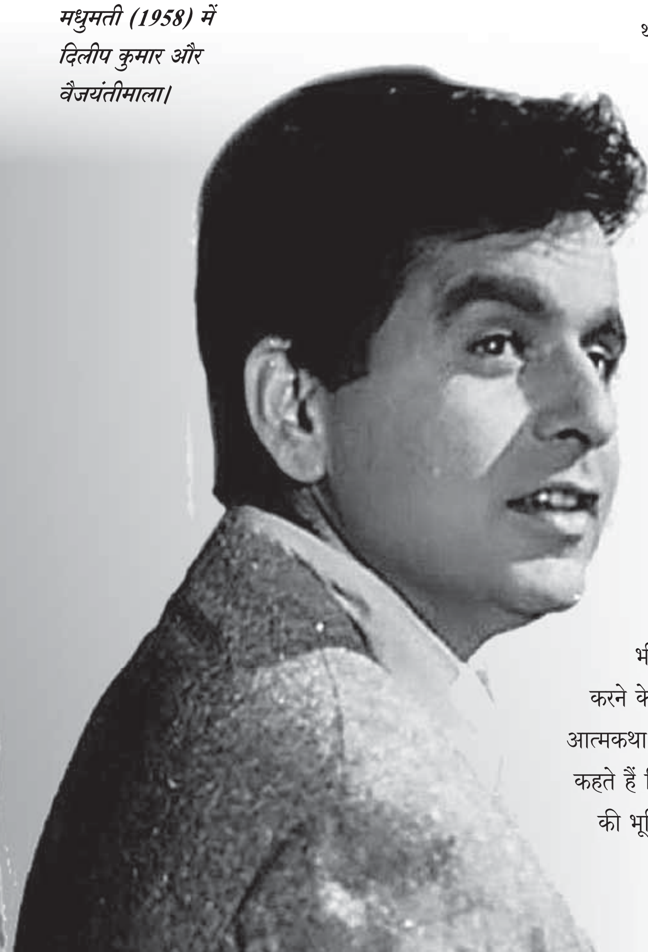

मधुमती (1958) में दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला।

था, जहां अन्य कलाकार 2 -3 फ़िल्में कर रहे होते थे। लेकिन उन्होंने निश्चय कर लिया था एक समय में सिर्फ एक ही फिल्म करेंगे और उसे अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। निश्चित ही, आज से 60 -70 साल पहले ऐसी सोच रखने के लिए बहुत ज़्यादा हिम्मत और आत्म विश्वास चाहिए था

नाज़ुकमिज़ाज़ अभिनेता ने यह भी कहा कि ए एक विद्वान् और कुशल निर्देशक कुछ ही क्षणों में अपनी बात आपके सामने रख देता है। फिर भी दिलीप कुमार फिल्मों का चुनाव करने के लिए समय लिया करते थे। अपनी आत्मकथा, *द सबस्टेंस एंड द शेडो* में वे कहते हैं कि जब बिमल रॉय ने देवदास की भूमिका निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो स्क्रीन पर शराब के नशे के आदी शख्स का किरदार निभाने में थोड़ी हिचकिचाहट हुई थी।

उन प्रतिभाशाली निर्देशक ने उनसे बस इतना ही कहा: ''एक बार शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की किताब पढ़ लें । मैं आपको अंग्रेजी में एक अच्छा अनुवाद भिजवा रहा हूँ और उसके बाद निर्णय करें।'' उसके बाद तो इतिहास गवाह है।

फ़िल्मी जगत में अपने सहयोगियों से मुक्त कंठ से जिस तरह दिलीप को प्रशंसा मिली है, उसका कोई सानी नहीं है, विशेष रूप से वर्तमान की तुलना में जहां शाहरुख, सलमान और आमिर खान, अक्षय कुमार और अभिनेत्रियों सहित बॉलीवुड के कई अन्य दिग्गजों के बीच आपसी प्रतिद्वंद्विता है और विवाद उठते रहते है और ये बात अच्छी तरह से जग जाहिर है।

लता मंगेशकर अपने 'बड़े भाई' से बहुत प्यार करती थीं, उनकी कलाई पर राखी बांधती थीं और यह बताते हुए कभी नहीं थकती थीं कि कैसे दिलीप ने मेरे जैसी महाराष्ट्रियन को

लता मंगेशकर ने दिलीप कुमार की कलाई पर राखी बांधी।

एक स्वेटर दिया था। उन्होंने इसे कभी वापस नहीं किया और बहुत समय के बाद जब उन्होंने दिलीप से पूछा कि क्या वह इसे अपने पास रख लें, तो सुपरस्टार ने कहा कि वो पेरिस से दो खरीद कर लाये थे, एक उनके भाई नासिर ने लिया था, और निश्चित रूप से दूसरा वो रख सकते थे। ''मेरे पास उनकी 1,000 यादें हैं। मुझे उनकी बहुत सी चीजें पसंद थी, जिन्हें मैं इस्तेमाल कर लिया करता था और वह भी एक बड़े भाई की तरह आराम से दे दिया करते थे।''

दिलीप अपने शर्मीले और संकोची स्वाभाव के लिए मशहूर थे, खासकर अपने करियर के शुरुआती सालों में और कॉलेज के दिनों में राज कपूर अपने इस शर्मीले दोस्त को लड़कियों से मिलवाने की कोशिश में काफी हंसी मज़ाक

गीतों में उर्दू अल्फ़ाज़ ठीक से बोलना सिखाया। वास्तव में दिलीप ने ही उन्हें उर्दू का उच्चारण सिखाया था।

उनके एक और बड़े प्रशंसक हैं, अमिताभ बच्चन और वो उस वक्त का किस्सा याद करते हैं जब *शक्ति* फिल्म के सेट पर, अमिताभ अपने सीन का अभ्यास कर रहे थे, दिलीप ने शूटिंग दल के सदस्यों को फटकार लगाईं थी

लड़के की अच्छी तरह से देखभाल करो, बड़ा आदमी बनेगा, उसे दुनिया की बुरी नज़रों से बचा कर रखना। यदि ज़रूरी हो तो उसे काजल का टीका लगा के रखना नहीं तो तुम वक़्त से पहले इसे हमेशा के लिए खो दोगी।

दिलीप के बचपन में एक फकीर ने यह कहा था।

जो वहां शोर मचा रहे थे । अचंभित स्टार ने दिलीप से कहा कि जब वो स्कूल में थे तो इलाहाबाद में *गंगा जमना* फिल्म उन्होंने कई बार देखी थी, सिर्फ यह समझने और जानने के लिए कि एक पठान इतनी सहजता से देहाती किरदार किस तरह निभा सकता है और कितनी आसानी से भोजपुरी बोल सकता है। अपनी आत्मकथा में दिलीप ने स्वीकार किया कि यह वास्तव में बहुत मुश्किल काम था लेकिन ''पठान ने, जिनकी कहानी आप पढ़ रहे हैं, इसे सहजता से, सावधानीपूर्वक अध्ययन कर, अपने अथक परिश्रम, पूर्वाभ्यास और नए- नए किरदारों में कामयाब होने के जज़्बे की वजह से इसे निभाया था।'' संयोग से, दिलीप ने इस फिल्म का निर्माण ही नहीं किया था किया, बल्कि कई भाषाओं के जानकार इस कलाकार ने, जो अंग्रेजी में उतने ही सहज थे, जितने उर्दू और फारसी में - इस फिल्म की कहानी और पटकथा भी लिखी थी।

दिलीप और राज कपूर की घनिष्ठता और खुशमिजाज़ी जग प्रसिद्द है। धर्मेंद्र अपने ''बड़े भाई'' का बहुत सम्मान करते थे और उन्होंने याद किया कि 1960 के दशक में दिलीप ने काफी सर्दी होने पर उन्हें पहनने के लिए अपना

किया करते थे। उनके शर्मीलेपन की वजह हमें आत्मकथा से मालूम चलती है। छोटी उम्र में एक दिन जब वह घर पर बच्चों के साथ खेल रहे थे, वहां एक फकीर आया और उनकी दादी से कहा: लड़के की अच्छी तरह से देखभाल करो, बड़ा आदमी बनेगा, ''उसे दुनिया की बुरी नज़रों से बचा कर रखना, ऐसा किया तो वह बुढ़ापे में भी खूबसूरत लगेगा। यदि ज़रूरी हो तो उसे काजल का टीका लगा के रखना नहीं तो तुम वक़्त से पहले इसे हमेशा के लिए खो दोगी। अल्लाह का *नूर* (प्रकाश) उस पर बरसता रहेगा जो उसके चेहरे को रोशन रखेगा।''

इसका नतीजा यह हुआ कि दादी ने उनका सिर मुंडवा दिया और हर सुबह जब वह अपने गृहनगर पेशावर में स्कूल जाते थे, तो उनके माथे पर कालिख लगा दिया करती थी ताकि वो बदसूरत दिखें। कहने की जरूरत नहीं है कि वह स्कूल में एक तमाशा बन गए थे और दूसरे लड़के जम कर उनका मजाक उड़ाते थे। उनके माता पिता के विरोध का कोई फर्क नहीं पड़ा और ये सिलसिला चलता रहा। परिणाम ये हुआ कि ''मैं स्कूल में अकेला पड़ गया और बहुत कम खेल पाया, अपने आप को वहां के छोटे से पुस्तकालय में मौजूद रंगीन किताबों तक समेट लिया।''

शर्मीले और संकोची स्वभाव के दिलीप का कहना है कि वह हमेशा राज से ईर्ष्या किया करते थे जो विल्सन कॉलेज में लड़कियों के साथ बिलकुल सहजता से रहते थे और अपने बहिर्मुखी स्वभाव और आकर्षक व्यक्तित्व की वजह से काफी लोकप्रिय थे। लेकिन खेलों में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अंग्रेजी और उर्दू भाषा पर मेरी पकड़ पर मुझे गुरूर था, वे कहते हैं, ''राज कपूर हमेशा से ये बात जानते थे कि वह अभिनय के क्षेत्र में उतरेंगे जबकि मैं देश का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता था।'' बाद में, दिलीप लिखते हैं, सायरा से शादी करने के बाद, उनके घर के तीन फ्रीजर हमेशा खाने पीने के सामान से भरे रहते थे क्योंकि क्रिकेट की और अन्य खेलों की पूरी की पूरी टीमें अक्सर उनके घर आ जाती थीं और पठान की मेहमानवाज़ी में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती थी।

राज कपूर हमेशा से ये बात जानते थे कि वह अभिनय के क्षेत्र में उतरेंगे जबकि मैं देश का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता था।

पत्नी सायरा बानो के साथ।

अपने माथे पर कालिख के कारण स्कूल में मिली अभद्र टिप्पणियों की वजह से हंसी का पात्र बनने के पीछे भी कोई दैविक उद्देश्य था, वे लिखते हैं: यह वही दर्द था जिसे मैंने स्कूल में एक अलग थलग पड़े बच्चे के रूप में सहा था और जब मेरे करियर में शुरुआती दुखद और दर्द भरी भूमिकाओं में उन पात्रों की गहरी मानसिक पीड़ा व्यक्त करनी पडी तो वही दर्द मेरे अवचेतन मस्तिष्क से बाहर निकल कर बह निकला थी।

उनके पिता ने उनके लिए बड़े सपने देखे थे और चाहते थे कि वह एक उच्च पदस्थ एक सरकारी अधिकारी बनें जिसके नाम के आगे OBE जुड़ा हो। वे बंबई की नागदेवी गली में रहते थे और क्रॉफर्ड बाजार में फलों का व्यवसाय करते थे। लेकिन जैसे ही द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ा, फल व्यवसाय से होने वाली आय में कमी की वजह से उनके बड़े परिवार

अंदाज़ (1949) में दिलीप कुमार।

पर संकट आ गया था, व्यापार करने पर सख्त युद्धकालीन प्रतिबंध लग गया था।

अपनी किशोरावस्था में, एक दिन, अपने पिता से अनबन के बाद, इस युवा बालक ने घर छोड़ दिया और पुणे की ट्रेन में सवार हो गया, उन की जेब में सिर्फ ₹40 थे और वो ज़िंदगी में पहली बार तीसरे दर्जे से यात्रा कर रहा था। उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व को धन्यवाद - भद्र शिष्टाचार वाला एक खूबसूरत लंबा नौजवान, साथ में अंग्रेजी और उर्दू दोनों पर अच्छी पकड़, पहले ही दिन उन्हें पुणे के ब्रिटिश आर्मी क्लब में नौकरी मिल गई, जहां जल्दी ही वे प्रबंधक के चहेते बन गए। साथ ही अच्छा दिखने वाला ये मिलनसार लड़का उच्च ब्रिटिश अधिकारीयों और सामान्य लोगों का भी चहेता बन गया। उन्होंने यहां एक सैंडविच स्टॉल लगाया था जो काफी हिट रहा।

जब वह ₹5000 बचाकर घर लौटे, जो उन दिनों एक बड़ी राशि हुआ करती थी, और अपनी माँ जिन्हें बहुत प्यार करते थे बल्कि पूजा किया करते थे, सारे रुपये दे दिए, माँ ने पर कुरान पर हाथ रख कर कसम खिलवाई कि ये पैसा पूरी इज़्ज़त से कमाया गया था!

बॉम्बे टॉकीज की मालकिन देविका रानी उनकी तरफ कैसे आकर्षित हुई ये बात जगजाहिर है। देविका ने उन्हें ₹1,250 की मोटी तनख्वाह पर रख लिया था जो एक नवागंतुक को कभी नहीं दी गई थी और अभिनय के बारे में उनके संदेह को दूर करने के लिए देविका ने केवल यह कहा था: 'आप सीख जाओगे'। यहीं पर उनकी मुलाकात अशोक कुमार से हुई, जिन्होंने उन्हें अभिनय के गुर सिखाए, फिर शुरुआत हुई ज़िंदगी भर की दोस्ती और घनिष्ठता की ।

एक बार एक लोकल ट्रेन में अशोक भैया के साथ यात्रा करते हुए, उन्होंने इस लोकप्रिय अभिनेता को कई लोगों से मिली ज़बरदस्त प्रशंसा के प्रति उन्हें बेपरवाह और बिलकुल सहज देखा। ''मैंने उन्हें बड़ी गर्मजोशी और चतुराई से जवाब देते हुए देखा ... मैं प्रसिद्धि के इस अद्भुत अवतार को साक्षात देख रहा था, जो उस समय मेरे लिए काफी कौतुहल भरा था।''

अगले दिन बॉम्बे टॉकीज में, जब उन्होंने अशोक कुमार के सामने अनुभवी निर्देशक एस मुखर्जी को इस घटना के बारे में बताया, तो मुखर्जी ने कहा: ''आगे चल कर आप बहुत बड़े पैमाने पर क्या अनुभव करने वाले हैं, यह तो उसकी एक छोटी सी झलक है। आप जैसे खूबसूरत शख्स को महिलाओं से दूरी बनाये रखने में खासी परेशानी का सामना करना पडेगा। फिर उन्होंने मेरा उतरा हुआ चेहरा देखा और जोर से हंस पड़े क्योंकि तब तक सबको अच्छी तरह से पता चल चुका था कि मैं महिलाओं की उपस्थिति में कितना शर्मीला और असहज हो जाता था।'' बाद के वर्षों में दिलीप को जिस तरह की प्रशंसा मिली, उनके प्रशंसक उन पर इतने फ़िदा थे कि उनकी कार को उठा कर उसके गंतव्य तक पहुंचा देते थे।

कोई और नहीं बल्कि खुद महारानी एलिजाबेथ ने भी लंदन के बकिंघम पैलेस में इसकी एक झलक देखी थी। दिलीप ने अपनी किताब में खुलासा किया कि उनकी पत्नी सायरा, जिनकी स्कूली शिक्षा लंदन में हुई थी, हमेशा से महारानी एलिजाबेथ से मुलाक़ात करना चाहती थीं। आँतों में खराबी की वजह से लंदन के एक अस्पताल में भर्ती सायरा का उन्होंने जिस तरह से ख़याल रखा था उसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। 1970 के दशक की शुरुआत में, सायरा के ठीक होने के बाद दोनों ने लंदन

क्या दिलीप कुमार ने सिनेमा की प्रगति में नए आयाम स्थापित करने में मदद की या क्या फिर उन्होंने लोकप्रिय हिंदी सिनेमा को स्टार केंद्रित बना कर वहां पहुंचा दिया जिस जगह आज वो पहुँच चुकी है।

नसीरुद्दीन शाह

में कुछ समय बिताया। यहां, उन्हें महारानी द्वारा आयोजित एक चाय पार्टी का निमंत्रण मिला, और वो पार्टी में उपस्थित एशियाई आमंत्रितों को प्यार से हमारे चारों ओर मंडराते देख काफी अचंभित हुई थीं, और बाद में दिलीप से कहा था : 'आप वास्तव में बहुत लोकप्रिय व्यक्ति हैं। आपसे मिलकर खुशी हुई।

लंबे समय से दिलीप अपनी फिल्म *गंगा जमना* (1961) का निर्माण करने का विचार कर रहे थे; उन्होंने महसूस किया कि भारत की स्वतंत्रता से ग्रामीण भारत को कितना कम फायदा हुआ है और इन महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना ज़रूरी था। उत्पीड़ित किसान और जमीन जोतने वाले गुलामी की ज़िंदगी जी रहे थे और जमींदारों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा था। इससे पहले, 1950 के दशक के बीच में, उन्होंने महबूब खान की ब्लॉक बस्टर *मदर इंडिया* (1957) में एक बेटे की भूमिका को विनम्रता से ठुकरा दिया था। उन्होंने महसूस किया कि *मेला* (1948) और *बाबुल* (1950) जैसी पिछली फिल्मों में रोमांस करने के बाद नरगिस के बेटे के रूप में काम करना असंगत होगा।

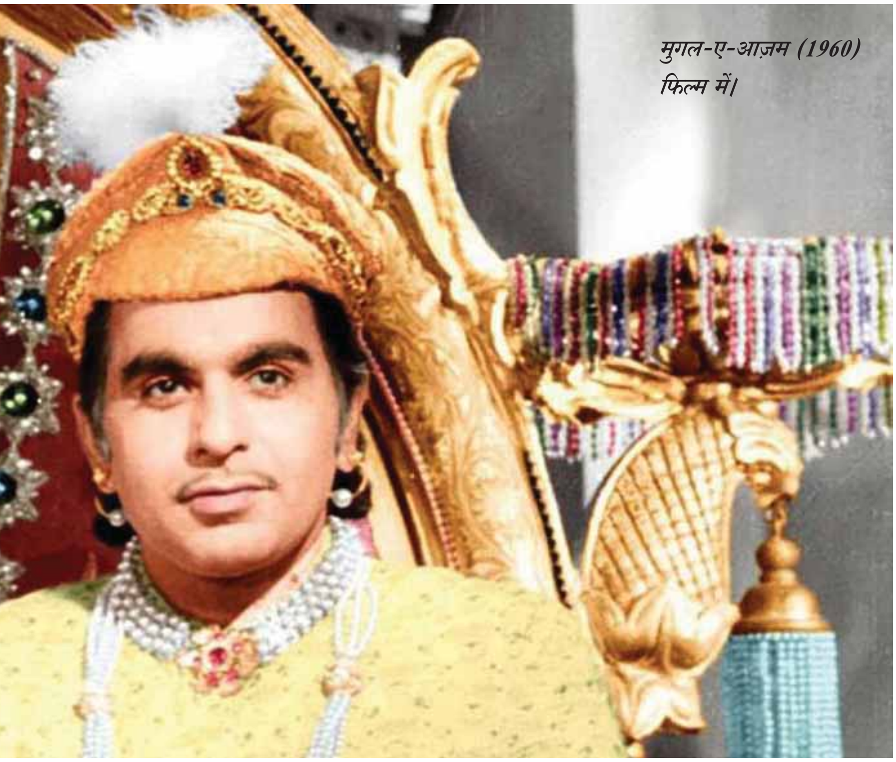

मुगल-ए-आज़म (1960) फिल्म में।

दिलीप ने अपनी भूमिकाओं में जिस तरह से अपनी गहरी सोच, निभाने का तरीका और उसमें कड़ी मेहनत डालते हैं, उसका अंदाजा उनकी किताब में वर्णित, *गूंगा* के मौत के दृश्य को फिल्माए जाने से लगाया जा सकता है।

उन्होंने कैमरामैन वी बाबासाहेब को विश्वास में लिया और कहा कि वे पूरी तरह से तैयार रहें क्योंकि इस शॉट के लिए "कोई रिहर्सल नहीं होगी और न ही दूसरा टेक होगा।" इसलिए एक्शन और चालू कैमरे के बीच सही तालमेल रहना चाहिए।

स्टूडियो में यूनिट के अन्य सदस्यों को इस बात की भनक भी नहीं थी कि दोनों ने क्या

योजना बना रखी थी। शूटिंग से पहले दिलीप ने स्टूडियो परिसर में पहले जॉगिंग की और फिर तेजी से भागे; ''जब मुझे सांस लेने में तकलीफ महसूस होने लगी और मुझे लगा कि बस अब मैं गिर जाऊँगा तो मैंने सेट में प्रवेश किया, जहां बाबा साहेब गंगा को उस मूर्ति के चरणों में गिरते हुए अपने कैमरे में क़ैद करने के लिए तैयार थे, गाँव में अपनी बेगुनाही साबित करने और अपनी प्रतिष्ठा बहाल करने के बाद उनकी मां जिस मूर्ति की पूजा करती थी।''

दिलीप के निधन के बाद उनकी जम कर तारीफ़ हुई है वहीं इस दिग्गज बॉलीवुड आइकन के लिए नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया नाराज़गी की है, जो बेबाकी से अपनी राय देने के साहस के लिए जाने जाते हैं। वो दिलीप द्वारा छोड़ी गई विरासत पर सवाल उठाते हैं और साफ़ तौर पर पूछते हैं कि दिलीप ने कुछेक बढ़िया फिल्मों और सामाजिक सरोकारों के अलावा जो उनके के दिल के बहुत करीब थे, कौन सी विरासत छोड़ी है, भारतीय फिल्म उद्योग के लिए उन्होंने क्या किया।'

वह हिंदी सिनेमा में दिलीप के अपार योगदान को स्वीकार करते हैं, लेकिन प्रासंगिक रूप से पूछते हैं, ''क्या उन्होंने सिनेमा की प्रगति में नए आयाम स्थापित करने में या उन्हें आगे बढ़ाने में मदद की या क्या फिर उन्होंने लोकप्रिय हिंदी सिनेमा को स्टार केंद्रित बना कर उसे वहां पहुंचा दिया जिस जगह आज वो लुढ़क कर पहुँच चुकी है।''

दिलीप के व्यक्तित्व का विश्लेषण करते हुए, गुलज़ार के अमर धारावाहिक *मिर्ज़ा ग़ालिब* में शीर्ष भूमिका निभाने वाले अभिनेता ने एक हस्ताक्षरित लेख में लिखा है: उनके सम्मोहक मौन और निर्दोष शिष्टता ने भारतीय फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय के प्रतिमान स्थापित किये हैं। उनके अभिनय में चाल और भाव भंगिमाओं के किफ़ायत से इस्तेमाल को उस वक्त के कलाकारों और यहां तक कि उनके बाद आने वालों द्वारा भी कम ही समझा गया था, हालांकि सतही तौर पर कइयों ने उनकी शैली की नकल करने की कोशिश ज़रूर ज़रूर की थी।

जब बिमल रॉय ने देवदास की भूमिका निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो स्क्रीन पर शराब के नशे के आदी शख्स का किरदार निभाने में थोड़ी हिचकिचाहट हुई थी।

मेरे सबसे प्रिय अभिनेता के जाने के लगभग दो सप्ताह तक, मैंने दिलीप कुमार की फिल्में देखीं। हैरानी होती है यह जानकर कि दिलीप के बाद जितने भी सुपरस्टार आए, उन्होंने उनका अनुकरण किया है। भले वह सतही नकल हो या नहीं, लगभग हर बॉलीवुड स्टार में दिलीप की अभिव्यक्ति, हावभाव, मुस्कान, शिकन, त्यौरी आदि की झलक नज़र आ जाएगी, बिना किसी अपवाद के।

एक और पसंदीदा अभिनेता है मेरे अल पचीनो। मैंने हाल ही में *द डेविल्स एडवोकेट* देखी और एक बार फिर, पुराने दिलीप और पचीनो के बीच, केवल शारीरिक रूप नहीं बल्कि उनकी अदाकारी, अभिव्यक्ति में भी आश्चर्यजनक समानता देखकर चकित रह गई ।

और अंत में, चलते चलते बात उन पर फिल्माए गए गीतों की। मेरे पसंदीदा गीत हैं *सुहाना सफर और ये मौसम हसीं, दिल तड़प तड़प के कह रहा है (मधुमती); उड़ें जब जब ज़ुल्फ़ें तेरी (नया दौर) तू कहे अगर जीवन भर मैं गीत सुनाता जाऊं (अंदाज़), कितना हसीं है मौसम (आज़ाद), दो सितारों का ज़मीन पर है मिलन और मधुबन में राधिका नाचे रे (कोहिनूर), ये मेरा दीवानापन है (यहूदी), मान मेरा अहसान अरे नादान (आन) मिलते ही आँखें दिल हुआ दीवाना किसी का (बाबुल)।*

दीदार (1951) फिल्म में अशोक कुमार के साथ।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

PRIP कार्लो रवीज़ा, रोटरी आपको याद करेगी

शेखर मेहता

यह विश्वास करना कठिन है कि रोटेरियन के बीच मौजूद शेर ने दहाड़ना बंद कर दिया है। एक ईमानदार दूरदर्शी और मुखर व्यक्ति - ऐसा ही इस उत्कृष्ट रोटेरियन PRIP कार्लो रवीज़ा का व्यक्तित्व था। मुझे उस वर्ष मंडल गवर्नर के रूप में सेवा देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जब वह रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष थे। उनसे मेरी पहली मुलाकात मेरे गृहनगर कलकत्ता में हुई थी, जब वह और उनकी दयालु पत्नी रोसाना कलकत्ता ज़ोन संस्थान में आए थे।

मेरे अपने शहर में उनके साथ पांच दिन बिताना वाकई मेरे लिए एक सौभाग्य की बात थी। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो रोटरी में बड़े बदलाव करना चाहते थे, जिनका दिमाग तेज़ था और जो खुलकर बोलते थे। सहस्राब्दी वर्ष में सेवा करने वाले सभी रोटेरियनों को "टू ओउ ओउ ओउ" के स्पष्ट आह्वान ने कैप्टन कार्लो को उनके दल के बीच अत्यंत मशहूर बना दिया था।

उस वर्ष की थीम 'अनुरूपता, विश्वसनीयता और निरन्तरता के साथ कार्य करें' का अर्थ बहुत गूढ़ था और इसने हम सभी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया।

1999 की अंतर्राष्ट्रीय सभा में PRIP कार्लो रवीज़ा, और रोसएना के साथ राशी और रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता।

पहली मुलाकात के बाद राशि और मैं उनसे अनाहाईम अंतर्राष्ट्रीय सभा में मिले, फिर ढाका सम्मेलन में और उसके बाद रोटरी में हमारी यात्रा में अनेक मौकों पर। हर बार जब भी हम मिले तो उनकी गर्मजोशी वैसी ही थी।

बाद के वर्षों में उनपर उम्र का प्रभाव दिखना शुरू हो गया था लेकिन इससे उनके मन पर ज़रा भी असर नहीं पड़ा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। रोसाना और उनके परिवार के प्रति हमारी दिली संवेदनाएं। मई दिवस

(लेखक रो ई अध्यक्ष हैं।)

2022 **ह्यूस्टन कन्वेंशन**

सितारों की शक्ति

1960 के दशक से, ह्यूस्टन 'संयुक्त राज्य अमेरिका के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम' और इसके 'अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण कार्यक्रम' के लिए मिशन नियंत्रण का घर रहा है। जब आप 4-8 जून को होनेवाले रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए शहर में हैं, तो आप 'ह्यूस्टन स्पेस सेंटर', जिसमें शैक्षणिक कार्यक्रम और एक संग्रहालय भी है, में उस इतिहास के साथ-साथ बाहरी अंतरिक्ष-विज्ञान के बारे में और अधिक जान सकते हैं।

'स्टारशिप गैलरी' में आपको मिलने वाले अंतरिक्ष यान में से हैं: 'फेथ 7', अंतिम बुध कैप्सूल जिसमें गॉर्डन कूपर ने 1963 में 34 घंटे तक पृथ्वी की परिक्रमा की थी; 'जेमिनी वी', जिसमें कूपर और पीट कॉनराड ने 1965 में चंद्रमा की यात्रा के लिए नासा के शोध के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में आठ दिन बिताए थे; और चंद्रमा के लिए अंतिम अपोलो मिशन 'अपोलो 17' से कमांड मॉड्यूल। आप चंद्रमा की चट्टानों का दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित संग्रह भी देख सकते हैं।

'अंतरिक्ष यात्री गैलरी' में 1960 के दशक के दबाव सूट से लेकर चंद्रमा या मंगल ग्रह पर लंबे समय तक रहने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रोटोटाइप अंतरिक्ष सूट तक देखने के लिए मिलेंगे। 'इंडिपेंडेंस प्लाजा' में, आप एक अंतरिक्ष यान की प्रतिकृति जो कि एक हवाई जहाज पर लगाया गया है, के बारे में जान सकते हैं, जो कि लैंडिंग साइटों से फ्लोरिडा के 'कैनेडी स्पेस सेंटर' तक शटल ले जाने का काम करता है।

यहाँ एक गैलरी है, जो कि अंतरिक्ष में निर्मित सबसे बड़ी संरचना 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन' को समर्पित है, यहाँ अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान करना जारी रखते हैं और अंतरिक्ष अन्वेषण के अगले चरण की तैयारी करते हैं। आप 'मिशन मंगल प्रदर्शनी' में लाल ग्रह पर जाने की चुनौतियों के बारे में जान पाएँगे।

और 'नासा ट्राम टूर' तो एक जरूरी हिस्सा है, जो कि आगंतुकों को अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधाओं और मिशन नियंत्रण तक लेकर जाता है। अधिक जानकारी के लिए *spacecenter.org/visitor-information* पर जाएँ।

अधिक जानने और रजिस्टर करने के लिए *convention.rotary.org* पर देखें।

दिलीप
एक सम्पूर्ण अभिनेता

एस आर मधु

जुलाई को जब दिलीप कुमार ने स्वर्ग में प्रवेश किया तो पूरी बॉलीवुड बिरादरी में खुशी की लहर फ़ैल गई। ''तुमने सुना?'' देव आनंद राज कपूर से पूछते हैं।

''यूसुफ आ रहा है।''

राज: ''अच्छा?'' वो गाने लगते हैं, *दिलीप आया वस्तावैया,* 1966 में हुए दिलीप-सायरा विवाह समारोह की यादें ताज़ा हो गई जिसमें वो जम कर नाचे थे।

दिलीप के स्वागत में समारोह आयोजित किया गया। गुलदस्ते और मुस्कराहट के साथ स्वागत करने के लिए उनकी फिल्मों की प्रमुख अभिनेत्रियों का जमावड़ा लग गया। इन सितारा अभिनेत्रियों में मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस, नूरजहाँ, सुचित्रा सेन, निम्मी, नादिरा, नूतन, नलिनी जयवंत शामिल हैं।

''मेरी सारी हिट फिल्मों के पीछे आप महिलाओं का ही हाथ था'', दिलीप शान से कहते हैं। उन्होंने 1949 का प्रसिद्ध अंदाज़ गीत *तू कहे अगर जीवन भर में गीत सुनाता जाऊं* गुनगुनाया। सब खुशी से तालियाँ बजा रहे हैं। ''नहीं, बल्कि हमारे करियर ने इसलिए रफ़्तार पकड़ी क्योंकि हमने आपकी फिल्मों में काम किया'', मीना कुमारी जवाब देती है और दो पंक्तियाँ गुनगुनाती हैं। दिलीप ने सुचित्रा सेन को बधाई दी, वह चुटकी लेती है: ''मैंने 60 फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी *देवदास* की चर्चा ज़्यादा करते हैं।'' नरगिस और दिलीप गले मिलते हैं। नरगिस टिप्पणी

दिलीप कुमार और मधुबाला।

करती है: ''मैंने आपके साथ सात फिल्मों में अभिनय किया है, जो मेरे करियर की विशिष्टता है। लेकिन आप हमेशा बाज़ी मार ले गए - *बाबुल, अंदाज़, मेला* या *दीदार*।'' ''लेकिन मेरी जान, मैं तो पहले से ही हारा हुआ था, तुम ही मुझसे हमेशा बचती रहीं, दिलीप ने जवाब दिया।'' नरगिस मुस्कुराती है।

सभी सितारे देविका रानी के लिए रास्ता बनाते हैं, भारतीय सिनेमा की पहली महिला जिन्होंने दिलीप की खोज की थी। यह एक भावुक क्षण है क्योंकि दोनों एक दूसरे से गले मिलते हैं। दिलीप कहते हैं, ''आपने मेरी जिंदगी बदल दी।'' जिसके जवाब में देविका रानी ने कहा नहीं, ''आपने बॉलीवुड को बदल दिया, । मुझे मालूम था कि आप दिलों को जीत लेंगे, लेकिन आपने तो पूरा हिन्दुस्तान जीत लिया।''

अपनी सुरीली आवाज के लिए मशहूर नूरजहां, दिलीप को गले लगाने के लिए दूसरों को धकेलती हुई आगे बढ़ती है। *जुगनू* (1947) में उनकी नायिका, पाकिस्तान जाने से पहले 1940 के दशक में जवाँ दिलों की धड़कन थीं।

दिलीप ने नूरजहाँ को 1982 में उनकी बहुप्रतीक्षित पाकिस्तान से बंबई की प्रसिद्ध यात्रा की याद दिलाई। और जब वो घड़ी आईं तो शहर में सन्नाटा छा गया था, मानो पूरा बम्बई उनके स्वागत के लिए निकल पड़ा था। दिलीप ने नूरजहां से *अनमोल घडी* का उनका प्रसिद्द गीत *आवाज दे कहां है* गाने के लिए कहा था और वो शानदार और जादुई आवाज़ सुनकर गणमान्य श्रोता भावुक हो कर झूम उठे।

राज कपूर कहते हैं, ''चारों तरफ से महिलाएं आप पर वैसे हीटूट रही हैं, जिस तरह नीचे धरती पर होता था।'' ''देखो ये कौन बोल रहा है'', दिलीप ने राज को एक हल्का सा मुक्का मारते हुए जवाब दिया।

एक खूबसूरत मुस्कान के साथ मधुबाला ने दिलीप का स्वागत आदाब से किया। दिलीप शरमाते हुए बोले, ''आप हमेशा की तरह खूबसूरत लग रही हैं।'' वह टिप्पणी करती है, ''पर बॉलीवुड आपके बिना वैसा ही नहीं रहेगा।'' मधुबाला सही कहती हैं - दिलीप कुमार के बिना बॉलीवुड वैसा रह ही नहीं सकता।

उन्हें एक अभिनय संस्थान के रूप में, सम्पूर्ण मेथड एक्टर के रूप में, ट्रेजेडी किंग की उपाधि से वर्णित किया गया। मेघनाद देसाई ने उन्हें *एक्टर-ए-आज़म* कहा। 1944 से 1948 तक दिलीप ने केवल 67 फिल्मों में अभिनय किया है, लेकिन उनका प्रभाव भारत और पाकिस्तान दोनों में ज़बरदस्त था - रास्ते में लोग स्क्रीन या मंच पर सोचते, बोलते, कपड़े पहनते,

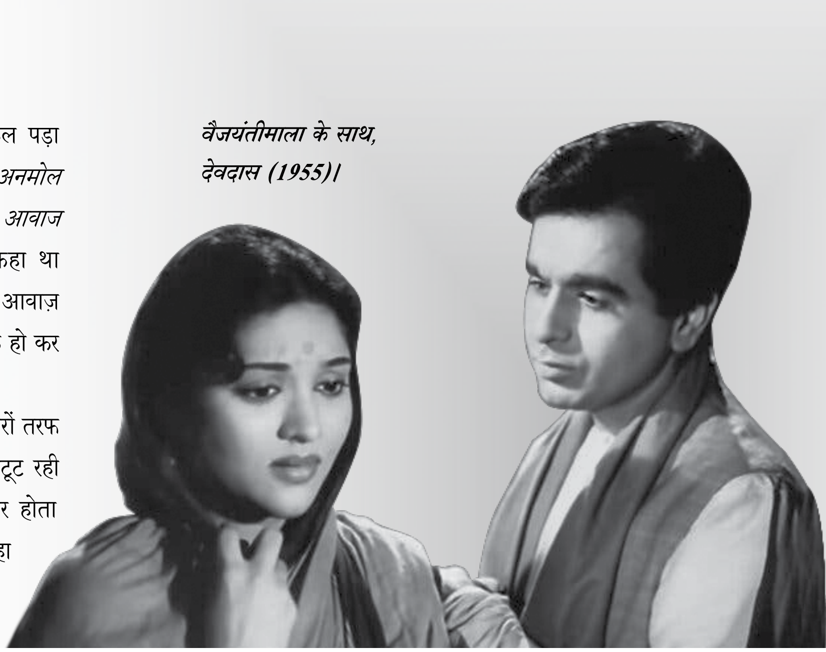

वैजयंतीमाला के साथ, देवदास (1955)।

भावनाओं को महसूस करते थे। वह अभिनेताओं के लिए मैनुअल की तरह थे। एक बार की बात है 1982 में, जब निर्देशक के रूप में राज 1982 में आई फिल्म *प्रेम रोग* में ऋषि कपूर के अभिनय से संतुष्ट नहीं हो रहे थे, तो उन्होंने अपने बेटे से कहा: ये सोचो कि अगर यूसुफ इस जगह होते तो कैसे अभिनय करते, और ऋषि ने ओके शॉट दे दिया। 1982 में आई फिल्म *शक्ति* देखने के बाद - जिसमें पुलिस अधिकारी दिलीप अपने बेटे अमिताभ के खिलाफ खड़ा है जो एक गैंगस्टर के साथ काम करता है - राज ने दिलीप को फोन करके कहा, ''आप वास्तव में महान हैं।''

सत्यजीत रे ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ मेथड एक्टर कहा है। दिलीप अपने व्यक्तित्व को पर्दे के चरित्र में पूरी तरह से डुबो दिया करते थे, दुखद भूमिकाओं में उनका आक्रोश और पीड़ा और इतनी प्रचंड और भावुक थी कि लोग भूल गए कि वह अभिनय कर रहे थे। अनुपम खेर ने उन्हें सम्पूर्ण अभिनेता कहा है।

कोहिनूर फिल्म की शूटिंग शुरू होने के छह महीने पहले उन्होंने सितार सीखना शुरू कर दिया था, क्योंकि उन्हें *मधुबन में राधिका नाचे रे* (मोहम्मद रफी द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाले) गीत में सितार बजाना था। *दीदार* में अंधे गायक की भूमिका की तैयारी के लिए, दिलीप ने दादर स्टेशन के पास एक अंधे भिखारी के साथ कई दिन बिताए थे। अपनी होम प्रोडक्शन *गंगा जमना* के लिए, दिलीप ने लोगों के भाषण और हावभाव, बोलचाल और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए कई महीनों तक पूरे उत्तर प्रदेश की यात्रा की थी। उन्होंने भोजपुरी भाषा में महारत हासिल की और वैजयंतीमाला, जो हिंदी ढंग से बोलना नहीं जानती थी उन्हें भी प्रशिक्षित किया। एक डकैत की फिल्म होने से सेंसर द्वारा पास नहीं करने पर दिलीप ने खुद प्रधान मंत्री पंडित नेहरू से संपर्क किया था।

वैजयंतीमाला का कहना है कि वो दिलीप की विनम्रता और आदर्शवादिता से अत्यंत प्रभावित थीं और उनसे प्रेरित थीं, वो एक एक लाइन की रिहर्सल में काफी वक़्त लगाते थे। इसी प्रकार उन्होंने अभिनेताओं की तीन पीढ़ियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता में एक दिलीप कुमार होता है।'' अमिताभ बच्चन, मनोज कुमार, राजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र,

दिलीप अपने व्यक्तित्व को पर्दे के चरित्र में पूरी तरह से डुबो दिया करते थे, दुखद भूमिकाओं में उनका आक्रोश और पीड़ा और इतनी प्रचंड और भावुक थी कि लोग भूल गए कि वह अभिनय कर रहे थे।

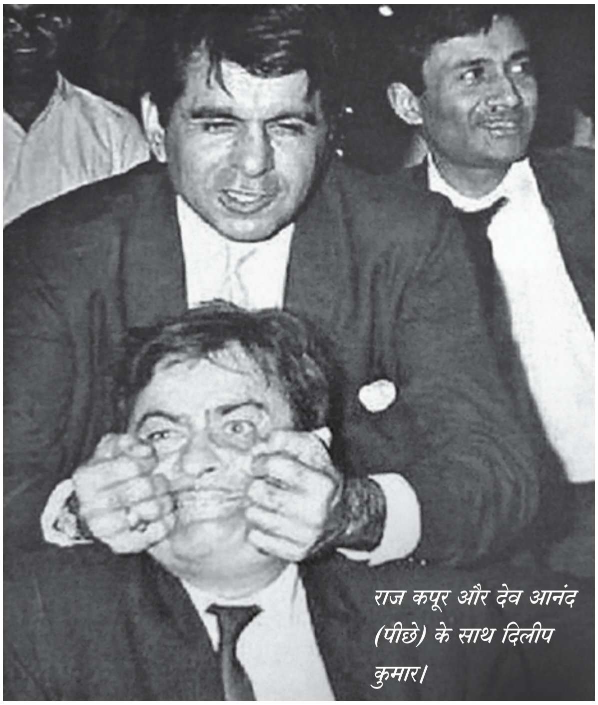

राज कपूर और देव आनंद (पीछे) के साथ दिलीप कुमार।

शशि कपूर, शाहरुख खान, आमिर खान और इरफान खान - ये सभी दिलीप के प्रशंसक हैं और भावुकता से कहते हैं हम पर उनका क़र्ज़ हैं। जावेद अख्तर का कहना है कि इस तकनीक के अग्रणी अभिनेता मार्लन ब्रैंडो माने जाते हैं जबकि दिलीप ने मेथड अभिनय की कला में उनसे कहीं पहले महारत हासिल कर ली थी।

अंदाज़, दीदार, बाबुल और *यहुदी* के त्रासदी अभिनेता ने जब फिल्म आन में तलवार चलाई तो ये देख कर शुरू में दर्शक दंग रह गए। *आन* में जब उन्होंने तलवारों और घोड़ों के साथ बहादुरी और जोश दिखाया और जिस सहजता के साथ उसने सशस्त्र पहरेदारों को परास्त कर एक घमंडी राजकुमारी को सीधा कर दिया ये देख कर दर्शकों ने दांतों तले ऊँगली दबा ली।

दिलीप अपने परिवार के सम्बन्ध में

दिलीप ने कहा कि उनका परिवार उनके जीवन की धुरी है। अपने छह भाइयों और पांच बहनों और उनके बच्चों के लिए वो जो कुछ भी कर कर सकते थे,वो सब कुछ किया। अगर प्रसिद्धि और भाग्य में वे उनसे आगे निकल जाते तो वो ज़रूर खुश होते। उनके 67- फिल्मी करियर को देविका रानी की वजह से संभव हुआ था। उनके अलावा, 1980 के बाद अपनी दूसरी पारी के लिए उन्होंने इनका आभार प्रकट किया - *क्रांति* (1981) के लिए मनोज कुमार, *शक्ति* के लिए रमेश सिप्पी (1982), सुभाष घई जिन्होंने विधाता (1982), *कर्मा* (1986) और *सौदागर* (1991), सभी फ़िल्में हिट हुई थीं, इस धारणा को झुठ्लाते हुए कि 1970 के दशक के बाद दिलीप की लोकप्रियता में कमी आ गई थी।

दिलीप ने कहा कि जब बचपन में वह एक खिलाड़ी बनना चाहते थे, उन्हें विशेष रूप से फुटबॉल और क्रिकेट का शौक था। ''फुटबॉल ने अभिनेता बनने की तैयारी में मेरी बहुत मदद की, इसने मुझे एक मजबूत और लचीला शरीर दिया।'' उन्होंने याद किया कि 1952 में *फ़ुटपाथ* की शूटिंग के दौरान, वह एक गहन दृश्य के लिए सही मूड में नहीं थे। वह ब्रेबोर्न स्टेडियम गए, क्रिकेट खेला, दो चार चौके लगाए और बेहतर महसूस किया! और निर्देशक से कहा अब वह शॉट के लिए तैयार हैं।'

मनोज कुमार ने बताया कि जब भी कोई क्रिकेट टेस्ट मैच होता है तो दिलीप कमेंट्री सुनने के लिए स्टूडियो में एक बड़ा ट्रांजिस्टर हमेशा साथ लाते थे। (उनके दोस्त विजय मर्चेंट उनके पसंदीदा कमेंटेटर थे)। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि भारत विश्व कप जीतेगा और 1983 में और फिर 2011 में जीतने पर उन्हें बेहद खुशी हुई थी ।

दिलीप और राज कपूर ने चैरिटी मैचों में अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ बॉलीवुड की क्रिकेट टीमों का नेतृत्व किया है । राज शेखी बघारते थे कि उनकी टीम ने 1962 के चैरिटी क्रिकेट मैच में दिलीप को हराया था।

पुरानी यादें

''उनका जनता पर प्रभाव अविश्वसनीय था'', बनी रूबेन, एक पत्रकारने कहा, शायद दिलीप की जीवनी की पहली लेखक। 1970 में एक चैरिटी कार्यक्रम के लिए दिलीप के साथ तंजानिया गई थीं थी और एक अभिनेता के लिए आये सैलाब को देख कर दंग रह गई। ऐसा लग रहा था मानो तंजानिया की पूरी आबादी दार-एस-सलाम हवाई अड्डे पर उमड़ पड़ी हो। एयरपोर्ट से आने-जाने वाले सभी रास्ते खचाखच भरे थे। 1957 में नया दौर के कलकत्ता प्रीमियर में, दिलीप कुमार को ग्रैंड होटल से थिएटर तक नज़दीक ही जाना था। प्रशंसकों की भीड़ ने उनकी लिमोसिन गाड़ी कंधे पर उठाई और थिएटर तक ले गए!

सायरा बानो का कहना है कि असल ज़िंदगी में दिलीप एक सदाबहार मज़ाकिया इंसान थे। वह हेलेन की नकल कर सकते थे, बल्कि सभी

दिलीप कुमार को ग्रैंड होटल से थिएटर तक नज़दीक ही जाना था। प्रशंसकों की भीड़ ने उनकी लिमोसिन गाड़ी कंधे पर उठाई और थिएटर तक ले गए!

लोगों की, *मोनिका ओ माय डार्लिंग* करते समय अपनी पलकें झपकाते हुए और नृत्य करते समय अपना एक पैर तौलिया से बाहर निकाल लेते थे! *झनक झनक पायल बाजे* के बाद वो गोपी कृष्ण के नृत्य की नकल कर सकते थे और एक बार तो गोपी कृष्ण की उपस्थिति में ही उन्होंने ऐसा किया भी था। वह सायरा की नकल उतार कर रिश्तेदारों का मनोरंजन करते थे।

पंजाबी पठान होने के कारण दिलीप को उम्दा और लज़ीज़ खाने के शौक़ीन थे। 1995 में, *स्क्रीन* फ़िल्मी पत्रिका अपने स्वयं के पुरस्कार शुरू करना चाहती थी और पुरस्कार के लिए बनाई गई जूरी का नेतृत्व करने के लिए उन्होंने दिलीप को आमंत्रित किया। उन्होंने हां भर दी - इस शर्त पर कि इंटरवल में दिया जाने वाला नाश्ते का मेन्यू उनकी पसंद का होगा! *स्क्रीन* को क्या आपत्ति हो सकती थी। नाश्ता दिलीप-सायरा की रसोई से आया, और उन्होंने राहत की सांस ली!

निर्देशक बिमल रॉय के साथ।

कई फिल्मी हस्तियों ने दिलीप द्वारा आत्मीयता से की गई देखभाल और दूसरों की फ़िक्र करने का जिक्र बड़े चाव से किया है। ऋषिकेश मुखर्जी ने कहा कि एक बार जब वो नर्वस ब्रेकडाउन की कगार पर थे तो दिलीप उन्हें स्टूडियो से दूर खंडाला ले गए और वहां तीन दिन रखा। कोई काम नहीं, सिर्फ क्रिकेट, गपशप और मस्ती। जब वे बॉम्बे लौटे, तो हृषिकेश एक बदले हुए व्यक्ति थे, तनाव मुक्त, निश्चिन्त और आत्मविश्वासी।

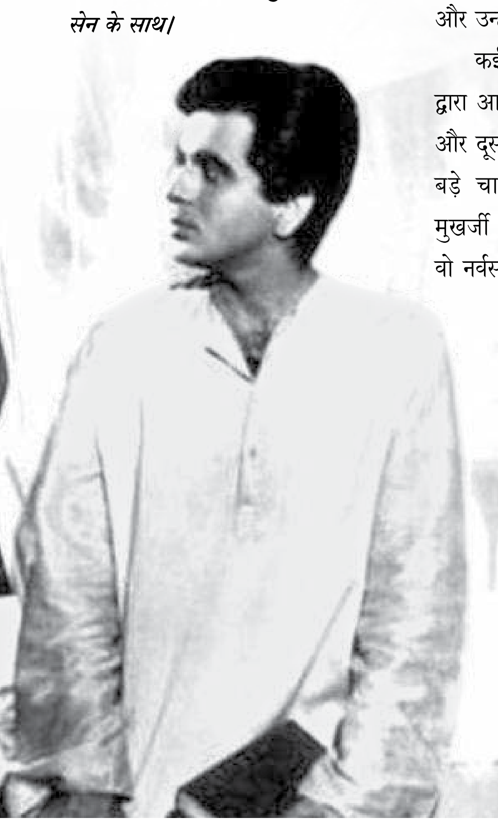

देवदास में अपनी 'पारो' सुचित्रा सेन के साथ।

ऋषि ने (अपनी आत्मकथा में) कहा है कि 1988 में जब राज कपूर दिल्ली में गंभीर रूप से बीमार पड़े थे तो दिलीप को सदमा पहुंचा था। वह पाकिस्तान से बंबई आ रही फ्लाइट से उतरे ही थे, वहीं से उन्होंने दिल्ली के लिए उड़ान भरी और सीधे अपोलो अस्पताल गए। वो निष्क्रिय पड़े राज से बात कर बिलख पड़े और बेकाबू होकर रोने लगे।

दिलीप के करीबी दोस्त सुनील दत्त ने बताया है कि जब दिलीप बॉम्बे के शेरिफ थे, तो चन्दा इकट्ठा करने के लिए हर साल विशेष ट्रेन की सवारी किया करते थे , वह ट्रेन के एक कोने से दूसरे कोने तक जाते और यात्रियों से बातचीत करते थे। शेरिफ के रूप में, उन्होंने कई उचित कार्यों को फण्ड देने में मदद की - स्कूल, अस्पताल उपकरण, उद्यान और पार्क, एक जॉगर्स पार्क और बांद्रा में बैंडस्टैंड। सैनिकों से मिलने के लिए उन्होंने भारतीय सीमा का दौरा किया और उनका मनोरंजन किया, उन्होंने सशस्त्र बलों की विशेष रैलियों में भाग लिया।

वे उर्दू और अंग्रेजी के उत्कृष्ट वक्ता थे। (बेशक, उन्हें कि दिलीप होने के नाते, यह बहुत बड़ा फायदा था, हमेशा लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते थे! लता मंगेशकर, मार्च 1974 में रॉयल अल्बर्ट हॉल, लंदन में एक संगीत कार्यक्रम से ठीक पहले दिलीप द्वारा उन्हें दी गई आदरांजली से अवाक रह गईं। उन्होंने उनके संगीत की तुलना किससे की? एक फूल की खुशबू, एक नदिया का पानी, एक पहाड़ों पर बहती बयार, सूरज की किरणें, एक बच्चे की मुस्कान!

अंतिम बार बीमार पड़ने से पहले लता ने उनसे मुलाकात की थी, जब उन्होंने दिलीप को इस भाषण की याद दिलाई, वह कहती है कि वह मुस्कुरा उठे थे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

गवर्नरों ने कार्यभार संभाला, चुनौती के लिए तैयार

वी मुत्तुकुमारन

पंकज शाह - 3131

चलिए एक साथ मिलकर आगे बढ़े और अपने तन, मन और आत्मा से काम करें ताकि मानवता फले-फूले।'' रो ई मंडल 3131 के DG पंकज शाह की नियुक्ति पर अध्यक्ष मेहता ने कहा।

उन्होंने शाह और क्लब अध्यक्षों से बड़े सपने देखने, महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और वर्तमान वर्ष को अपने जीवन का एक उत्कृष्ट वर्ष बनाने हेतु भव्य परियोजनाओं को निष्पादित करने का आग्रह किया। ''सदस्यता और सेवा परियोजनाओं दोनों ही मामलों में, हमारे ज़ोन रो ई के कोहिनूर है और यदि क्लब हर एक लाए एक को अपनाते है और उसपर काम करते है, तो इस रोटरी वर्ष में हम कम से कम 50,000 नए सदस्य शामिल करेंगे'', उन्होंने आगे कहा। रोटरी संस्थान की वार्षिक आय लगभग 10 मिलियन डॉलर है, ''और इसे केवल तभी दोगुना किया जा सकता है जब प्रत्येक सदस्य एक और सदस्य ले आए।''

यह निश्चित रूप से सबसे अच्छा समय नहीं था, ''लेकिन IPDG रश्मि कुलकर्णी ने ₹50 करोड़ की सेवा परियोजनाओं को निष्पादित करके इसका अधिकतम लाभ उठाया।'' मेहता ने जोनों के बीच सर्वाधिक संख्या में आभासी युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उनकी सराहना की। अपने संबोधन में रो ई मंडल डॉ महेश कोटबागी ने कहा जब वह क्लब अध्यक्ष बने तब उनकी उम्र 30 वर्ष से भी कम थी। रो ई के नवीनतम मंत्र DEI (विविधता, समानता, समावेश) को अपनाते हुए उन्होंने कहा कि वह किसी भी प्रकार के आरक्षण के खिलाफ है।

यह बताते हुए कि यह उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था, DG पंकज शाह ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम चुनने और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए दो साल तक सावधानीपूर्वक योजना बनाई थी - 1,000 से अधिक सदस्य, जिनमें से 768 पहले ही शामिल हो चुके है, छह नए क्लब; छह सॅटॅलाइट क्लब; और एक रोटरी भूतपूर्व छात्र निदेशालय, जिसमें से 100 को रोटरी में शामिल किया जाएगा। TRF में देने हेतु उनका लक्ष्य 2 मिलियन डॉलर (पिछले साल 1.75 मिलियन डॉलर) का है। ''हमें निश्चित रूप से कम से कम चार AKS सदस्य और 30 प्रमुख दानकर्ता मिलेंगे। हमारे आधे से ज्यादा क्लब साल के अंत तक 100 फीसदी संस्थान दानकर्ता क्लब बन जाएंगे'', शाह ने कहा।

इस साल लगभग 14 कॉर्पोरेट विभिन्न परियोजनाओं के लिए CSR फंड के रूप में ₹5 करोड़ से अधिक का योगदान देंगे। मंडल द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली कुछ उल्लेखनीय परियोजनाओं में ई-विद्या परियोजना (कक्षा 6-10); RILM के तहत NCERT स्कूल की किताबों का मराठी में अनुवाद; एक दिव्यांग रोटरेक्ट क्लब; बहु-मंडलीय RYLA; कम से कम 80 आभासी RYE कार्यक्रम; दोबारा इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड का वितरण; कार्बन फुटप्रिंट ऐप का उपयोग; और रो ई मंडल कार्यालयों एवं अभिलेखों का उच्च स्तरीय डिजिटलीकरण शामिल है।

चिकित्सीय जागरूकता पैदा करने, स्कूली किटों के वितरण और शांति एवं संघर्ष समाधान पर एक पहल करने में मंडल गिनीज रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा। पुणे में एक रोटरी सामुदायिक केंद्र का निर्माण करने के लिए संपत्तियों की तलाश की जा रही है। और सेना की मदद से हम एक विशेष पहल के तहत सियाचिन में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने जा रहे है, शाह ने कहा।

IPDG रश्मि कुलकर्णी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान सख्त प्रतिबंधों की वजह से उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कभी भी भौतिक बैठक आयोजित नहीं की। PETS से लेकर मंडल सम्मेलन, क्लब दौरे, सेमिनार और बड़े कार्यक्रमों तक, सब कुछ आभासी

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि ने RID 3131 के डीजी पंकज शाह को आरआईडी डॉ महेश कोटबागी (बाएं) और अमिता, पीडीजी विनय कुलकर्णी (दाएं से दूसरे), आईपीडीजी रश्मि कुलकर्णी, डीजीई अनिल परमार और उनकी पत्नी हेमा, पीडीजी डॉ शैलेश पालेकर और दीपक शिखारपुर की उपस्थिति में ISO प्रमाण पत्र सौंपा।

RID 2981 के डीजी एस बालाजी और उनकी पत्नी जयश्री ने एआरएफसी आर वासु, आईपीडीजी आर बालाजी बाबू और पीडीजी पी एस रमेश बाबू की उपस्थिति में टीआरएफ में ₹1 करोड़ का योगदान दिया।

रूप से ही किए गए थे। इसके बावजूद 5,000 हेक्टेयर भूमि अब वाटरशेड प्रबंधन के अंतर्गत लाई गई है; और उनके वर्ष के दौरान 10,000 मोतियाबिंद की सर्जरियाँ की गई।

साक्षरता के तहत, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजिटल गुरु मंत्र, साइबर सुरक्षा और ई-RYLA 30,000 लाभार्थियों तक पहुंचे थे। 70 बिस्तरों वाला कोविड केंद्र स्थापित किया गया; तीसरी लहर से निपटने के लिए, पुणे में एक बाल चिकित्सा कोविड केंद्र स्थापित किया गया। पिछले साल 4 मिलियन डॉलर की 50 से अधिक वैश्विक अनुदान परियोजनाओं को पूरा किया गया था। 35,000 लाभार्थियों के लिए 350 ई-RYLA का संचालन और 10 व्यक्तियों एवं 15 समूहों के साथ रो ई मंडल 3131 द्वारा ई-NGSE का आयोजन मुख्य आकर्षण था। इसकी प्रशासनिक प्रक्रिया पर एक लेखापरीक्षा के बाद, रो ई मंडल 3131 को एक ISO प्रमाणीकरण (ISO 9001:2015) दिया गया था जिसका अनावरण मेहता द्वारा किया गया था।

DRR पार्थ जावकर और कार्यक्रम के आयोजक रोटरी क्लब पुणे सरसबाग के अध्यक्ष राजेंद्र सातलकर ने मेहता से स्थापना कॉलर प्राप्त किए।

एस बालाजी - 2981

अपने जीवन की एक बैलेंस शीट बनाएं जिसमें बाईं और प्यार, देखभाल, शिक्षा और पालन-पोषण को सूचीबद्ध करें और दाईं ओर उन चीजों को सूचीबद्ध करें जो आपने बदले में दी हो। दोनों सूचियों का मिलान होना चाहिए, लेकिन एक चार्टर्ड एकाउंटेंट होने के नाते, मुझे लगता है कि मेरे जीवन में यह मेल नहीं खा रहा है और दाई तरफ और चीजें जोड़ने की आवश्यकता है, जिसका अर्थ यह है कि मुझे और अधिक करना है। मुझे यकीन है, रोटेरियनों को भी इसी तरह की बैलेंस शीट दिखेगी क्योंकि रोटरी अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को भरने का प्रयास करती है'', रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा।

DG एस बालाजी, रो ई मंडल 2981, के कार्यभार संभालने पर रोटरी क्लब कुंभकोणम द्वारा आयोजित किए गए एक मिश्रित कार्यक्रम के दौरान जूम मंच पर बोलते हुए, उन्होंने मंडल क्लबों को 'और अधिक करने हेतु विकसित होने' के लिए प्रोत्साहित किया।

RID 3232 डीजी जे श्रीधर और पत्नी पुनीता, आईपीडीजी एस मुत्तुपलनियप्पन और उनकी पत्नी कमला के साथ।

उन्होंने जीवनसाथियों से रोटेरियनों के साथ हाथ मिलाने का आह्वान किया ताकि मानवता का 50 प्रतिशत हिस्सा रखने वाली उन लड़कियों को बेहतर शिक्षा और छात्रवृत्ति प्रदान करके कुशल बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे समान अधिकारों और विशेषाधिकारों का आनंद लें।

बालाजी ने एक AKS सदस्य बनने के लिए अपनी तीन किश्तों में से पहली किश्त के रूप में TRF को ₹1 करोड़ का योगदान दिया। पुडुचेरी के एक 93 वर्षीय गैर-रोटेरियन डॉ एन सीतारमन ने अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएं स्थापित करने के लिए फाउंडेशन को ₹50 लाख का दान दिया, जबकि रासु थेवर, एक एकाकी ने रोटरी क्लब कुंभकोणम को उनके निधन के बाद ₹1 करोड़ का घर प्रदान करने हेतु वसीयत की ताकि स्कूलों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा सके। 22 में से दस AGयों ने प्रमुख दानकर्ता बनने का फैसला किया है।

अपने संबोधन में बालाजी ने कहा कि प्रत्येक क्लब एक पिछड़े हुए गांव को गोद लेगा और कम से कम 128 बस्तियों में ग्रामीण परिवारों की आजीविका में सुधार करेगा। वह 1,234 की शुद्ध सदस्यता वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहे है और 20 नए क्लबों (12 क्लबों के प्रारंभिक लक्ष्य से बढ़कर) को अधिकृत करेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरी योजना आठ विजन सेंटर खोलने की है जिसमें 500,000 लोगों की परिहार्य नेत्रहीनता हेतु जांच की जाएगी और ₹1.5 करोड़

RID 3170 के डीजी गौरीश धोंड के स्थापना समारोह में RID महेश कोटबागी (बाएं से दूसरे स्थान पर)। प्रतिमा धोंड (दाएं) और आईपीडीजी संग्राम पाटिल भी चित्र में शामिल हैं।

की एक मैमोग्राफी वैन वृद्ध महिलाओं में स्तन कैंसर का पता लगाएगी।

DG बालाजी पत्नी जयश्री, बेटी रोटेरियन दीपिका और बेटे इंटरेक्टर रोहित कृष्णा को मंडल पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

गौरीश धोंड - 3170

रो ई निदेशक डॉ महेश कोटबागी द्वारा एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता गौरीश धोंड को पणजी में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में रो ई मंडल 3170 के गवर्नर के रूप में स्थापित किया गया। कोटबागी ने कहा कि उन्होंने दशकों से धोंड द्वारा समाज को दी गई सेवा को करीब से देखा है और साथ ही गवर्नर के रूप में IPDG संग्राम पाटिल द्वारा पिछले साल किए गए अद्भुत काम की भी उन्होंने सराहना की। धोंड ने कुछ प्रमुख परियोजनाओं पर प्रकाश डाला जिसे वह सात ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के तहत करेंगे।

PDG गुरुदत्त भक्त, जोर्सन फर्नांडीस, विनयकुमार पाई रायकर, रवि देशपांडे और केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री श्रीपद नायक स्थापना समारोह में उपस्थित थे।

जे श्रीधर - 3232

एक रंग-बिरंगे और औपचारिक स्थापना समारोह में DG जे श्रीधर ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि नगर निगम के साथ साझेदारी में विभिन्न पहलों के माध्यम से चेन्नई को एक गौरवान्वित शहर बनाना, सेवा के माध्यम से महामारी के समय में समुदायों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना और संवहनीय परियोजनाओं को अपनाना रो ई मंडल 3232 में क्लबों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने वर्तमान वर्ष की थीम के साथ प्रतिध्वनित किस्सों से सुसज्जित अपनी अनूठी शैली में सभा को संबोधित किया।

इससे पहले, IPDG एस मुत्तुपलनियप्पन ने शुरुआती टिप्पणी में अपने कार्यकाल के दौरान शुरू की गई कुछ प्रमुख परियोजनाओं जैसे कि प्रोजेक्ट ऑरेंज और समस्त मंडल की कोविड-राहत गतिविधियों को याद किया। इस अवसर पर मंडल प्रशिक्षक PDG जे बी कामदार और मंडल परामर्शदाता PDG Sv Rm रामनादन ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में DGE डॉ नंदकुमार और DGN रवि रमन अपनी पत्नियों के साथ शामिल हुए। मंडल सचिव आर रविशंकर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब सुनाम ने नए रोटरेक्ट क्लब का उद्घाटन किया

टीम रोटरी न्यूज़

मवेशियों के लिए चारा दान करने के बाद गौशाला में क्लब के सदस्य।

नए रोटरी वर्ष की शुभ शुरुआत के रूप में रो ई मंडल 3090 के अंतर्गत, रोटरी क्लब सुनाम ने एक गौशाला को चारा और गुड़ का दान किया। क्लब ने युवाओं के लिए एक नया रोटरेक्ट क्लब भी तैयार किया है। रोटरी क्लब सुनाम के अध्यक्ष जगजीत सिंह जौरा कहते हैं, ''हमारा उद्देश्य युवा लोगों में नेतृत्व और पेशेवर हुनर विकसित करना है, और उन्हें सेवा के माध्यम से मस्ती करने के साथ-साथ स्थायी संबंध बनाने में भी मदद करना है।'' अच्छा करने और रोटरी परिवार का विस्तार करने के लिए वह युवा पेशेवरों, समुदाय के नेताओं, व्यापारियों और छात्रों को क्लब के साथ जोड़ने की उम्मीद करते हैं।

क्लब के सदस्य नवीन गर्ग, जिन्होंने नए क्लब 'RAC सुनाम शाइन' के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, कहते हैं, पहले से कहीं अधिक, समुदाय में अब युवा पेशेवरों की एक बड़ी आवश्यकता है, जो समाज को वापस देते हुए एक दूसरे के साथ मजबूत संबंध बना सकें।

क्लब के सदस्यों ने 21 डॉक्टरों और सात ऑडिटरों को सम्मानित कर 'डॉक्टर दिवस' और 'चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस' मनाया। ■

मुंबई में कोरोना वॉरियर्स के लिए एक रोटरी मेमोरियल

टीम रोटरी न्यूज़

महामारी के दौरान अथक परिश्रम करने वालों को वाज़िब श्रद्धांजलि देने के लिए, रो ई मंडल 3141 के अंतर्गत, रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम में एक ईंधन आउटलेट में कोरोना योद्धाओं के लिए एक स्मारक मूर्तिकला स्थापित किया है। एक पेडस्टल पर लगाई गई मूर्तिकला काले ग्रेनाइट से बनी है और इसमें छह फ्रंटलाइन श्रमिकों, अर्थात् एक डॉक्टर, पुलिसकर्मी, नर्स, सफाई कर्मचारी, पत्रकार और एक इंजीनियर को दर्शाया गया है।

मूर्तिकला की कल्पना क्लब के अध्यक्ष नितिन मेहता ने की थी और इसकी नक्काशी प्रसिद्ध कलाकार रोटेरियन मिनाली ठक्कर ने की। परियोजना निदेशक राहुल पटेल ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। जबकि मूर्तिकला में ग्लोब पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करता है और इस पर मानव हथेलियों की भीड़ वायरस के खिलाफ लड़ाई में मनुष्यों के एकजुट योगदान को दर्शाती है। प्रत्येक कोरोना योद्धा के पीछे का पत्ता बताता है कि वे 'जीवन के सुरक्षित संरक्षक' हैं। कोरोना योद्धाओं के धड़ के निचले हिस्से में स्टेनलेस स्टील की प्लेटों पर कई 'थैंक यू' और 'सैल्यूट यू' उकेरे गए हैं। अक्षर वैश्विक और क्षेत्रीय भाषाओं में लिखे गए हैं।

रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट के आईपीपी नितिन मेहता ने पुलिस कर्मियों को उनके कोविड राहत कार्य के लिए किया सम्मानित आईपीडीजी सुनील मेहरा भी चित्र में शामिल है।

आईपीडीजी सुनील मेहरा (बाएं से पांचवे), आईपीपी नितिन मेहता बांद्रा पश्चिम विधायक आशीष शेलार के साथ क्लब के सदस्य बांद्रा में कोविड योद्धाओं के स्मारक के सामने।

सहूलियत के स्थानों से छह चमकीले रंगों वाले एलईडी कोरोना योद्धाओं पर प्रकाश डालते हैं। ग्लास फाइबर-प्रबलित सीमेंट (जीआरसी) और स्टेनलेस स्टील का उपयोग मूर्तिकला को एक उज्ज्वल रूप देने के लिए किया गया था और इसका वजन 1,500 किलोग्राम है। इस प्रोजेक्ट की जिस दिन से कल्पना की गई थी, उस दिन से इसे पूरा होने में 14 महीने लग गए और क्लब ने ₹22 लाख खर्च किए, जो सदस्य योगदान के माध्यम से जुटाए गए।

बांद्रा पश्चिम के विधायक आशीष शेलार ने डीजी सुनील मेहरा, मेहता, क्लब सचिव अपूर्वा पटेल और अन्य रोटेरियन की मौजूदगी में स्मारक का अनावरण किया। इस अवसर पर क्लब द्वारा कुछ कोरोना योद्धाओं को सम्मानित भी किया गया। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटेरियन दूसरी लहर के दौरान कोविड राहत जारी रखते है

वी मुत्तुकुमारन

कोविड संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान सभी चार ज़ोनों के रोटेरियनों ने विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित अस्पतालों, घर में अलग-थलग रह रहे मरीजों और वंचित परिवारों तक पहुंचने के लिए युद्ध स्तर पर कोविड-राहत पहुँचाने का काम किया।

रोटरी क्लब भावनगर, रो ई मंडल 3060

रोटरी क्लब भावनगर, रो ई मंडल 3060 की 10 सदस्यीय परियोजना टीम ने ₹25 लाख की लागत से 25 मरीजों के लिए एक कोविड देखभाल केंद्र स्थापित किया। ''हमने दवाओं और लैब शुल्क के अलावा मरीजों से अन्य कोई भी शुल्क नहीं लिया। डॉक्टर परामर्श, ऑक्सीजन और भोजन सभी को नि:शुल्क दिया गया'', क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन मनीष कोठारी ने कहा।

''अमेरिका, ब्रिटेन और स्पेन सहित भारत और विदेशों के रोटेरियनों एवं परोपकारी व्यक्तियों से मिले उदार दान की मदद से, क्लब ऐसा कर सका'', उन्होंने कहा। 28 मई को कोविड के मामलों में भारी गिरावट के कारण जब केंद्र बंद किया गया, तब तक ''हम 130 रोगियों का इलाज कर चुके थे और ₹25 लाख का ऊपरी खर्च दिलदार व्यक्तियों के उदार योगदानों के माध्यम से पूरा किया गया।'' ज्ञानमंजरी ग्रुप ऑफ कॉलेज, भावनगर, द्वारा 20,000 वर्ग फुट का हॉल नि:शुल्क रूप से दिया गया था।

''चार डॉक्टरों और छह नर्सों की एक पैनल ने मरीजों की देखभाल की। डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासकों, सफाईकर्मियों और सुरक्षा कर्मियों को वेतन देने के लिए क्लब ने ₹5 लाख का मासिक खर्च वहन किया'', कोठारी ने कहा। रोगियों के मनोबल और मानसिक शक्ति को बढ़ाने के लिए योग कक्षाओं और अन्य मनोरंजक गतिविधियों की व्यवस्था की गई। अगर किसी मरीज की हालत गंभीर हो जाती तो उसे तुरंत वेंटिलेटर और बाईपैप सपोर्ट के लिए नजदीकी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता था।

रोटरी क्लब पांडिचेरी पोर्ट द्वारा कोविड राहत गतिविधि।

बीबीएमपी कमिश्नर गौरव गुप्ता रोटरी बंगलौर वेस्ट की 100 ऑक्सीजन सांद्रक परियोजना लॉन्च कर रहे हैं।

रोटरी क्लब मैसूर, रो ई मंडल 3181

क्लब द्वारा 18 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर वाले एक रोटरी ऑक्सीबैंक और क्लब द्वारा तैयार की गई दो ऑक्सीजन से सुसज्जित एम्बुलेंस का उद्घाटन मैसूर शहर निगम आयुक्त शिल्पा नाग द्वारा किया गया। एक गैर सरकारी संगठन माई सेवा ट्रस्ट ने एम्बुलेंस और 15 ऑक्सी कॉन्सेंट्रेटर उपहार में दिए; बे एरिया, कैलिफोर्निया, अमेरिका, से वासावी सेवा फाउंडेशन, रोटेरियन शिवप्रसाद और रोटेरियन जैकब जेम्स ने बाकी कॉन्सेंट्रेटर दान किए।

दानकर्ता हरि और चेतन विश्वनाथ एवं नागरिक मंच के मार्गदर्शन में क्लब परिसर में दूरसंचार लाइनों और संचार उपकरणों के साथ एक कोविड टेलीकेयर सेंटर स्थापित किया गया। कोविड देखभाल टीम कोविड के लक्षण वाले लोगों को टेली-परामर्श की पेशकश कर रही है और उन्हें क्या करें एवं क्या न करें के बारे में मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। इस केंद्र को रोजाना सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक डॉक्टरों और स्वयंसेवकों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाता है। टेलीमेडिसिन डॉक्टर मरीजों को स्व-देखभाल और दवा की सलाह देते है। ''डॉक्टरों से आयरलैंड की एक टीम जुड़ी जिसने लंबे समय तक मरीजों के साथ काम करने में मदद की। समर्पित टीम ने 2,500 से अधिक कॉल (जून के पहले सप्ताह तक) उठाए'', DG एम रंगनाथ भट ने कहा।

निगम के सहयोग से होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को अच्छी तरह से डिजाइन की गई दवा की किटें और किराना पैक वितरित किए गए। अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर क्लब, नंजराज बहादुर चूल्ट्री में अस्थायी घरों में रहने वाले प्रवासी परिवारों और सड़क पर रहने वाले लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध करा रहा है। रोटेरियन मैसूरु में निगम द्वारा स्थापित *कोविड मित्रों* के साथ समन्वय कर रहे है। ये शुरुआती हस्तक्षेप केंद्र है जो हल्के लक्षणों वाले लोगों को प्राथमिक सेवाएं और परामर्श प्रदान करते है। रोटेरियन महेंद्र सिंह को NR कोविड मित्र में उनकी सेवा के लिए निगम आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया, जबकि रोटेरियन विनय वेंकटेश तुलसीदास अस्पताल कोविड मित्र में सेवारत है। ''हम मैसूरु में सुविधाजनक स्थानों पर मास्क वेंडिंग मशीन स्थापित करेंगे'', भट ने कहा।

दो भाषाओं (कन्नड़ और अंग्रेजी) में बनाया गया एक जागरूकता वीडियो 40,000 बच्चों और उनके माता-पिता के बीच प्रसारित किया गया ताकि उन्हें महामारी की संभावित तीसरी लहर के बारे में चेतावनी दी जा सकें और बेहतर तैयारी के माध्यम से घबराहट भरी प्रतिक्रिया को कम किया जा सके।

रोटरी क्लब चंद्रपुर, रो ई मंडल 3030

एक महीने तक प्रतिदिन लगभग 100 भोजन के पैकेट लॉकडाउन के दौरान संघर्ष कर रहे लोगों को वितरित किए गए, जिनमें सिविल अस्पताल में मरीजों के रिश्तेदार, सड़क किनारे रहने वाले लोग और वंचित परिवार शामिल थे। क्लब के सदस्यों ने इस परियोजना के लिए उदारतापूर्वक दान दिया।

रोटरी क्लब नागरकोइल साउथ द्वारा श्रीलंकाई शरणार्थियों को किराने का सामान वितरित किया गया।

रोटरी क्लब मांडवी, रो ई मंडल 3054

पचास पल्स ऑक्सीमीटर, 500 एन-95 मास्क और 200 रेस्पिरेटरी वेपोराइज़रों को सभी आठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और तीन कोविड देखभाल केंद्रों, दो मांडवी में और एक गढ़शीशा गांव, में वितरित किए गए। कोविड-राहत कार्य का नेतृत्व करने वाले परियोजना अध्यक्ष दर्शन शाह ने मांडवी नगर पालिका के कोरोना योद्धाओं सहित एम्बुलेंस चालक, सेनिटाइज करने वाली टीम और अन्य को सम्मानित किया।

सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में तालुक स्वास्थ्य अधिकारी और चिकित्सा अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। राज्य परिवहन

रोटरी क्लब चंद्रपुर द्वारा भोजन के पैकेट का वितरण।

उपक्रम के बस चालक दल, ठेलों पर फेरी लगाने वालों और रिक्शा चालकों सहित अन्य लोगों को तीन परत वाले लगभग 1,000 मास्क दिए गए।

फोकिया ट्रस्ट, भुज, द्वारा घर में अलग-थलग रहने वाले रोगियों के लिए क्लब को दो ऑक्सीजन कान्सन्ट्रैटर दान किए गए और रोगियों में हृदय संबंधी जटिलताओं के इलाज के लिए लेजा सोशल सर्विस, मुंबई, से 50 इंजेक्शन (सेरानॉक्स-60) प्राप्त किए गए।

साथ ही क्लब को मातोश्री झवेरबेन चुनीलाल संघवी फैमिली ट्रस्ट से तीन सैनिटाइजर मशीनें प्राप्त हुई और उन्हें मांडवी कोर्ट, एस वी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज एवं सी जे मेहता टीकाकरण केंद्र को दिया गया। क्लब के अध्यक्ष प्रतीक शाह और उसके सचिव दर्शन सचड़े ने PDG डॉ हर्षद उदेशी के मार्गदर्शन में कोविड परियोजनाओं को क्रियान्वित किया।

रोटरी क्लब राउरकेला रॉयल द्वारा किराने के किट का वितरण।

रोटरी क्लब फ़िरोजपुर कैंटोनमेंट, रो ई मंडल 3090

DG विजय अरोड़ा, रो ई मंडल 3090, और मंडल सचिव अशोक बहल की उपस्थिति में क्लब अध्यक्ष कुलदीप सिंह और सचिव कमल शर्मा के नेतृत्व वाले रोटरी क्लब फिरोजपुर कैंटोनमेंट ने दो धर्मार्थ संस्थानों - श्री राम बाग वृद्धाश्रम और सेवा परमो धर्म ट्रस्ट - को दो ऑक्सीजन सिलेंडर दान किए। इससे पहले क्लब ने स्थानीय सिविल अस्पताल में कोविड रोगियों के इलाज के लिए एक पोर्टेबल वेंटिलेटर, दो इन्फ्रारेड थर्मामीटर, 50 PPE किटें और 1,500 मास्क दान किए थे।

रोटरी क्लब औरंगाबाद, रो ई मंडल 3132

अमेरिका स्थित व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन, एक IIT पूर्व छात्र समूह, के माध्यम से क्लब ने शिव योग फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 10 ऑक्सीजन कान्सन्ट्रैटर की खरीदी की। विनायक उपाध्याय ने कहा, ''ये मशीनें घर में अलग-थलग रह रहे कोविड रोगियों और महाराष्ट्र के गांवों, टियर-II और III शहरों सहित वंचित क्षेत्रों में प्रदान की जाएंगी।'' वाशिंगटन डीसी में एक पेटेंट वकील के रूप में कार्यरत होने एवं व्हील्स ग्लोबल का एक सक्रिय सदस्य होने के नाते उनके बेटे ने ऑक्सी कॉन्संट्रेटर्स की डिलीवरी की व्यवस्था की। क्लब अध्यक्ष विजय जायसवाल और सचिव समीर कांडखेड़कर ने इस परियोजना का समन्वयन किया।

RID 3232 द्वारा आदिवासियों के लिए किराना किट।

रोटरी क्लब बॉम्बे बेव्यू, रो ई मंडल 3141

क्लब ने जन सहयोग मंच के माध्यम से ₹44 लाख जुटाकर 5,000 नर्सों को वेलनेस किटें भेंट की। क्लब की अध्यक्ष स्मिता पारेख ने कहा, ''इससे उन्हें थकान से लड़ने और पोषण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी जो लंबे समय तक काम करने के कारण होने वाले तनाव को दूर करने के लिए बहुत जरूरी है। प्रत्येक किट में एक गर्म बोतल और मिश्रित सूखे मेवे होते है।''

रोटरी क्लब पॉन्डिचेरी पोर्ट, रो ई मंडल 2981

क्लब ने चार गांवों के PHC और महात्मा गांधी PG डेंटल साइंसेज कॉलेज के कोविड वार्ड को ₹14 लाख के उपकरण, दवाएं और उपभोग्य वस्तुएं दान की। अन्य छोटे संस्थानों को भी कोविड दवा और उपभोग्य वस्तुएं दान में दी गई।

उपकरण में ऑक्सी कन्सन्ट्रैटर, विद्युत सुई (सिरिंज) विध्वंसक, थर्मल तापमान गेज और ऑक्सीमीटर शामिल थे। दान किए गए उपभोग्य सामग्रियों में 2,000 एन 95 मास्क, तीन-

परत वाले 50,000 मास्क, फेस शील्ड, एप्रन और दस्ताने थे। क्लब ने पुलिस विभाग को भी कोविड सुरक्षात्मक गियर दान किए। क्लब के सदस्य समीर कामरा, श्रीकांत शिवरमन, सुरेश जालान, हुज़ेफ़ा लाल और अध्यक्ष नंदकुमार सहित चार अन्य लोगों ने कोविड उपकरण और दवाओं के वितरण के लिए उदारतापूर्वक योगदान दिया।

रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट, रो ई मंडल 3190

रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट, रो ई मंडल 3190, ने पूरे कर्नाटक में ₹83 लाख (116,000 डॉलर) की लागत से कोविड देखभाल केंद्रों को 100 आक्सिजन कन्सन्ट्रैटर दान किए। इस राशि को कोविड-राहत कार्य हेतु काम करने वाले एण्ड- स्थित प्रगति नामक एक NRI समुदाय; रोटरी क्लब ऑस्टिन, टेक्सास, रो ई मंडल 5870; रो ई मंडल 5870 कीवे डिजास्टर रिलीफ फंड, यूएस; रोटरी क्लब बंदर सनवे, रो ई मंडल 3300, मलेशिया; रोटरी क्लब मेरथीर टिडफिल, रो ई मंडल 1150, यूके और आउमा इंडिया, विद्युत उपकरणों के निर्माता द्वारा दिए गए योगदानों के माध्यम से इकट्ठा किया गया था।

100 में से सत्तर मशीनें बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (BBMP) द्वारा चलाए जाने वाले कोविड केंद्रों और प्रसूति अस्पतालों में जाएंगी। निगम आयुक्त गौरव गुटपा ने PDG एच राजेंद्र राय, क्लब के सदस्यों और मंडल पदाधिकारियों की उपस्थिति में BBMP परिसर में मशीनों का शुभारंभ किया।

भोजन वितरित करते रोटरी क्लब सहारनपुर क्लासिक के रोटेरियन।

रोटरी क्लब बैंगलोर जंक्शन, रो ई मंडल 3190

क्लब अग्रवाल समाज, बेंगलुरु, के साथ साझेदारी के माध्यम से BBMP द्वारा संचालित होस्करहल्ली में कोविड देखभाल केंद्र के लिए 100 जंबो ऑक्सीजन टैंक की आपूर्ति करेगा। क्लब के सदस्यों ने इस परियोजना के लिए ₹16.5 लाख का योगदान दिया।

इनर व्हील सदस्यों ने चिक्काबल्लापुर जिले में 'ऑक्सीजन ऑन व्हील्स' को हरी झंडी दिखाकर ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए ₹1.41 लाख की एक परियोजना को अंजाम दिया। अस्पतालों और होम क्वारंटाइन में रहने वाले जरूरतमंद मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति करने हेतु एक बस तैयार की गई है।

रोटरी क्लब सहारनपुर क्लासिक, रो ई मंडल 3080

क्लब के अध्यक्ष के. संजय मिधा ने कहा कि पूरे लॉकडाउन महीनों के दौरान क्लब ने प्रोजेक्ट रिलीविंग द हंगर के तहत एक लोकप्रिय NGO प्रभुजी की रसोई की मदद से लगभग 700 वंचित परिवारों को ताजा पका भोजन परोसा। क्लब के सदस्य NGO के सहयोग से अस्पतालों में प्रतीक्षा कर रहे कोरोना रोगियों के परिवार के सदस्यों को

रोटरी क्लब पोलाची ने वालपराई जीएच को गद्दे दान में दिए।

प्रतिदिन भोजन के 250 पैकेट भी नियमित रूप से वितरित कर रहे है।

रोटरी क्लब पोल्लाची - रो ई मंडल 3203

एक क्वारंटाइन कालोनी में रहने वाले 120 परिवारों को ₹2 लाख की लागत से किराना किटें व सब्जियां दी गई। रोटेरियन हरिराज ने एक स्कूल में चल रहे कोविड देखभाल केंद्र को ₹2.5 लाख की लागत से 100 गद्दे और तकिए दान किए।

क्लब ने पोल्ट्री एसोसिएशन के साथ संयुक्त रूप से पोलाची के झ- कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे कोविड केंद्र को ₹1 लाख की दवाएं और उपकरण दान किए।

वालपराई के सरकारी अस्पताल को कोविड रोगियों के इलाज के लिए एक ऑक्सी कन्सन्ट्रैटर और व्हीलचेयर, बेडशीट, ग्लूकोलैब मॉनिटर, ग्लूकोमीटर, फेस शील्ड, एन95 मास्क, दस्ताने, ऑक्सी सिलेंडर, ऑक्सीमीटर, स्ट्रेचर ट्रॉली, O_2 फ्लो मीटर और प्लास्टिक की कुर्सियों (मूल्य ₹40,000) सहित अन्य उपयोगी वस्तुएं दी गई।

रोटरी क्लब मैसूर द्वारा स्थापित रोटरी ऑक्सी बैंक।

रोटरी क्लब राउरकेला रॉयल,रो ई मंडल 3261

क्लब ने दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ हाथ मिलाया ताकि संकट की घड़ी में रेलवे स्टेशन के लाइसेंस प्राप्त कुम्हारों की मदद करने के लिए उन्हें 40 किलो किराने के पैकेट वितरित किए जा सके। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष विकास अग्रवाल और सचिव योगेश बांका मौजूद थे।

रो ई मंडल 3232

क्लबों द्वारा वंचित परिवारों और वंचित लोगों को किराना किटें दान की गई जिसमें प्रत्येक किट की कीमत ₹1,000 है। ₹3 करोड़ की यह खाद्य वितरण परियोजना पहले ही 32,000 किटें दे चुकी है। परियोजना अध्यक्ष महावीर बोथरा के मार्गदर्शन में मंडल के सभी 85 क्लब पूरे मंडल में कुल 35,000 किराना किटें वितरित करने की योजना बना रहे है। प्रत्येक किट में चार सदस्यीय परिवार के लिए चावल, दाल, गेहूं, मसाला पाउडर और खाना पकाने का तेल होता है। ऊऋ मुथुपालनिअप्पन के क्लब रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल आदित्य ने इरुलास और मछुआरे समुदाय को खाद्य पदार्थ वितरित किए। मलेशिया में उनके सिस्टर क्लब ने फेसबुक पर इस परियोजना को देखकर ₹16.5 लाख का योगदान दिया और वितरण के लिए अतिरिक्त 3,500 किटें खरीदी गई।

.

रोटरी क्लब नागरकोइल साउथ - रो ई मंडल 3212

कन्याकुमारी जिले के कोट्टाराम गांव में लगे एक शिविर में शरणार्थी के रूप में रहने वाले 192 श्रीलंकाई परिवारों को ₹53,700 की लागत से चावल और किराने के बैग वितरित किए गए। उनमें से ज्यादातर अनियत मजदूर, दिहाड़ी मजदूर है जो लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित है। ■

रोटरी क्लब मांडवी ने मस्का कोविड केयर सेंटर को दिए वेपोराइजर।

रोटरी क्लब बैंगलोर जंक्शन ने 100 स्कूलों का उद्धार किया

जयश्री

लॉकडाउन में ढील मिलने और स्कूलों के दोबारा खुलने के बाद बेंगलुरु के आसपास के 100 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अपने स्कूलों को देखकर खुशी से आश्चर्यचकित हो जाएंगे क्योंकि अब रोटरी क्लब बैंगलोर जंक्शन, रो ई मंडल 3190, के रोटेरियनों की मदद से वे और अधिक सुविधाजनक हो गए है। पिछले रोटरी वर्ष (2020-21) में क्लब ने आवश्यक डिजिटल सामग्री से युक्त ई-शिक्षण प्रणाली, परिपूर्ण पुस्तकालय, हाथों की धुलाई के स्टेशन, लिंग-आधारित शौचालय, खेल एवं विज्ञान किटें और कक्षाओं में अलमारी एवं छत के पंखों सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान की। परिसर में पौधे लगाए गए और इमारतों की नए सिरे से पुताई की गई।

IPP वेलू पेठी ने कहा, ''PDG राजेंद्र राय ने हमें इस परियोजना को लागू करने के लिए उत्साहित किया और शुरुआत से ही हमारा मार्गदर्शन किया, उन्होंने क्लब अध्यक्ष बनने के छह महीने पहले ही इस परियोजना की योजना बनाई थी। खराब स्थिति वाले स्कूलों की पहचान करने के लिए एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया गया। हमने 105 स्कूलों की पहचान की। लेकिन हमनें चार स्कूलों को छोड़ दिया जिनमें अहाते की दीवार नहीं थी क्योंकि उनका पड़ोस की संपत्ति से विवाद चल रहा था और हम कानूनी पचड़ों में नहीं पड़ना चाहते थे। एक मस्जिद के अंदर था और वहाँ के प्राधिकारी हमारी मदद लेने के लिए उत्सुक नहीं थे'', उन्होंने कहा।

156 क्लब सदस्यों, और जन सहयोग एवं मंडल अनुदानों के माध्यम से हैप्पी स्कूल परियोजना के लिए योगदान प्राप्त हुआ। पेठी ने कुल परियोजना लागत का 10 प्रतिशत योगदान दिया। मेंडा फाउंडेशन ने 20 प्रतिशत निधीयन और ई-लर्निंग किटों के साथ इस परियोजना का समर्थन किया। RILM ने पुस्तकालयों के लिए किताबें प्रदान करके हमारी मदद की। कई अन्य गैर सरकारी संगठनों और कॉरपोरेटों जैसे लार्सन एंड टुब्रो ने भी अपना समर्थन दिया। पेठी ने कहा, जहाँ शुरुआती लागत अनुमानित ₹2.5 करोड़ थी, वहीं बड़े पैमाने पर होने के कारण हमारी लागत घटकर ₹1.75 करोड़ रह गई।

पीडीजी राजेंद्र राय (दाएं) और रोटरी क्लब बैंगलोर जंक्शन के आईपीपी वेलू पेठी ने एक स्कूल में ई-लर्निंग सुविधा का उद्घाटन किया।

RILM अध्यक्ष, PRID कमल संघवी ने अप्रैल में RILM के सह-अध्यक्ष RID महेश कोटबागी; PRID भरत पांड्या; तत्कालीन DG नागेंद्र प्रसाद; DGN जीतेंद्र अनेजा; PDG राजेंद्र राय और PDG के पी नागेश; मेंडा फाउंडेशन के चतरू मेंडा; एल एंड टी से अरविंद गर्ग; चिल्ड्रन लवकैसल ट्रस्ट NGO के संस्थापक भाग्य रंगाचार और अन्य कॉरपोरेटों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आभासी मंच पर 100 स्कूलों का उद्घाटन किया।

क्लब इस साल 100 अन्य स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में बदलने के लिए तैयार है। पहले से ही हमारे पास 16 लाख है। मेरे उत्तराधिकारी अजय भाऊवाला के पास खाका तैयार है और हमारे विक्रेता अब हमारी आवश्यकताओं को जानते है, पेठी ने कहा। ■

रोटरी ने बनाया किसानों के लिए एक पुल

जयश्री

येलखेड़ एक छोटा गाँव है जिसमें लगभग 950 लोग रहते हैं, जो शेगांव तालुक में स्थित है। इसकी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी उनाद नाला नामक नदी से अपनी कृषि भूमि पर फसलों की खेती करने वाले छोटे किसान हैं।

तीन दशकों से अधिक समय से ग्रामीण अपनी बैलगाड़ियों द्वारा एक बीहड़ और कच्चे पुल से गुजरते हुए नदी पार करते थे। अब रो ई मंडल 3030 के अंतर्गत, रोटरी क्लब शेगांव के हस्तक्षेप से एक नया, पक्का पुल बिछाया गया है, जिससे ग्रामीणों के लिए सफर आसान हो गया है।

जब हमने पिछले साल पहली बार इस गांव का दौरा किया था, तो हमने पाया कि किसान अपनी बैलगाड़ियों द्वारा अपने कृषि उपकरण इस अस्थायी पुल पर से ले जा रहे थे। क्लब के आईपीपी अनिरुद्ध पालदीवाल ने कहा, एक अच्छे पुल के लिए सरकार के सामने किये गए वर्षों के प्रतिनिधित्व सिर्फ़ बहरे कानों पर ही गिरे हैं और वे उस टेढ़ी-मेढ़ी संरचना के अभ्यस्त हो गए हैं, जिससे बैलों के पैर फ्रैक्चर हो गए हैं, गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं हैं और वृद्ध लोगों के लिए चलना बेहद मुश्किल हो गया है। मानसून के दौरान पुल अनुपयोगी हो जाते हैं और किसानों को अपनी फसलों को सड़ने देना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

पालदीवाल के नेतृत्व में क्लब ने नदी पर एक अच्छे पुल का निर्माण करने का निर्णय लिया। पीडीजी महेश मोकलकर ने

नए पुल पर एक बैलगाड़ी पर सवार डीजीई आनंद झुनझुनवाला (बाएं) रोटरी क्लब शेगांव के आईपीपी अनिरुद्ध पालदीवाल (डीजीई के पीछे), एजी राजीव नथानी और पूर्व सचिव सचिन गडोदिया।

तकनीकी सहयोग दिया। निर्माण लागत, ₹3.5 लाख, मुक्तिलाल पालदीवाल (अनिरुद्ध के दादा) द्वारा वहन किया गया, जो शेगांव में ही रहते हैं। मई में काम शुरू हुआ और नए पुल का उद्घाटन 10 जून को डीजीई आनंद झुनझुनवाला द्वारा हुआ।

इसके निर्माण के बारे में समझाते हुए अनिरुद्ध पालदीवाल ने बताया कि यह 25 x 20 फीट नाप का कम लागत वाला पुल है, जिसमें बेस के रूप में सीमेंट पाइप का इस्तेमाल किया गया है। इस इलाके को पहले खोदा गया। कुछ पत्थरों के साथ खुदाई की गई सामग्री का इस्तेमाल 8 इंच की बेस लेयर बनाने के लिए किया गया। छह विशाल सीमेंट पाइप रखे गए और कपलिंग के सहारे जोड़े गए। दोनों सिरों पर सी-आकार की दीवारों का निर्माण किया गया। पूरे ढांचे को सीमेंट से मजबूती से जोड़ा गया है, जिससे पुल आने-जाने के लिए काफ़ी अच्छा बन पड़ा है।

बाएं से : एजी राजीव नथानी, डीजीई आनंद झुनझुनवाला, मुक्तिलाल पालदीवाल, पूर्व अध्यक्ष अनिरुद्ध पलड़ीवाल और पूर्व सचिव सचिन गडोदिया रोटरी ब्रिज का उद्घाटन करने के बाद।

ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक निर्माण-कार्य में मदद की थी और अंतिम परिणाम देखकर बेहद खुश थे। यह ढांचा कम से 15 साल तक चलेगा। वे अब इस पर आराम से अपनी बैलगाड़ियां और ट्रैक्टर चला सकते हैं, पालदीवाल ने कहा। ■

यूके, चेन्नई रोटरियन ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर्स देने के लिए सहयोग करते हैं

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मद्रास चेन्नापटना के अध्यक्ष सेंथन अमुदन ने पी बालाजी, डीन, स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल, चेन्नई को चिकित्सा सहायक उपकरण सौंपे।

यूके के बीस रोटरी क्लबों ने कोविड रोगियों के इलाज के लिए चेन्नई और तमिलनाडु के अन्य शहरों में ₹20 लाख मूल्य के 20 ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर्स और अन्य चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति करने के लिए रो ई मंडल 3232 के अंतर्गत आनेवाले, आरसी मद्रास चेन्नापटना के साथ सहयोग किया।

यूके के रोटरी क्लब ऐबरो के अध्यक्ष राज मणि और मेजबान क्लब के सदस्य रामनाथन ने संबंधित क्षेत्रों में धन उगाहने वाले अभियान का नेतृत्व किया। होम क्लब ने अपने सदस्यों और नेशनल पब्लिक स्कूल चेन्नई के पूर्व छात्रों से ₹5 लाख जुटाए। ब्रिटेन के नागरिकों के बीच भारत के प्रति स्नेह के परिणामस्वरूप 19 ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर्स, 800 पीपीई किट, 500 एनआरबी मास्क, 450 अंडर पैड, एन-95 मास्क, व्हीलचेयर, गम बूट और हैंड सैनिटाइज़र उपहार में दिए गए, राज मणि ने कहा।

रोटरी क्लब मद्रास चेन्नापटना के अध्यक्ष बी चक्रवर्ती ने कहा कि कोटागिरी, अरानी, डिंडीगुल, कोयम्बटूर, तंजावुर और ईरोड के ट्रस्ट और लाभ ना कमानेवाले निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर्स और चिकित्सा उपकरण वितरित किए गए।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी ने पुणे में मोबाइल वैक्सीन क्लीनिक को हरी झंडी दिखाई

रोटरी न्यूज़

एक अनूठी पहल करते हुए, रो ई मंडल 3131 के अंतर्गत, रोटरी क्लब पुणे सेंट्रल ने 'वैक्सीनेशन ऑन व्हील्स' (VoW) और पुणे एवं पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगमों के साथ साझेदारी में कोविड खुराक प्रदान करने के लिए पुनः डिजाइन किये हुए, पांच मोबाइल वैक्सीन क्लीनिक वैन को हरी झंडी दिखाई। क्लब अध्यक्ष अजय दुबे (2020-21) ने कहा, ''मोबाइल क्लीनिक उन लोगों तक पहुंचेंगे, जिन तक सेवाएं नहीं पहुँचती, जिनकी सरकारी अस्पतालों तक पहुंच नहीं है और जो उदासीनता, अज्ञानता या बुढ़ापे के कारण टीका लगवाने में संकोच कर रहे हैं और जिन्हें टीकाकरण केंद्रों तक जाने से डर लगता है।''

रोटरी क्लब पुणे सेंट्रल द्वारा संचालित मोबाइल क्लिनिक में स्वयंसेवक और नर्स।

रोटेरियन जिग्नेश पटेल द्वारा संचालित VoW एक वन-स्टॉप मोबाइल क्लिनिक है, जो टीकाकरण की जरूरत वाले समुदायों के पास अस्पताल की तरह जीवाणुरहित सेटअप बनाता है। निगम टीके उपलब्ध कराते हैं और उन क्षेत्रों की पहचान करते हैं जहां मोबाइल बूथ स्थापित किए जाएंगे। मोबाइल सेंटर में एक डॉक्टर, दो नर्स, कोविन रजिस्ट्रेशन के लिए आईटी असिस्टेंट और लाभार्थियों को जुटाने के लिए एक सामाजिक कार्यकर्ता तैनात रहते हैं। एक बार नागरिक निकाय द्वारा चुने गए क्षेत्र में टीकाकरण अभियान पूरा हो जाने के बाद, क्लिनिक दूसरे स्थान पर चला जाता है।

कमजोर समूहों पर ध्यान केन्द्रित करना

सीएसआर भागीदारों द्वारा फंडिंग किये गए, अप्रैल से पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्रों में पांच मोबाइल क्लीनिक पहले से ही कार्यरत थे और जून के दूसरे सप्ताह तक 5,000 से अधिक खुराकें इनके द्वारा प्रदान की जा चुकी हैं। पुणे के मेयर मुरलीधर मोहोल ने नगर निगम आयुक्त विक्रम कुमार, अतिरिक्त आयुक्त रुबल अग्रवाल और रोटेरियन्स की मौजूदगी में मोबाइल वैक्सीन प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पुणे में, मोबाइल क्लिनिक ने पहले पुणे मेट्रो रेल के निर्माण स्थल पर 200 से अधिक श्रमिकों को टीका लगाया। वंचित और बेसहारा लोगों की देखभाल करते हुए वृद्धाश्रम, मानसिक पुनर्वसन संस्थानों और अन्य विशेष केंद्रों वाले कमजोर समूहों पर भी ध्यान दिया जाएगा। रुबल ने कहा, ''उदाहरण के लिए, निवारा ओल्ड एज होम में कम से 180 वरिष्ठ नागरिकों को उनके

दरवाजे पर टीका लगाया गया, जबकि अन्य 100 एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों और यौनकर्मियों को भी टीका दिलाया गया। बुजुर्गों में 105 वर्षीय कोंडिबा भी हैं, जिन्हें निगम परिसर के एक क्लीनिक में टीका लगा गया।''

दुबे ने कहा, यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप इतनी अच्छी तरह से काम कर रही है कि ग्रेटर मुंबई नगर निगम ने भी मुंबई और आसपास के इलाकों में अपनी सेवा तैनात करने के लिए VoW के साथ इसी तरह का समझौता किया है। गोवा, नागपुर, हैदराबाद, कटक, भुवनेश्वर और पुरी जैसे अन्य शहरों ने अपने क्षेत्रों में इसी तरह के टीकाकरण शिविरों को करने में रुचि दिखाई है और संबंधित क्लब उनके कोविड परियोजना को दोहराने के लिए आरसी पुणे सेंट्रल के संपर्क में हैं। ■

बुजुर्ग महिला को कोविड का टीका लगाया जा रहा है।

जगदलपुर के रोटेरियन उत्साह से खाने के डिब्बे पहुंचाते हैं

अप्रैल 2021 में, रोटरी क्लब जगदलपुर, रो ई मंडल 3261, ने बस्तर जिले में एक रोटरी रसोई की स्थापना की। ''हमारा उद्देश्य उन लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है जो होम क्वारंटाइन में है और जो खाना बनाने में असमर्थ है क्योंकि वे लॉज में रह रहे है या ऐसे जिनके पास आवश्यक वस्तुओं की कमी है, जैसे कि बुजुर्ग, निराश्रित, शय्याग्रस्त रोगी, प्रवासी मजदूर और भिखारी।'' परियोजना अध्यक्ष अशोक लुनकाड़ कहते है। ताजे पके भोजन से भरे और सुंदरता से पैक किए गए खाने के डिब्बों में रोटी, सब्जी दाल और चावल होते है। ''ईद-उल-फितर की संध्या पर भोजन में मिठाइयाँ भी दी गईं'', वह आगे कहते है।

रोटरी किचन में लंच बॉक्स पैक करते रोटेरियन।

PDG पॉल स्ट्रीट और रोटरी क्लब कैनबेरा, रो ई मंडल 9710, ऑस्ट्रेलिया, के सदस्यों ने रसोई परियोजना में योगदान दिया। ''हमने 20,000 से अधिक भोजन पैक करने में स्थानीय राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल किया।'' पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल कहते है।

क्लब के सदस्य साहिल नरवरिया, जिन्होंने लॉजिस्टिक्स का ध्यान रखा, कहते है, ''कुछ चुनिंदा रोटरकटरों के साथ ही हमें भोजन की आपूर्ति करनी थी। हमने अपनी दैनिक यात्राओं को सरल बनाया जो क्रमबद्ध तरीके से आयोजित की गई थी।''

''रोटरेक्टर स्विगी या ज़ोमैटो से नहीं है और खाने के डिब्बों की डिलीवरी से उन्हें कोई मौद्रिक लाभ भी प्राप्त नहीं हो रहा था, लेकिन युवा ब्रिगेड ने दूर-दूर तक रोगियों और जरूरतमंद परिवारों को भोजन के डिब्बे वितरित करके परियोजना में अपनी जी-जान लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है'', अग्रवाल कहते है। ■

रोटरी फाउंडेशन संशोधित फंडिंग मॉडल मार्गदर्शिका

जब से अनुदान शुरू किये गए हैं तब से रोटरी फाउंडेशन द्वारा वैश्विक अनुदानों में दी जाने वाली वार्षिक धनराशि में दोगुनी से अधिक वृद्धि हुई है: 2013-14 में 47.3 मिलियन डॉलर से बढ़ कर 2019-20 में 95.6 मिलियन डॉलर पहुँच गई है। फिर भी वैश्विक अनुदान की मांग इतनी ज़्यादा है कि इसने एनुअल फण्ड योगदान को पीछे छोड़ दिया है, जिसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक अनुदान के लिए किये गए सभी आवेदनों को अनुदान नहीं मिल पाता।

ये सुनिश्चित करने के लिए कि भविष्य में फाउंडेशन अधिक से अधिक वैश्विक अनुदान के लिए धनराशि उपलब्ध करा सके, इस सन्दर्भ में रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टियों ने नीतिगत परिवर्तनों को मंजूरी दे दी जो 1 जुलाई से प्रभावी हो गई है। इन परिवर्तनों से फाउंडेशन की वित्तीय क्षमता बढ़ेगी और आगामी वर्षों में होने वाली बड़ी और लम्बे समय तक चलने वाली परियोजनाऐं निष्पादित की जा सकेंगी। अधिक जानकारी के लिए आगे पढ़ें।

हमारे फंड: शब्दावली

एनुअल फण्ड -शेयर, रोटरी फाउंडेशन की स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय विभिन्न गतिविधियों के वित्तीयन का प्राथमिक स्रोत है। *प्रत्येक रोटेरियन, प्रत्येक वर्ष* फाउंडेशन के वार्षिक फंड में वित्तीय सहयोग बढ़ाने का प्रयास है। यह हर रोटेरियन को एनुअल फण्ड में हर साल योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। रोटरी सदस्यों और अन्य दान दाताओं से एनुअल फण्ड-शेयर में योगदान को दो उप भागों में बांटा किया जाता है: वर्ल्ड फंड (World Fund) और डिस्ट्रिक्ट डेज़िग्नेटेड फंड (DDF)। शेयर (SHARE) प्रणाली के माध्यम से, रोटरी फाउंडेशन में आये योगदान को अनुदान में परिवर्तित कर दिया जाता है।

वर्ल्ड फण्ड दुनिया भर में चल रहीं हमारे सर्वोच्च प्राथमिक कार्यक्रमों के लिए धन मुहैया कराता है। शेयर-निर्दिष्ट योगदान का कुछ प्रतिशत वर्ल्ड फण्ड में प्रयुक्त होता है। फाउंडेशन, वर्ल्ड फण्ड का उपयोग सभी मंडलों द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रमों और परियोजनाओं को राशि उपलब्ध करवाने के साथ साथ पोलियोप्लस, रोटरी पीस सेंटर, स्केल ग्रांट के कार्यक्रम, वैश्विक अनुदान और अन्य कार्यक्रमों के लिए करता है।

मंडलों द्वारा डिस्ट्रिक्ट डेसिग्नेटेड फंड (DDF) का उपयोग फाउंडेशन, क्लब और मंडल में चल रही परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है, परियोजनाओं का चुनाव मंडल में क्लब और अन्य लोग मिल कर करते हैं। डिस्ट्रिक्ट ग्रांट के लिए मंडल अपने डीडीएफ की राशि का अधिकतम 50 प्रतिशत उपयोग कर सकते हैं। शेष राशि का उपयोग वैश्विक

अनुदान में अथवा पोलियो, पीस सेंटर्स या किसी अन्य मंडल को दान किया जा सकता है।

एन्डोमेन्ट फण्ड रोटरी सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा दिए गए नकद उपहारों और उनकी वसीयत में छोड़े गए धन से वित्तपोषित होता है जो फाउंडेशन के अनुदानों और इसके कार्यक्रमों को लम्बे समय तक चलाने में सहायक होता है साथ ही उनकी निरंतरता भी सुनिश्चित करता है। एन्डोमेन्ट से प्राप्त राशि फाउंडेशन की वर्तमान गतिविधियों का विस्तार करने और नई गतिविधियां शुरू करने में सहायक होती हैं। प्राप्त योगदान का निवेश स्थायी रूप से किया जाता है: हर साल, फंड के कुल मूल्य का कुछ प्रतिशत फाउंडेशन के अनुदान और इसके कार्यक्रमों के लिए दिया जाता है।

मॉडल किस प्रकार काम करता है

क्या नहीं बदला

फाउंडेशन के फंडिंग मॉडल का मूल स्वरुप वही रहेगा। सभी एनुअल फण्ड-शेयर योगदान तीन साल के लिए निवेश किए जाते हैं, जिसके बाद उन्हें डीडीएफ और वर्ल्ड फंड में बांटा जाता है। निवेश किए गए फंड से प्राप्त आय से, फाउंडेशन के परिचालन सम्बन्धी विभिन्न खर्चों का भुगतान जारी रहेगा, जिसमें धन एकत्रित करने और सामान्य प्रशासनिक खर्चे शामिल हैं। (ट्रस्टियों द्वारा नामित एंडोमेंट फंड के निवेश से प्राप्त आय का एक भाग परिचालन खर्चों के भुगतान में भी सहायक होता है।)

क्या बदल रहा है

पोलियो प्लस में डीडीएफ योगदान पर 50% मैच

पोलियोप्लस में वर्ल्ड फण्ड द्वारा डीडीएफ योगदान 50 प्रतिशत ही मैच किया जाएगा, 100 प्रतिशत के बजाय जैसा पिछले दो वर्षों में हुआ। इससे प्रत्येक वर्ष 5 मिलियन डॉलर का अन्यत्र उपयोग वैश्विक अनुदान सहित फाउंडेशन के अन्य कार्यक्रमों के लिए भी किया जा सकता है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी द्वारा दिए जा रहे हर 1 डॉलर को 2 डॉलर से मैच कराना जारी रखेंगे, अधिकतम 50 मिलियन डॉलर प्रति वर्ष। इससे यह ज़रूरी हो जाता है कि हम पोलियो उन्मूलन के लिए धन संग्रह को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखें।

Example:

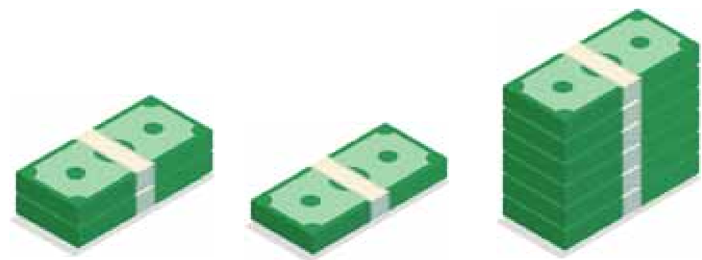

$20,000 DDF contribution to PolioPlus + **$10,000** 50% World Fund match + **$60,000** Gates Foundation match = **$90,000** for polio eradication

डीडीएफ पर 80% मैच वैश्विक अनुदान लागू

हाल के वर्षों में, रोटरी वर्ष समाप्त होने से पूर्व ही वर्ल्ड फण्ड का कोष खाली हो गया। इस वजह से, फाउंडेशन, प्राप्त हुए सभी वांछित वैश्विक अनुदान अनुरोधों को धन मुहैया नहीं करा सका। वैश्विक अनुदानों में भागीदारी बढ़ाने के लिए, डीडीएफ द्वारा चाहे गए वैश्विक अनुदानों को, वर्ल्ड फण्ड द्वारा अब 80 प्रतिशत ही मैच किया जाएगा जो पहले 100 प्रतिशत रहता था। इस परिवर्तन से हम वर्ष पर्यन्त अधिक अनुदान दे पाएंगे।

Example:

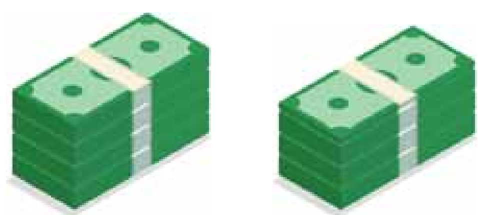

$40,000 DDF applied to global grant + **$32,000** 80% World Fund match = **$72,000** for global grant

परिचालन व्यय का साझा वित्त पोषण

एनुअल फण्ड-शेयर योगदान की पांच प्रतिशत राशी का उपयोग रोटरी फाउंडेशन के परिचालन खर्चों के लिए किया जाता है। पूर्व में, इस योगदान का 45 प्रतिशत वर्ल्ड फण्ड में और 50 प्रतिशत डीडीएफ में भेजा जाता था। 1 जुलाई, 2021 के बाद से एनुअल फण्ड-शेयर में प्राप्त होने वाले (और 1 जुलाई, 2024 से आवंटित) योगदान के शेष 95 प्रतिशत को डीडीएफ और वर्ल्ड फंड के बीच समान रूप से बांटा जाएगा।

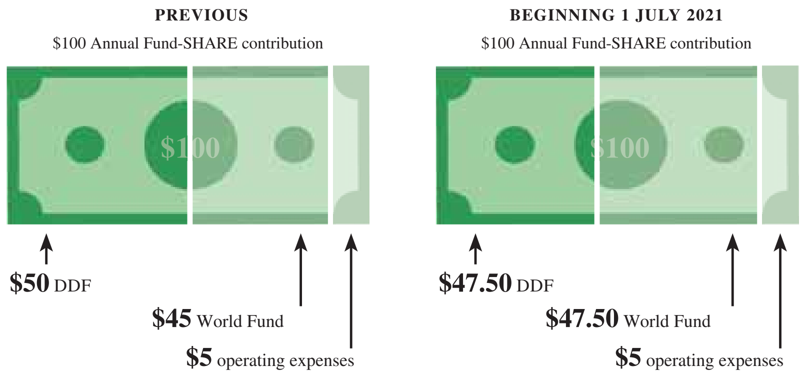

डीडीएफ रोलओवर की सीमा पांच साल

दानदाता एनुअल फण्ड में इस उम्मीद के साथ योगदान करते हैं कि निकट भविष्य में उनके दान का उपयोग समाज की सहायता एवं विकास के लिए किया जाएगा। लेकिन गत वर्ष खर्च ना हो पाने की वजह से अगले वर्ष स्थान्तरित की गई डीडीएफ राशि बहुत बढ़ गई है। उदाहरण के लिए, 1 जुलाई, 2020 को, डीडीएफ में पिछले वर्ष से प्राप्त हुए 48.8 मिलियन डॉलर का उपयोग नहीं हो पाया था।

1 जुलाई, 2026 से शुरू होकर, और उसके बाद प्रत्येक रोटरी वर्ष के अंत में, पांच साल या उससे अधिक से रखी डीडीएफ राशि का उपयोग अवश्य किया जाना चाहिए। अप्रयुक्त डीडीएफ का उपयोग मंडल के विवेक अनुसार आपदा कोष, बंदोबस्ती कोष, पोलियोप्लस, रोटरी पीस सेंटर या विश्व कोष में किया जा सकता है। यदि मंडल किसी फंड का चुनाव नहीं कर पाता है, तो रोलओवर में चूक घोषित कर इसे वर्ल्ड फंड में समाहित कर दिया जाएगा।

	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
DDF new	$50,000	$50,000	$50,000	$50,000	$50,000
DDF rollover	$20,000	$30,000	$35,000	$30,000	$20,000
DDF spent	-$40,000	-$45,000	-$55,000	-$60,000	-$65,000
Rollover remaining	$20,000	$20,000	$15,000	$5,000	$0
	$10,000	$10,000	$10,000	$10,000	$0
		$5,000	$5,000	$5,000	$5,000
			$0	$0	$0
				$0	$0
					$0
Rollover amount remaining after	**1 year**	**2 years**	**3 years**	**4 years**	**5 years**

अतिरिक्त परिवर्तन

फाउंडेशन के ट्रस्टियों ने 2020-21 में वैश्विक अनुदान कोष में वृद्धि के लिए कई उपायों को पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। जैसे परिचालन लागत कम करने से वैश्विक अनुदान अतिरिक्त 4.4 मिलियन डॉलर वित्त पोषित कर पाया। और जनवरी 2021 में, फाउंडेशन ट्रस्टी और रो इ निदेशक मंडल ने फाउंडेशन के परिचालन भंडार से और रो इ बजट अधिशेष से विश्व कोष में सिर्फ एक बार 15 मिलियन डॉलर स्थानांतरित किये ताकि 2020-21 में प्राप्त अतिरिक्त वैश्विक अनुदानों को धनराशि दी जा सके। इन दो तरीकों से 2020-21 में लगभग 20 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 1 जुलाई, 2020 से अनुदान के लिए नकद योगदान पर मैच समाप्त कर दिया गया था, जिससे विश्व कोष में सालाना लगभग 7 मिलियन डॉलर उपलब्ध हो सके थे।

2021-22 के ट्रस्टी चेयर जॉन एफ जर्म के साथ बातचीत

परिवर्तन के बारे में सदस्यों की राय क्या रही?

सबसे बड़े मुद्दों में से एक था परिचालन लागत 5 प्रतिशत होना: पैसे की व्यवस्था, सार संभाल, प्रबंधन, प्रोग्रामिंग, और वो सभी कार्य जो हम करते हैं। पहले, ये पैसा एनुअल फण्ड के वर्ल्ड फण्ड योगदान से प्राप्त होता था। लेकिन यह ठीक नहीं है। क्योंकि मंडल अनुदानों में भी हमारी प्रशासनिक लागत आती है। 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी, परिचालन लागत के 5 प्रतिशत को वर्ल्ड फण्ड और डीडीएफ दोनों में बांटा जाएगा।

इन परिवर्तनों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या रही ? वो कौन से अन्य विकल्प थे जिन पर आपने विचार नहीं किया और क्यों?

करीब दो साल पहले, हमें महसूस होने लगा था कि रोटरी सदस्यों ने जिन कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं को चिन्हित किया है, उनके लिए पूंजी देने के लिए हमें अधिक धन की आवश्यकता होगी। हमने ट्रस्टियों का एक वर्ल्ड फंड वर्किंग ग्रुप बनाया, जिसका काम सिर्फ यह देखना था कि कैसे अधिक धन कैसे उत्पन्न किया जाए - अनुदान संचयन पक्ष - और इस कार्यक्रम संचालन के वर्तमान तरीके को किस प्रकार बदला जाए। हम यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि लम्बे समय तक फंडिंग कैसे हो सकती है, ताकि हर साल हमें एक नया परिवर्तन ले कर रोटरी सदस्यों के पास न जाना पड़े।

हमने इसे पूरी तरह खत्म नहीं किया है। सबके समक्ष हमने सभी विकल्प रख दिए; स्टाफ के खर्चों से ले कर परिचालन लागत में संभावित कटौती के विकल्पों सहित कुछ भी नहीं छिपाया। हमने उन विकल्पों पर गौर किया जो सबसे प्रभावशाली थे।

एक विकल्प यह भी था कि चीजों को यथावत छोड़ दिया जाए और अगर हमारे पास पैसे खत्म हो गए, तो हो गए। 2019-20 में हमारे पैसे मई में खत्म हो गए थे। 2020-21 में हमारे पैसे दिसंबर के मध्य में खत्म होने वाले थे। वास्तव में दुनिया भर के उन रोटेरियन के लिए यह उचित नहीं है जो तीन साल निवेश करने के बाद उसकी वापसी की उम्मीद में पैसा दे रहे हैं।

फाउंडेशन के फंडिंग मॉडल की जानकारी के लिए रोटेरियन के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है?

रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टियों की तीन जिम्मेदारियां होती हैं: एक, धन जुटाना; दो, पैसा निवेश करना; और तीन, पैसा खर्च करना। अभी हमें प्रति वर्ष लगभग 17 मिलियन डॉलर की कमी पड़ती है। हमें फंडिंग बढ़ानी होगी। यह सिर्फ एक फंडिंग मॉडल ही नहीं है। निवेश करने और खर्च करने के लिए हमारे पास पैसा भी तो होना चाहिए।

सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्न

रोटरी सदस्य और अन्य लोग फाउंडेशन में सालाना 300 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान करते हैं। विश्व कोष में कमी कैसे पड़ सकती है?

प्रत्येक वर्ष योगदान किए गए 300 मिलियन डॉलर में से, लगभग 130 मिलियन डॉलर एनुअल-शेयर में किया जाता है। शेष राशि पोलियोप्लस, बंदोबस्ती निधि, वैश्विक अनुदान, आपदा प्रतिक्रिया कोष, रोटरी शांति केंद्र, या दाता द्वारा सुझाये फंड सहित विशिष्ट उद्देश्यों के लिए दी जाती है।

परिचालन व्यय क्या हैं?

परिचालन व्यय वे खर्चे हैं जिनका उपयोग धन संगृहीत करने और सामान्य प्रशासन के लिए किया जाता है। इन्हें एनुअल फंड में निवेश की गई राशि से प्राप्त आय, एंडोमेंट फंड से खर्च करने योग्य आय, वैश्विक अनुदान के नकद योगदान का 5 प्रतिशत और एनुअल फंड में योगदान के 5 प्रतिशत से वित्त पोषित किया जाता है।

कई दानकर्ताओं ने सुना है कि ''आधा मंडल में लौट के वापस आता है।'' क्या ये सच है?

5 प्रतिशत की कटौती के बाद, सभी एनुअल फण्ड-शेयर योगदान का आधा हिस्सा रोटरी फाउंडेशन कार्यक्रमों के लिए डीडीएफ के रूप में खर्च किया जा सकता है जो प्रत्येक मंडल के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

एक प्रमुख दान संस्था के रूप में क्या यह हमारी प्रतिष्ठा को प्रभावित करेगा?

विभिन्न स्वतंत्र चैरिटी रेटिंग एजेंसियों की समीक्षाओं के अनुसार, योगदान में हमारे नेतृत्व ने द रोटरी फाउंडेशन को उच्चतम श्रेणी की गैर-लाभकारी संस्थाओं में ला खड़ा किया है। हमें लगातार 13 वर्षों से चैरिटी नेविगेटर से सर्वोच्च 4 स्टार रेटिंग मिल रही है, जिसकी वजह से हमारी गिनती शीर्ष की 1 प्रतिशत दान संस्थाओं में होती है। वास्तव में, गैर-लाभकारी संस्थाओं के बारे में जानकारी प्रदान कराने वाली तीन प्रमुख एजेंसियों - बीबीबी वाइज गिविंग एलायंस, चैरिटी नेविगेटर और गाइडस्टार - ने प्रभाव जानने के लिए गैर-लाभकारी के आकलन के तरीके बदल दिए हैं। हालांकि ऊपरी लागत को नियंत्रण में रखना अभी भी महत्वपूर्ण है, एजेंसियों का कहना है कि प्रशिक्षण, योजना, मूल्यांकन, आंतरिक प्रणालियों और संचालन में भी निवेश महत्वपूर्ण हैं। आप संयुक्त पत्र overheadmyth.com पर पढ़ सकते हैं।

DDF के रोलओवर का समय कब से लागू होगा?

2020-21 से 2021-22 में ले जाया कोई भी डीडीएफ उन फंडों को रोल ओवर करने की नई सीमा पांच साल के अधीन होगा।

जब कोई मंडल नए वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करता है, तो वह वर्तमान डीडीएफ का या सबसे पुराने रोलओवर का उपयोग करेगा?

नए वैश्विक अनुदानों के लिए फंडिंग पहले वर्तमान वर्ष के डीडीएफ से और फिर सबसे पुराने रोल ओवर वर्ष से काटा जाएगा।

© *Rotary*

आपके गवर्नर्स से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

500 सरकारी स्कूलों के लिए 10,000 से अधिक डेस्क-बेंच

अजय मदान

रियल एस्टेट, रोटरी क्लब कुरुक्षेत्र, RID 3080

एक बार जब कोविड प्रतिबंध के बाद सामान्य स्थिति लौट आये, ''हम अपने अफ्रीका मेडिकल मिशन को इथियोपिया ले जाएंगे, PRIP राजेंद्र साबू के नेतृत्व में, जिन्होंने हमारे मंडल की इस हस्ताक्षर परियोजना की परिकल्पना की थी। दुर्भाग्य से, हम पिछले साल नहीं जा सके थे लेकिन योजना की तैयारियां पूरे जोरों पर हैं'', अजय मदान कहते हैं। इस साल के अंत तक रोटेरियनों की कुल संख्या 5,300 पहुंचाने के लिए दस नए क्लब और 2,000 नए रोटेरियन जोड़े जाएंगे; 20 नए रोटारेक्ट क्लब और 1000 से अधिक रोटारेक्टर उनके लक्ष्य हैं।

लगभग 500 सरकारी स्कूलों में 10,000 से अधिक डेस्क-बेंच प्रदान किए जाएंगे। उनके पद स्थापन कार्यक्रम के दौरान रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता कुछ स्कूलों को 2,000 डेस्क-बेंच सौंपेंगे। उन्होंने कहा, ''हम लगभग 15 क्लबों द्वारा चलाये जा रहे थळपड और हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के बाद नए WinS और हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट शुरू करेंगे।''

कम से कम 50,000 आदिवासियों की स्क्रीनिंग के लिए उत्तराखंड की पहाड़ियों के ऊपरी क्षेत्र में, जहां अस्पतालों या स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं है, वहां चार दिवसीय *RAHAT* चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। मंडल के क्लब, पर्यटन के बड़े केंद्र शिमला, मसूरी और सोलन में प्लास्टिक की पेट बोतलों की 10 क्रशिंग इकाइयां स्थापित करेंगे। ''हम शिमला, नाहन और मसूरी में चेक डैम बनाने के लिए एक वैश्विक अनुदान परियोजना पर काम कर रहे हैं। 1 जुलाई से ले कर 45 दिनों में हम पूरे मंडल में विभिन्न देशी प्रजातियों के 20 लाख पौधे लगाएंगे। इसके लिए हमने 100 किलो बांस के बीज खरीदे हैं। एक किलो बीज में 3,500 पौधे लग सकते हैं, मदान कहते हैं।'' टीआरएफ के लिए उन्होंने अपना लक्ष्य1,00,000 डॉलर रखा है।

1984 में कॉलेज की पढ़ाई के दौरान वो रोटारेक्टर बने और 1993 में रोटरी सदस्य। बस मज़े करने और फेलोशिप का आनंद लेने के लिए मैं रोटरेक्ट बना था । लेकिन धीरे-धीरे, मैं रोटरी की ओर आकर्षित होता चला गया और बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल होने लगा, वह याद करते हैं।

लड़कियों का सशक्तिकरण उनकी प्राथमिकता

प्रबीर चेटर्जी

आईटी सॉफ्टवेयर, रोटरी क्लब कलकत्ता मैजेस्टिक, RID 3291

प्रबीर चेटर्जी कहते हैं, ''आप जानते ही हैं कि रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता हमारे मंडल से हैं, हम साक्षरता, लड़कियों को सशक्त बनाने और सदस्यता वृद्धि जैसे कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।'' वह 1,000 से अधिक नए रोटेरियन को शामिल करने और 20 नए क्लब शुरू करने के प्रति आश्वस्त हैं, जिससे रोटेरियनों की कुल संख्या 5,000 से अधिक और मंडल में क्लब संख्यां 190 से अधिक हो जाएगी ।

तीस नए रोटारेक्ट क्लब और 500 नए रोटारेक्टर बनाना उनके लक्ष्य हैं। ''लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए, स्कूलों, कॉलेजों, शहरी और ग्रामीण समूहों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और चक्र (मासिक धर्म स्वच्छता) पर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मैं कई परियोजनाएं करने की योजना बना रहा हूं। लड़कियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए रोटरी वीरांगना नामक कार्यशालाओं के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों और आरसीसी स्थलों में आत्मरक्षा तकनीक सिखाई जाएगी।'' पूरे मंडल में एक महीने में कम से कम 10-15 वीरांगना सत्र आयोजित करने की योजना है। ''हमारे 14 रोटरी नेत्र अस्पताल 40,000 मरीजों की सर्जरी करेंगे।''

वैश्विक अनुदान और क्लब सहयोग के माध्यम से 25 से अधिक हैप्पी स्कूल बनाने की योजना है। टीआरएफ में उन्होंने 400,000 डॉलर देने का लक्ष्य रखा है। मेहता द्वारा सभी वर्तमान डीजी को 'चेंजमेकर' कहने के साथ, ''हमें साक्षरता, स्वास्थ्य सेवा, पानी और स्वच्छता परियोजनाओं के माध्यम से वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है। वास्तव में, रोटरी *सर्विंग टू चेंज लाइव्स* द्वारा शांति की शुरुआत कर रही है।''

2000 में रोटरी में शामिल होने के लिए चटर्जी अपने रोटेरियन मित्र को धन्यवाद देते हैं, ''सिर्फ फेलोशिप और नेटवर्किंग का आनंद लेने के लिए आया था। लेकिन बाद में, क्लबों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों से प्रेरित होकर मैं भी सक्रिय हो गया और लोगों की सेवा के लिए परियोजनाएं हाथ में लेने लगा।''

एनसीआर में चिकित्सा केंद्र; राजस्थान में चेक डैम

अशोक अग्रवाल

मेडिकल गैस निर्माता, रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर, RID 3012

रोई अध्यक्ष शेखर मेहता द्वारा दिए गए दो नारे, *अधिक करें, आगे बढ़ें* और *हर एक, लाये एक,* जैसा कि , किसी भी परियोजनाओं को तैयार करने और सार्वजनिक छवि में वृद्धि की आधारशिला होगी। दिल्ली और एनसीआर सहित उनके मंडल में 122 क्लब और 3,800 रोटेरियन हैं, और ''हम 25 नए क्लब शुरू करने और 1,000 नए सदस्यों को जोड़ने की आशा करते हैं'', वे कहते हैं। उनका रोटारेक्ट गोल हैं 30 नए क्लब और 600 नए रोटारेक्टर, जो कुल मिलाकर 2600 से अधिक हो जायेंगे।

वे गाजियाबाद के वरदान मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में 1,20,000 डॉलर की लागत से 15 बिस्तरों वाला आईसीयू कोविड केंद्र बनाएंगे। गाजियाबाद के आशा किरण अस्पताल और श्री तिरुपति अस्पताल दोनों में दो डायलिसिस सेंटर (जीजी ₹1.2 करोड़) स्थापित किये जाएंगे। नोएडा में अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे और सीटी स्कैन मशीनों की श्रंखला वाला एक नैदानिक केंद्र (1.20 करोड़ रुपये) स्थापित किया जाएगा; गाजियाबाद के ही श्री जगन्नाथ चैरिटेबल कैंसर अस्पताल में ₹1.6 करोड़ की लागत से एक विशेष सीटी स्कैन यूनिट स्थापित की जाएगी।

ग्लोबल ग्रांट परियोजनाओं के तहत 20 चेक डैम (₹60 लाख) हैं, जिनका निर्माण राजस्थान के गांवों में किया जाएगा। ''हम सोनीपत, हरियाणा में 10 हैप्पी स्कूल बनाएंगे और वहां के पांच पीएचसी (सार्वजनिक चिकित्सा केंद्रों) को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ उन्नत किया जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं को वैश्विक अनुदान के माध्यम से पूरा किया जाएगा।'' पीएचसी में आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को क्लबों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। उनका टीआरएफ लक्ष्य है: 6,00,000 डॉलर। 1996-97 में उनके मित्र रोटेरियन अनिल शर्मा ने अग्रवाल का परिचय रोटरी से कराया था।

रोटरेक्टर और स्वास्थ्य सेवा, उनका फोकस

संजय मालवीय

निर्माण, रोटरी क्लब जोधपुर इन्फिनिटी, RID 3053

वर्तमान में लॉकडाउन प्रतिबंधों की वजह से, मंडल के सभी 65 क्लब अपने सदस्यों के साथ बातचीत करने और भावी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए ज़ूम पर साप्ताहिक मीटिंग आयोजित कर रहे हैं। ''एक बार जब सरकार लॉकडाउन के मानदंडों में ढील दे देगी तो हम पूरे जोश के साथ बाहरी गतिविधियां भी शुरू कर देंगे। मैं कम से कम 20 नए क्लब शुरू करना चाहता हूँ और 1,200 रोटेरियन को सम्मिलित करने की योजना है ताकि मेरे कार्यकाल में सदस्यों की संख्या बढ़कर 3,900 हो जाए'', संजय मालवीय कहते हैं। वे सभी क्लबों से कम से कम एक रोटारेक्ट क्लब को प्रायोजित करने के लिए कहेंगे। वर्तमान में 12 रोटारेक्ट क्लबों में लगभग 350 रोटारेक्टर हैं, ''लेकिन प्रचार कार्यक्रमों के माध्यम से हम 1,000 से अधिक रोटारेक्टर्स को जोड़ने की उम्मीद करते हैं।''

इस वर्ष क्लब 10,000 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी करवाएंगे और प्रमुख शहरों में सरकारी अस्पतालों का नवीनीकरण करेंगे। ''जिला अस्पतालों को डीडीएफ, प्रायोजकों और सदस्य योगदान के सामूहिक सहयोग से एक नया स्वरुप मिलेगा।'' हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 100,000 से अधिक पौधे वितरित किए जाएंगे। मालवीय बताते हैं, ''हम तीन साल से अधिक समय से WinS प्रोजेक्ट कर रहे हैं और इस साल, क्लब 100 संस्थानों में हैप्पी स्कूल कार्यक्रम का आयोजन करेंगे जहां बुनियादी सुविधाओं के साथ उनकी कक्षा सुविधाओं का पुनर्निर्माण किया जाएगा।'' राजस्थान में ग्रामीण महिलाओं की स्क्रीनिंग के लिए सितंबर में एक मैमोग्राफी बस (जीजी 100,000 डॉलर) शुरू की जाएगी। ''हम इस परियोजना को हरी झंडी दिखाने के लिए मुख्य मन्त्री अशोक गहलोत को आमंत्रित करने की आशा करते हैं क्योंकि इससे हमारी सार्वजनिक छवि में वृद्धि होगी। टीआरएफ के लिए उन्होंने अपना लक्ष्य 400,000 डॉलर रखा है।'' वह चाहते हैं कि लोगों ने जीवन में जो कुछ सीखा और अर्जित किया है उसे समाज को वापस लौटाने के लिए रोटरी एक आकर्षक मंच प्रदान करे। 1999 में उनके पिता रतन राम नारायण मालवीय ने उन्हें रोटरी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था ।

स्वास्थ्य देखभाल, हरित और जल परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित रहेगा

के सुंदरलिंगम

टेक्सटाइल्स, रोटरी क्लब सेलम मेट्रोपोलिस, RID 2982

रोटरी के सात विभिन्न फोकस क्षेत्रों में विविध परियोजनाएं तैयार करने वाले सुंदरलिंगम का कहना है कि *प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ* के तहत कम से कम 100,000 रोगियों तक पहुंचने के लिए एनसीडी कैंपों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। ''वैश्विक अनुदान और क्लब दान के माध्यम से हमारी पांच चेक डैम बनाने की योजना है। सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हम रोटेरियनों के आवासीय परिसर में 12 आरओ प्लांट लगाएंगे जो ये स्थानीय समुदाय के लिए सहजता से उपलब्ध होंगे, वे बताते हैं।''

रोटेरियन और जनता को हरे भरे वातावरण में लाने के लिए 1,000 टैरेस गार्डन किट वितरित करना, उनकी कार्य सूची में है। ''प्रत्येक क्लब एक स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए एक ग्रामीण परिवार को एक दुधारू गाय दान करेगा, और जरूरतमंद महिलाओं का मुफ्त मैमोग्राम किया जाएगा।'' उन्होंने क्लबों से सरकार और दान दाताओं द्वारा दी गई भूमि की उपलब्धता के आधार पर जहां भी संभव हो, मियावाकी जंगल लगाने का आग्रह किया है। आदिवासी गांवों को 150 से अधिक सोलर लैंप, एक कृत्रिम अंग केंद्र और सलेम के सरकारी, मोहन कुमारमंगलम अस्पताल में एक ऑक्सीजन टैंक, जिसके लिए मंडल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को ₹25 लाख दान दिए हैं।

दस नए क्लब और 1,500 नए रोटेरियन; 50 समुदाय-आधारित रोटारेक्ट क्लबों को चार्टर करने और 500 और रोटारेक्टर्स को जोड़ने की भी योजना है। टीआरएफ का उनका लक्ष्य 750,000 डॉलर है। 1994 में, उन्होंने अपने दोस्तों के साथ का समुदाय आधारित रोटारेक्ट क्लब ऑफ़ सिल्वर सिटी शुरू किया। था, हालाँकि, व्यावसायिक प्रतिबद्धता के कारण, उन्होंने 1997 में इसे छोड़ दिया और एक अंतराल के बाद 2005 में फिर से इस में शामिल हो गए।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

जादू-टोना, तंत्र-मंत्र के खिलाफ अमलनेर के विद्यार्थियों का अभियान

किरण ज़ेहरा

अप्रैल 2020 में, महाराष्ट्र के अमलनेर के पास एक छोटे से गाँव बुद्रुक के रहने वाले 10 वर्षीय सुदर्शन राठौड़ का शव एक सुनसान झील के पास मिला। वह एक मानव बलि अनुष्ठान का शिकार हुआ था जिसे उसके परिवार द्वारा सुदर्शन के समान उम्र के उनके बेटे की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने के लिए किया था। यह मामला तब सामने आया जब जिला अदालत ने पुलिस को अपराधी के खिलाफ महाराष्ट्र प्रीवेन्शन एंड इरेडिकेशन ऑफ यूमन सैक्रफाइस एंड अदर ईवल प्रैक्टिसेस... एक्ट, 2013 के तहत शिकायत दर्ज करने का आदेश दिया। सोलह लोगों को गिरफ्तार किया गया और एक मुकदमा अभी चल रहा है। घटना के बाद रोटरी क्लब अमलनेर, रो ई मंडल 3030, ने इसके RCC और SSES पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ मिलकर एक काला-जादू विरोधी अभियान शुरू किया है।

यह 21वीं सदी है मगर फिर भी बहुत से लोग, न केवल ग्रामीण बल्कि शहरी क्षेत्रों से भी, अपनी बीमारियों के इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाने के बजाय तांत्रिक, पीर बाबा या ज्योतिषी से सलाह लेते है। अमलनेर में यह एकमात्र मामला नहीं है, जहां लोगों ने इस मूर्खता के कारण धन, संपत्ति और जीवन खो दिया है। अपने जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हम यह संदेश फैलाना चाहते है कि कानूनी रूप से काला जादू वर्जित है और इस तरह के विचित्र काम करने वाले सीधे-सादे लोगों को रंगीन धागों एवं पाउडर का इस्तेमाल करके धोखा दे रहे है, SSES कॉलेज में सामाजिक कार्य के प्रोफेसर डॉ भरत खंडागले कहते है, जो जागरूकता पहल के हिस्से के रूप में अपने विद्यार्थियों को नुक्कड़ नाटक करने के लिए प्रशिक्षित कर रहे है।

सभी अंधविश्वासों को कानून द्वारा संबोधित नहीं किया जा सकता है। केवल जागरूकता अभियान ही लोगों को धोखेबाज बाबाओं के पास जाने या बंद दरवाजों के पीछे अमानवीय अनुष्ठान करने से रोक सकते है, क्लब के IPP अभिजीत भंडारकर कहते है, आगे यह बोलते हुए कि अंधविश्वासी प्रथाएं अमानवीय और शोषक है, इसलिए इससे सख्ती से निपटने की आवश्यकता है।

अमलनेर के आसपास 155 गाँव है और शिक्षा की कमी लोगों के काले जादू में विश्वास का एक प्रमुख कारण है, SSES कॉलेज की छात्र और एक नुक्कड़ नाटक कलाकार मौली पटेल कहती है। सामाजिक कार्य के छात्रों के रूप में, पटेल और उनके दोस्तों का 15 छात्रों का एक दल इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ ग्रामीणों को शिक्षित करने हेतु एक जोशीले अभियान का आयोजन कर रहे है। अब तक उन्होंने 25 गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए है और अपनी पहल का विस्तार करने के लिए वे और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करने की योजना बना रहे है।

संयोगवश उनका सामना ऐसे धोखेबाज बाबाओं से हुआ जिन्होंने या तो गाँव वालों को धोखा दिया और उनका पैसा लेकर भाग गए या धन एवं स्वास्थ्य की पुनः प्राप्ति के उद्देश्य से नर बली के नाम पर निर्दोष लोगों की हत्या कर दी। नुक्कड़ नाटकों के अलावा, वे पर्चे बांटते है और काले जादू एवं कानूनी रूप से वर्जित कृत्यों के विरुद्ध पोस्टर और बैनर प्रदर्शित करते है।

भंडारकर बताते है कि अघोरी प्रथाओं के खिलाफ जागरूकता पैदा करना आसान नहीं है। ज्यादातर लोगों के लिए यह उनकी आस्था पर सवाल उठाने जैसा है। इसलिए, हमारे RCC सदस्य चौकन्ना रहते है और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते है। छात्रों के यात्रा एवं प्रचालन खर्चों के अलावा, क्लब उनके बैनरों और पर्चों का खर्च भी वहन करता है। ■

काले जादू और इस तरह के अन्य अनुष्ठानों के खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए छात्र एक नुक्कड़ नाटक का मंचन करते हुए।

सूर्य द्वारा बिजली निर्माण

प्रीति मेहरा

घर पर सौर ऊर्जा शुरू करने का सबसे आसान तरीका

जैसा कि हम एक डिजिटल परिदृश्य पर बातचीत करते हैं और ऊर्जा द्वारा संचालित हमारी स्मार्ट दुनिया है, तो आगे इसकी खपत सिर्फ़ और बढ़ने ही वाली है। और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए जितना संभव हो उतना आत्मनिर्भर बने, खासकर अगर हरित-क्रांति हमारे दिमाग में सबसे ऊपर है, तो घर पर सौर या पवन ऊर्जा स्थापित करने पर विचार करना बुरा नहीं है। विशेष रूप से हमारे जैसे देश में, जहां हमारी भौगोलिक स्थिति के आधार पर सूरज की रोशनी और हवा दोनों की बहुतायत है।

पिछले कुछ वर्षों में छत-सौर-ऊर्जा पर बहुत ध्यान दिया गया है। यहां तक कि प्रशासन, राज्य और संघ दोनों, स्वतंत्र घरों पर या आवासीय/कार्यालय परिसरों में सौर फोटोवोल्टिक (PV) प्रणाली को बढ़ाने के लिए सभी प्रकार की सब्सिडी की पेशकश कर रहा है। हालांकि शुरुआत में एक निवेश की ज़रूरत पड़ती है, पर यह लंबे समय में बिजली के बिल को कम करने में काफ़ी मदद करता है।

तो, एक सरल संभव तरीके से इसके लिए कैसे जाया जाता है? शुरुआत करने के लिए, एक सौर ऊर्जा ठेकेदार को फ़ोन करने में समझदारी है। वह आपके लिए दो चीजें निर्धारित करेगा। एक, ऊर्जा की आपकी आवश्यकता कितनी है, और दूसरा, आपके लिए पैनल स्थापित करने का सबसे आसान तरीका क्या है। ऊर्जा मॉडलिंग के माध्यम

से पहला चरण निर्धारित किया जाएगा, ताकि यह मूल्यांकन किया जा सके कि आपका घर सालाना कितनी ऊर्जा का उपयोग करता है।

दूसरे चरण में, ठेकेदार यह सुनिश्चित करने के लिए एक साइट विश्लेषण करेगा कि दीवार या छत की सतहों पर पर्याप्त सूर्य की रोशनी उपलब्ध है या नहीं और सौर सतहों के आकार पर आपके साथ परामर्श करेगा। यह आपको आवश्यक पैनलों की संख्या सुनिश्चित करने और इसके लिए सबसे अच्छी जगह और डिजाइन पर निर्णय लेने में मदद करेगा। आप आसानी से एक योग्य ठेकेदार से पेशेवर सलाह लेने के लिए अपने क्षेत्र में सौर-ऊर्जा कंपनियों के लिए ऑनलाइन खोज कर सकते हैं। अधिकांश शहरों में ऐसे पेशेवरों की अपनी निर्देशिकाएं होती हैं।

बस इतना याद रखें कि आपकी छत पर लगनेवाला पीवी (झत) सिस्टम एक मिनी पावर प्लांट है, जो आपकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी को बिजली में परिवर्तित करता है। यह ग्रिड में भी फीड कर सकता है। हालांकि सोलर रूफटॉप सिस्टम को स्थापित करना इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन इंस्टॉलेशन का आकार उपलब्ध स्थान, घर या सोसाइटी द्वारा खपत की जानेवाली बिजली की मात्रा और मालिकों की आवश्यक पूंजी पर खर्च करने की इच्छा पर निर्भर करेगा। जहां तक लागत का संबंध है, वह काफी हद तक सौर-ऊर्जा प्रणाली पर निर्भर करेगा जिस पर आप निर्णय लेंगे और अगर कोई सब्सिडी हो, जिसे आप सरकार से प्राप्त कर सकते हैं।

लैपटॉप में इस्तेमाल होनेवाली बैटरी के समान लिथियम-आयन बैटरी 50 प्रतिशत महंगी होती है, लेकिन उनकी उम्र 13-18 साल होती है क्योंकि उनके पास बेहतर पुन: प्रयोज्य क्षमता होती है।

अगर एक छत पीवी प्रणाली के लिए आवश्यक घटकों की बात करें, तो आपको इनवर्टर और जोड़नेवाले ढांचों के साथ निश्चित रूप से एक पीवी मॉड्यूल की आवश्यकता है। इसके आकार के आधार पर, स्ट्रिंग बॉक्स, ट्रांसफॉर्मर, मीटर, चार्ज नियंत्रक, बैटरी और जनरेटर जैसे अन्य घटकों को अक्सर शामिल किया जाता है।

एक सौर पीवी मॉड्यूल का आकार इसके उत्पादन, पूरे सिस्टम की दक्षता और आपकी बिजली की आवश्यकता पर निर्भर करेगा। बाजार में उपलब्ध पैनल लगभग 14 से 16 प्रतिशत कुशल हैं, और इनकी उम्र 25 साल है। एक बार स्थापित होने के बाद, सौर पैनलों को न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता होती है- बस कभी-कभी धूल और पक्षी मल की सफाई इसे ठीक-ठाक रखने के लिए काफ़ी है।

इसलिए, कृपया ध्यान दें कि पैनलों को कहीं सुलभ स्थान पर स्थापित करना महत्वपूर्ण है ताकि वे नियमित रूप से साफ हो सकें। दरअसल, कुछ स्टार्ट-अप्स ऐसे हैं जो अब ऐसे रोबोट पेश कर रहे हैं जो पैनल की सफाई से जुड़े हुए हैं ताकि हाथ से सफाई खत्म हो जाए। लेकिन इस तरह की सेवा पाने के लिए आपको अपनी लागत में काम करना होगा। एक मॉड्यूल पैनलों के आकार और सिस्टम की दक्षता के आधार पर 10 से 300 वाट के बीच कहीं भी बिजली उत्पन्न कर सकता है।

बिजली को स्टोर करने के लिए लेड-एसिड और लिथियम-आयन बैटरियां उपलब्ध विकल्प हैं। लेड एसिड बैटरियां इनवर्टर में इस्तेमाल की जाती हैं और वे सस्ती होती हैं, हालांकि वे भारी होती है और एक सीमित उम्र पांच से दस साल तक काम करती हैं। लैपटॉप में इस्तेमाल होनेवाली बैटरी के समान लिथियम-आयन बैटरी 50 प्रतिशत महंगी होती है, लेकिन उनकी उम्र 13-18 साल होती है क्योंकि उनके पास बेहतर पुन: प्रयोज्य क्षमता होती है। वे कम भारी और अधिक कुशल होती हैं। लेकिन अतिरिक्त प्रारंभिक लागत को देखते हुए, ज्यादातर घरों में लेड-एसिड-बैटरी ही पसंद करते हैं।

सोलर रूफटॉप सिस्टम डिजाइन करने से पहले घर के उपभोग भार को समझना जरूरी है।

इस वेबसाइट -solarmyroof.cseindia.org- में जानकारी दर्ज करके आप छत प्रणाली के आकार, इसे स्थापित करने के लिए आवश्यक स्थान और लागत धन के बारे में पता कर सकते हैं।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (CSE) ने एक सरल ऑनलाइन टूल तैयार किया है। इस वेबसाइट -solarmyroof.cseindia.org- में जानकारी दर्ज करके आप छत प्रणाली के आकार, इसे स्थापित करने के लिए आवश्यक स्थान और लागत धन के बारे में पता कर सकते हैं। इसके आगे की महीन जानकारियां एक स्थानीय सलाहकार की मदद से प्राप्त की जा सकती हैं।

सलाहकार आपको यह तय करने में भी मदद करेगा कि क्या आप कैपेक्स (CAPEX) मॉडल के लिए जाना चाहते हैं, जहां आप परियोजना की पूरी लागत के लिए भुगतान करते हैं, या रेस्को (RESCO-नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी) मॉडल के लिए जाना चाहते हैं। इस मॉडल में सौर ऊर्जा डेवलपर्स अपनी कीमत पर छत पर संयंत्र स्थापित करते हैं और आपको उत्पादित बिजली बेचते हैं। दोनों प्रणालियों के अपने फ़ायदे और नुकसान हैं, इसलिए थोड़ा सा होमवर्क करने से आप आगे रहेंगे।

एक सौर-ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के लिए थोड़ी-सी सोच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन लंबे समय में होनेवाली इसकी उपयोगिता के बारे में कोई संदेह नहीं है। अगले अंक में हम छत पर से पवन ऊर्जा का निर्माण करनेवाले नवाचारों को देखेंगे!

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Wordsworld

Of soirees and sensations

Sandhya Rao

Stories from the world of music, real and real-ly imagined.

All of us have stories to share from our experiences and we recount them, sometimes deadpan, sometimes blended with *mirch masala* and a crush of *kasuri methi* for the general listening pleasure. Among my mother's all-time favourite stories concerned the golden-voiced, maverick yet endearing musician M Balamuralikrishna.

Amma's story goes like this: Many years ago, the Music Academy in Madras (now Chennai), the frontrunning platform for all performing artists, had blacklisted Balamurali, and would not invite him to perform on its stage. The reasons are unknown to me. However, Balamurali was not only a creative genius, he was fiercely dogged and he somehow, finally, managed to get a leg in. This is when Amma's giggling fit would begin. She and my aunt were in the upper galleries that evening when Balamurali took the stage and the way she tells it, he didn't get off until he had run through practically his entire songbook, turning one page after another without a break. It was, my mother recalls, a performance that showcased some familiar songs, but mostly original compositions set in *ragas* of his own creation. You could see the organisers getting agitated, my mother would recall giggling away 'They tried so hard to stop him,' Amma would say, 'but uh-huh, he didn't even look in their direction, he just went on and on. They didn't know what to do!'

Music, like poetry, resides with and around us everywhere, in every moment, but the world has chosen June 21 to celebrate it annually, at least since around 1981. That's why my thoughts drifted to music, musicians and, as you rightly guess, books about music and musicians. Prominently displayed in my bookshelf is *Raga'n Josh: Stories from a Musical Life* by Sheila Dhar. It's a gift from a friend: a collection of incisive, droll and detailed writings about many things, especially music.

Sheila Dhar was passionate about Hindustani music and was no mean singer herself. She worked with the Publications Division and wrote a delightful book for children (among others) called *This India*. She was associated with the Sangeet Natak Akademi and the Indian Council for Cultural Relations. She was a sharp writer and being married to the economist PN Dhar provided many opportunities to rub shoulders with prominent and/or influential people. Her musical journey brought her close to personalities such as Begum Akhtar, Fayyaz Ahmad Khan, Pran Nath, Siddheswari Devi and Kesarbai Kerkar. Add to all this a keen sense of observation laced with a streak of mischief, not to mention an amazing way with words. To quote from the back cover of *Raga'n Josh*: 'Incisive intelligence, comic effervescence, self-deprecating humour, and a fascinating ability to manipulate the English language for Indian contexts…' The book has and is all this. The best part is that you don't have to be a music-lover to enjoy it, although it is a bonus if you do.

As you chuckle your way through the pieces, each a separate chapter, you also get glimpses into the lifestyle of a well-positioned and extended Mayur Kayasth family whose dining table

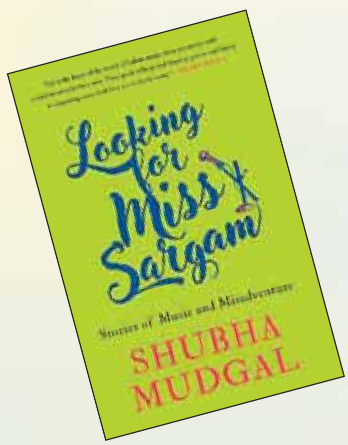

seated over 50 members in descending order of importance at any given meal. That is a story in itself. The collection also has memorable ruminations on many subjects, but the music plays on.

For instance, I opened the book at random and found this little section talking about how musicians are influenced by those whom they admire or love, even if they belong to other *gharanas* or schools: 'The other day a brilliant young vocalist, recording her first CD, honoured the master she admired most simply by singing in his special manner. Everyone present recognised the tribute without a word having been said. "I just felt like writing a love letter today," she remarked later.' Then, Sheila Dhar goes on to mention how every time Mallikarjun Mansur sang *Raag Jaunpuri*, he would 'interrupt himself to tell his listeners that he was singing the *antara* in the characteristic manner of Manji Khan, a guru whom he adored'. A little later, he would mention the name of Rahmat Khan from whom Manji Khan had got it. 'In this tradition,' Sheila Dhar writes, 'no great musician lives alone on the creative mountaintop… In a sense, all outstanding achievement in this field is collective, and there is a sense of participation by a warm, closely connected joint family which lives in the mind of the musician and provides him with all the earlier recordings he might wish to refer to.'

In a sense, it is this 'collective' that Carnatic musician TM Krishna is perhaps inspired by in his thoughtful, often provocative writings and in his music itself. Whether you are a musician or not, aficionado or not, his *A Southern Music* is a must-read for the insights it provides and the thinking it triggers about history, tradition, practice and performance. Striking a different note is Namita Devidayal's *The Music Room*. Although it's a memoir of the author's musical journey, it has a fiction-like quality. It begins with her first lessons as a child to study music from Dhondutai, the last disciple of Kesarbai Kerkar and Alladiya Khan. As the reader journeys with Namita Devidayal, an intricately interlinked world unravels in which music dominates. In an interaction at the Asia Society headquarters in New York some ten years back, the author told her audience: 'The music we have today is as beautiful as it is only because of the influences that came in when the Mughals came in. … You have Hindu singers and Muslim singers performing together in a way that is unimaginable. I think we need to cherish this.'

That's what, perhaps, inspired singer Shubha Mudgal to write *Looking for Miss Sargam: Stories of Music and Misadventure*. The fact that she cherishes her musical heritage as well as all that it has given her as a practising musician. Anyone who knows music knows Shubha Mudgal and her powerhouse of a voice. That same voice speaks to readers with affection, irony, compassion and accuracy in this, her debut offering of fiction. Yet, again, as anyone who is familiar with the music world would know, truth

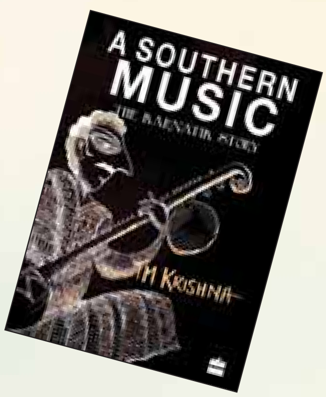

The music we have today is as beautiful as it is only because of the influences that came in when the Mughals came in. … You have Hindu singers and Muslim singers performing together in a way that is unimaginable.

lies at the heart of each story, whether it is about a singer dying to perform abroad and being hosted by locals in the US, or raising funds for a music competition. India-Pakistan music concerts for peace? There hangs a story. Work not being acknowledged, or worse, being appropriated? Looking for patronage? Or desperate for public honour? Shubha Mudgal writes with a light touch but the underlying tragedy is unmistakable.

So, dear readers, there's plenty to look forward to and, given the present environment, time enough to read and ruminate. When you go looking for these books, I promise you will stumble upon an even greater haul. *Miss Sargam* could lead the way, to both books and music. Don't forget to listen to music.

The columnist is a children's writer and senior journalist.

रोटरी क्लब पटियाला मिडटाउन का एक संतुष्टिदायक वर्ष

जयश्री

रोटरी वर्ष 2020-21 समाप्त होने को आया है और रोटरी क्लब पटियाला मिडटाउन, रो ई मंडल 3090 के अध्यक्ष माणिक राज सिंगला संतुष्ट रोटेरियनों में से एक हैं। ''मैंने 76 परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए अपनी टीम का नेतृत्व किया, जिसने पूरे वर्ष में कई लोगों के जीवन पर प्रभाव डाला है। मैं अतीत में किए अपने पिछले कामों को देखकर पिछले साल के अपने प्रदर्शन पर गर्व कर सकता हूँ'' - उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। हालांकि, उनके दिल के सबसे करीब परियोजना महिलाओं के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम है। क्लब ने महिलाओं को सिलाई (टेलरिंग) का प्रशिक्षण देने के लिए पटियाला के रोटरी भवन में एक केंद्र की स्थापना की है। पिछले साल तीस महिलाओं ने यह कला सीखी और उनमें से 15 महिलाओं को उनकी खराब आर्थिक स्थिति होने के कारण एवं इस पेशे को आगे बढ़ाने में मदद प्रदान करने के लिए सिलाई मशीनें प्रदान की गई। क्लब प्रशिक्षित महिलाओं को रोजगार खोजने में या उनका खुद का टेलरिंग यूनिट स्थापित करने में सहायता प्रदान करता है।

श्री सिंगला का लक्ष्य 1,000 महिलाओं को प्रशिक्षित करना है। महामारी और आगामी लॉकडाउन ने परियोजना को धीमा कर दिया है। ''लेकिन मेरे उत्तराधिकारी, तरसेन बंसल भी कार्यक्रम को जारी रखने के प्रति उत्साहित हैं।'' श्री सिंगला के इस साल क्लब सेक्रेटरी बनने से काम आसान हो गया है। केंद्र में 32 सिलाई मशीनों का उपयोग करके दो बैच में कक्षाएं संचालित की जाती हैं। दूसरी कोविड लहर की शुरुआत में क्लब ने जिला प्रशासन को 5,000 कपड़े के मास्क प्रदान किए, जिसकी शहर के कमिश्नर ने सराहना व्यक्त की। ''यह रद्दी की चीजों से धन पैदा करने का मामला था।'' हमें एक कपड़ा व्यापारी से सूती कपड़े के 500 टुकड़े मिले और ट्रेनी महिलाओं को कपड़े से मास्क बनाना सिखाया गया। हमने महिलाओं के काम हेतु भुगतान किया। इसलिए यह सभी के लिए फायदे का सौदा था, '' श्री सिंगला ने बताया।

एक अन्य उल्लेखनीय परियोजना वर्चुअल निबंध लेखन प्रतियोगिता थी, जिसमें 2,400 छात्रों ने भाग लिया। फाइनल में, पंजाब राज्य के शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। क्लब ने दो दिवसीय ऑनलाइन आरवाईएलए की मेजबानी की। भरत पंड्या की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से 1,900 लोगों ने भाग लिया।। स्कूल के बच्चों के

रोटरी क्लब पटियाला मिडटाउन द्वारा बच्चों को गर्म कपड़े उपहार में दिए गए। क्लब के आईपीपी माणिक राज सिंगला चित्र में शामिल हैं।

लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता और युवाओं के लिए एक ऑनलाइन पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन, क्लब के द्वारा आयोजित किए गए कुछ अन्य गतिविधियां थीं।

उन्होंने बताया कि ''हमने सतत अभियान में भाग लेने वाले किसानों को 10,000 मास्क वितरित किए और उन अनाथालयों और नर्सिंग होम में सैनिटाइजर और मास्क प्रदान किए, जिनका हम नियमित रूप से दौरा करते हैं।'' क्लब के सदस्य अक्सर जन्मदिन और अपने जीवन के अन्य महत्वपूर्ण दिनों को रहवासियों के साथ मनाते हैं। उन्होंने इन घरों में लोगों को कंबल और जूते बांटे।

दो ब्लड डोनेशन कैंप और दो मेडिकल कैंप, सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर में विकास करना और पौधारोपण करना आदि पिछले वर्ष में की गई कुछ गतिविधियां हैं जिन्हें पिछले साल क्रियान्वित किया गया था। क्लब ने अपने 12 कोविड टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से 5,000 लोगों के टीकाकरण की सुविधा प्रदान की थी।

रोटरी भवन के एक प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई सीखती महिलाएं।

इस वर्ष के दौरान श्री सिंगला ने 3 इंटरएक्ट और रोटरैक्ट क्लबों को लाइसेंस दिया। ''इस साल, इंटरैक्टिव और ई-लर्निंग के अध्यक्ष के रूप में, मैंने 9 इंटरेक्टिव क्लब स्थापित किए हैं,'' श्री सिंगला ने मुस्कुराते हुए कहा, जो सन् 2017 से रोटरी क्लब के सदस्य हैं। रोटरी क्लब के लिए उनके उत्साह का श्रेय अपने पिता को देते हैं, जो रोटरी क्लब पटियाला के सदस्य हैं।

बंगाल में चक्रवात प्रभावित परिवारों को रोटरी की राहत

टीम रोटरी न्यूज़

इस साल मई के दौरान चक्रवात यास ने हाई टाइड के साथ पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के एक समुंद्र के किनारे स्थित रिसॉर्ट गांव मंदारमनी में हजारों परिवारों को बेघर कर दिया था। उनकी तकलीफों को दूर करने के लिए रो ई मंडल 3291 के अंतर्गत, रोटरी क्लब कलकत्ता मिड साउथ ने इस गांव में चक्रवात प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविर का आयोजन किया।

क्लब ने इस तटीय गांव में 100 परिवारों को 5 किलो चावल, नमक, सरसों का तेल, आलू, चीनी, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च और अन्य आवश्यक सामान युक्त किराने के प्रत्येक ₹500 मूल्य के पैकेट वितरित किए।

इसी तरह, रोटरी क्लब कलकत्ता मैजेस्टिक ने दक्षिण 24 परगना जिले में आनेवाले नामखाना तहसील के उत्तर चंदनपिरी गांव में 50 परिवारों को

पश्चिम बंगाल के एक गांव में चक्रवात राहत सामग्री का वितरण।

चक्रवात राहत बांटने के लिए रो ई मंडल 1145 के रोटरी क्लब अष्टाद, यूके, से हाथ मिलाया। इस मौके पर चार वाटर प्यूरीफायर भी दान किए गए। डीजी प्रबीर चटर्जी, क्लब के आईपीपी बुलबुल कुंडू और पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश सोवन घोष गांव में मौजूद थे। नामखाना स्थित क्लब के आरसीसी ने रोटेरियनों को आवश्यक सामान लाभार्थियों तक पहुंचाने में मदद की।■

क्या आप उचित तीव्रता से वर्कआउट कर रहे हैं?

शीला नंबीयार

आपको हर दिन 30 मिनट के लिए ट्रेडमिल पर चलने के लिए कहा गया था। आप संगीत सुनते हुए आराम से चलते रहते हैं और सोचते हैं कि दोपहर के भोजन में क्या खाया जाए। आखिरकार, स्वास्थ्य को बनाए रखने में एक दिन में कम से कम 30 मिनट लगते हैं, है ना? कोई बात नहीं, आप ऐसा कर सकते हैं।

हालांकि यह सच है कि लंबी अवधि का कम तीव्रता वाला वर्कआउट मुख्य रूप से आपके वसा-भंडार से उस विशेष वर्कआउट के लिए आवश्यक ऊर्जा को प्राप्त करता है, यह खर्च की गई ऊर्जा की कुल मात्रा की तुलना में दिन/सप्ताह/महीने के अंत में खपत की गई ऊर्जा है जो वास्तव में मायने रखती है और आपके वजन को निर्धारित करती है।

तो मान लीजिए कि आप 3 किमी प्रति घंटे की गति से चल रहे हैं और आप 60 मिनट में लगभग 150-200 कैलोरी बर्न करते हैं। इनमें से अधिकतर कैलोरी आपके वसा-भंडार से आ रही होती है क्योंकि आप एक कम तीव्रता वाला व्यायाम कर रहे होते हैं, हालांकि यह एक दीर्घकालिक कैलोरी कमी है जो कि वजन को घटाने और अधिक महत्वपूर्ण रूप से वजन के प्रबंधन के लिए है। उदाहरण के लिए, यदि आप उस घंटे के दौरान अधिक तीव्रता से काम करते हैं और लगभग 300-500 कैलोरी बर्न करते हैं, तो लंबे समय में, आपके कैलोरी के कम रहने की संभावना है (जो वजन घटाने के लिए आवश्यक है)। लंबे समय तक बर्न की गई कैलोरी का संचय प्रति व्यायाम बर्न की गई कैलोरी से अधिक महत्वपूर्ण है।

यहां एक और महत्वपूर्ण खोज पर जोर देने की जरूरत है कि यदि आप अधिक तीव्रता से वर्कआउट कर सकते हैं, तो ऐसा करने से ऊर्जा-व्यय में निरंतर वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप व्यायाम के बाद कैलोरी व्यय होगी। व्यायाम की तीव्रता जितनी अधिक होती है, चाहे वह एरोबिक व्यायाम हो या भार प्रशिक्षण (वेट ट्रेनिंग), व्यायाम के बाद उतनी अधिक कैलोरी बर्न होती है जो कभी-कभी 6-12 घंटे तक चलती है। हालांकि यह वृद्धि मामूली है पर यह फैट लॉस करने के लिए बहुत प्रभावशाली है। इसे ईपीओसी या एक्सेस पोस्ट एक्सरसाइज ऑक्सीजन कंज्मशन कहते हैं। उच्च तीव्रता वाले वर्कआउट और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के बाद ईपीओसी बढ़ जाता है।

MET क्या होता है?

आपके व्यायाम की तीव्रता को संक्षिप्त नाम मेटाबोलिक इक्विवेलेंट, MET द्वारा परिभाषित किया गया है। यह आपके काम करने वाली चयापचय दर का आपके आराम करने वाली चयापचय दर का अनुपात है। आराम से खपत की गई ऊर्जा को आमतौर पर 1 MET कहा जाता है। जैसे-जैसे आप शारीरिक गतिविधि बढ़ाते हैं, वैसे-वैसे ही आपका मेट भी बढ़ता जाएगा। उदाहरण के लिए, बागवानी में आपका लगभग

4-5 मेट स्तर होता है। पार्क में चलने में 3-5 मेट लग सकता है। 4 मेट के साथ एक गतिविधि का मतलब है होता है कि आपके काम की तीव्रता आपके आराम करने की तुलना में 4 गुना अधिक तीव्र है।

आपके आवश्यक MET की गणना कैसी की जाती है?

आवश्यक एमईटी की गणना किसी व्यक्ति की उम्र और बुनियादी जीवन शैली (गतिहीन / अत्यधिक सक्रिय, आदि) के आधार पर की जाती है। यह केवल शारीरिक रूप से सामान्य लोगों के लिए उपयुक्त है। दिल की समस्याओं वाले लोगों, सर्जरी के बाद, या विकलांग लोगों के लिए अलग तरह से गणना की जानी चाहिए, और इसमें लक्ष्यों, उद्देश्यों और कार्य सिद्धांतों का एक अलग सेट शामिल है।

एक फिटनेस पेशेवर को आपके वर्कआउट के दौरान आपको आपके वर्कआउट का अधिकतम लाभ देने के लिए आवश्यक मेट को आपको बताना/सिखाना चाहिए। प्रत्येक गतिविधि (चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, आदि) का अपना मेट होगा। उदाहरण के लिए, रनिंग का मेट चलने की अपेक्षा अधिक होता है।

जब आप शुरू में पहली बार अपने मेट की निगरानी शुरू करते हैं तो आपके आवश्यक मेट तक पहुँचना आपको एक कठिन काम की तरह लग सकता है। आपने अनुमान नहीं लगाया था कि यह कितना कठिन होगा, आप इसे किस तरह से बनाए रखेंगे? जैसे-जैसे आपके फिटनेस लेवल में सुधार होता है, इसे व्यवस्थित करना आपके लिए और आसान होता जाता है। यह आपको काम करने के लिए एक लक्ष्य देता है, जिसे आसानी मापा जा सकता है क्योंकि इसे आपकी कार्डियो मशीन पर एक साधारण संख्या द्वारा दर्शाया जाता है।

उस दशा में, जब आप अपने मेट की गणना न कर पाएं?

व्यायाम/वर्कआउट की तीव्रता का आंकलन करने का एक अन्य तरीका परसीवड एक्सरेशन दर या आरपीई स्केल का उपयोग करना है। यह एक व्यक्तिगत उपाय है कि आप व्यायाम के दौरान कैसा महसूस करते हैं। 1 से 10 के स्केल पर, स्थिर बैठने पर 1 स्केल होगा। मध्यम गतिविधियाँ, जैसे बिना पसीना बहाए

- ✓ 1 MET वह ऊर्जा होती है जिसका आप उपयोग आराम करते समय करते हैं।
- ✓ 1 MET लगभग 3.5 मिली ऑक्सीजन है जो प्रति किलो शरीर के वजन की प्रति मिनट खपत है।
- ✓ आपको जिस MET की जरूरत है, उसे आपकी उम्र और जीवनशैली को ध्यान में रखकर निकाला जाता है।
- ✓ जिम में अधिकांश कार्डियो इक्यूपमेंट आपके द्वारा उपयोग की जा रही उपयुक्त MET को प्रदर्शित कर सकते हैं।
- ✓ यदि आप अपने MET की गणना न कर पाएं तो अपने वर्कआउट की तीव्रता स्तर का आंकलन करने के लिए परसीवड एक्सरटेशन की दर का उपयोग करें और समय-समय पर इसे बढ़ाने का लक्ष्य रखें।

घर के चारों ओर घूमने पर लगभग 5 स्केल होगा। जैसे-जैसे आप व्यायाम की तीव्रता को बढ़ाते हैं, आपकी सांस फूलने लगती है, और आपका दिल बढ़े हुए वर्कलोड को संभालने के लिए तेजी से धड़कना लग जाता है। लगभग 7 की तीव्रता पर आप बोल तो सकेंगे लेकिन एक वाक्य से अधिक नहीं बोल पाएंगे। 8-9 की तीव्रता पर आप व्यायाम करते समय एक या दो शब्दों से अधिक नहीं बोल पाएंगे। 9-10 पूर्ण गतिविधि है, इस लेवल पर आप एक भी शब्द बोल पाने में समर्थ नहीं रहेंगे। उच्च तीव्रता लंबे समय तक नहीं बनी रह सकती है। 100 मीटर की एक तेज दौड़ 9-10 स्केल की तीव्रता की होगी।

आप जिम में अपने MET को कैसे देख या पहचान सकते हैं?

जिम में बहुत से कार्डियोवैस्कुलर उपकरणों में एक विकल्प के तौर पर कंट्रोल पैनल पर मेट सेटिंग होती है जिसे ट्रेनिंग के दौरान आसानी से देखा जा सकता है। आप देखेंगे कि आप मशीन पर गति, झुकाव या वर्कलोड को बढ़ाकर अपने MET को बढ़ा या घटा सकते हैं। समय के साथ ही एक अनुभवी व्यायामकर्ता आसानी से अपने वर्किंग एम.ई.टी. की पहचान (महसूस करने के आधार पर) व्यक्तिगत रूप से कर सकता है, और तब भी वह इसकी पहचान कर सकता है जब वह बिना मशीन के बाहर व्यायाम कर रहा होता है।

हो सकता है कि आप वर्कआउट की पूरी अवधि के दौरान अपने आवश्यक मेट को सतत बनाए रखने में सक्षम न हो पाएं। हमारा आइडिया यह है कि समय-समय पर इसे प्राप्त करने का प्रयास किया जाए। दूसरे शब्दों में, आप अपने आवश्यक मेट को प्राप्त करने के लिए अपने व्यायाम के दौरान हर कुछ मिनटों में आप अपने आप को कम्फोर्ट जोन से बाहर निकालें। इसे हाई-इंटेनसिटी इंटरवल ट्रेनिंग या एच.आई.आई.टी. कहा जाता है और यह यह फैट लॉस (मोटापा) करने में और साथ ही साथ हृदय की सहनशक्ति में उल्लेखनीय सुधार लाने में बहुत प्रभावशाली है।

- **कम तीव्रता:** यह पी.ई.एस. स्केल के 3-5 स्तर के बारे में है। आप इस तीव्रता से काम कर सकते हैं जब आप वार्मअप कर रहे हों या लंबे समय से व्यायाम कर रहे हों जैसे लंबी दूरी तक साइकिल चलाना या धीमी गति और आराम से चलना। यह काम की वह तीव्रता भी हो सकती है जो आप करते हैं जब आप दिन भर टहलते हैं।

- **मध्यम तीव्रता:** यह पी.ई.सी. पर 5-7 का स्तर है जहांकि आपका अधिकांश वर्कआउट (व्यायाम) किया जाना चाहिए। इसे एक ऐसे स्तर या दशा के रूप में माना जाएगा जहां आप बात तो कर सकते हैं, पर केवल एक वाक्य ही बोलने में समर्थ होते हैं। इस स्तर को सप्ताह में लगभग 3-4 बार आजमाएं अर्थात इस स्तर पर जाने की कोशिश करें।

- **उच्च तीव्रता:** यह पी.ई.एस. पर 8-9 का स्तर है और यह एक ऐसा स्तर है जहां पर आप केवल थोड़े समय के लिए ही रह सकते या काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, हाई इंटेनसिटी इंटरवल ट्रेनिंग के दौरान आप इस तीव्रता स्तर पर हो सकते हैं। इसे सप्ताह में एक या दो बार बीच-बीच में काफी आराम लेते हुए किया जा सकता है।

मानव शरीर में सुधार करने की एक बड़ी क्षमता है - बशर्ते कि हम इसे चुनौती दें अर्थात

जब तक कि हम इसे चुनौती नहीं देते। अपने पूरे वर्कआउट के दौरान एक नीरस और आरामदायक स्तर पर व्यायाम तीव्रता के स्तर को बनाए रखने से केवल एकरसता या बोझिलपन पैदा होगा और उस चरण पर चला जाएगा जिसे शारीरिक फिटनेस की भाषा में ''हिटिंग दा वाल'' कहा जाता है अर्थात उस बिंदु पर पहुंच जाना जहां आपको ऊर्जा में कमी का अहसास होने लगता है और आप आगे जाने में अपने आप को असमर्थ पाते हैं। आपको कोई प्रगति नहीं दिखाई देगी। दूसरी ओर, बार-बार अपने अपने मेट (एम.ई.टी.) पहुंचना पर और इसे लंबे समय तक बनाए रखने में समर्थ होना, आपको उपलब्धि एवं संतुष्टि की भावना देगा और आपके शरीर को उच्च सीमाओं तक जाने के लिए प्रेरित करेगा।

यदि आप वैगन से गिर जाते हैं और आपने कुछ समय से अपने ट्रेनिंग शूज नहीं देखे हैं अर्थात यदि आपकी ट्रेनिंग में कुछ अंतराल आ गया है तो आपको यह सलाह दी जाती है कि आप कम तीव्रता स्तर से फिर से शुरू करें और फिर से इसे बढ़ाएं। फिटनेस का स्तर अक्सर लापरवाही के कारण बिगड़ जाता है, खासकर यदि आप एक नौसिखिया (बिगनर) और आपने पर्याप्त फिटनेस स्तर को नहीं बनाया है। लंबे समय के बाद वहीं से वापस शुरू करने की उम्मीद करना जहां से आपने छोड़ा था, अव्यवहारिक है और ऐसा करना बुद्धिमानी नहीं है।

आपके जीवन में ऐसे भी दिन होंगे जब आप केवल टहलना चाहते होंगे, तो उस समय सौम्यतापूर्वक स्ट्रेचिंग करें या रिलैक्शेसन (आराम) करें। यह उचित है और स्वीकार योग्य है।

फिटनेस में सदैव ही सुधार के लिए अवसर है। फिटनेस के स्तर में सुधार का लक्ष्य उन लक्ष्यों में से एक है जिसे निर्धारित किया जाना चाहिए। इस तरह, आप अपनी प्रगति को माप सकते हैं और भले ही पैमाने पर वजन कुछ समय तक न बढ़े, लेकिन फिर भी आप व्यायाम जारी रखने हेतु प्रेरित रहेंगे। मैं हमेशा अपने ग्राहकों से कहता हूँ कि वे केवल वजन पर ही न ध्यान दें बल्कि अपने फिटनेस लेवल पर भी ध्यान दें, जिसमें सुधार होगा बशर्ते कि वे शरीर को पर्याप्त रूप से चुनौती दें एवं साथ ही तय की गई दूरी को बढ़ाने की

लेखक एक जीवन शैली चिकित्सक है।
sheela.nambiar@gmail.com
www.drsheelanambiar.com

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

लक्ष्य - 3: TRF लक्ष्य निर्धारण 2021-22

न्यासी गुलाम वाहनवटी के नेतृत्व में 8 जून 2021 को TRF के लक्ष्य निर्धारण सत्र - लक्ष्य 3 का आयोजन आभासी रूप से किया गया और इसमें RID, EMGA, RRFC, ARRFC, DG और RISAO के TRF कर्मचारियों सहित रोटरी के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने 2021-22 की TRF टीम को एक प्रेरक भाषण दिया। उनके विषय, 'स्तर ऊंचा करो', ने लक्ष्य-निर्धारण सत्र की भूमिका बांधने का कार्य किया जहाँ DGयों से मंडल नेतृत्वकर्ताओं के रूप में अपने वर्ष के लिए धन संचयन लक्ष्य की पुष्टि करने का अनुरोध किया गया।

वाहनवटी ने अपने स्वागत सम्बोधन में वर्ष के लिए चुने गए नेतृत्वकर्ताओं के समर्थन से उचित और प्राप्त करने योग्य टीआरएफ लक्ष्य निर्धारित करने पर जोर दिया। PRID कमल संघवी ने रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से 'पोलियो उन्मूलन: हमारा अधूरा कार्य' पर बात की ताकि दुनिया से पोलियो के खत्म होने तक उन्हें कार्यक्रम का समर्थन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। PRID डॉ भरत पांड्या ने वार्षिक कोष के महत्व पर जोर दिया क्योंकि कार्यक्रम में योगदान लगातार कम हो रहा है। RISAO कर्मचारियों द्वारा विभिन्न TRF कार्यक्रमों एवं नीतियों पर प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम का समापन RID, न्यासी और जोन नेतृत्वकर्ताओं के मार्गदर्शन में DG द्वारा लक्ष्य निर्धारण अभ्यास के साथ हुआ।

RID महेश कोटबागी और RID ए एस वेंकटेश ने TRF दल को संबोधित किया ताकि संस्थान को मजबूत बनाने हेतु महान ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रेरित किया जा सके।

अपनी वेबसाईटों को अपडेट कीजिए

आज की मीडिया और डेटा की समझ रखने वाली दुनिया में, सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्लब सेवा कार्यों में से एक है वेबसाइट को अपडेट रखना और सामाजिक मीडिया एवं सार्वजनिक छवि का प्रबंधन करना। एक प्रभावी वेबसाइट के लिए निम्नलिखित विचार सहायक होंगे:

- *Rotary.org* पर उपलब्ध रोटरी अनुमोदित लोगो सामग्रियों का उपयोग कीजिए।
- हमेशा वर्तमान अध्यक्षीय थीम का उपयोग कीजिए
- हमेशा रोटरी अंतर्राष्ट्रीय एवं मंडल की वेबसाईटों दोनों के लिंक शामिल कीजिए
- अपने क्लब के बैठक के स्थान एवं समय को प्रमुखता से प्रदर्शित कीजिए
- "about" में एवं "Contact us" लिंक को विशिष्टता से प्रदर्शित कीजिए
- क्लब वेबसाइटों को हमेशा होमपेज या एक कहानी के पेज के लिंक पर परियोजनाओं एवं घटनाओं की तस्वीरों के साथ वर्तमान कहानियों को शामिल करना चाहिए। क्लब के होम पेज में कम से कम एक ऐसी क्लब की कहानी शामिल होनी चाहिए जो 30 दिन से अधिक पुरानी न हो।
- क्लब के होम पेज पर आगामी वक्ताओं की सूची एवं उनके विषय शामिल होना चाहिए
- क्लब के होम पेज पर आगामी क्लब कार्यक्रमों की एक सूची शामिल होना चाहिए
- क्लब के होम पेज पर क्लब की सभी सामाजिक मीडिया साइटों के लिंक शामिल होना चाहिए
- क्लब के होम पेज पर आपके क्लब के कार्यकारी व्यक्तियों की सूची शामिल होना चाहिए
- यदि आपके क्लब का कोई सूचनापत्र है, तो सूचनापत्र सदस्यता अनुरोध का विकल्प शामिल होना चाहिए
- वेबसाईट के सभी लिंकों की समय-समय पर खराबी के लिए जांच की जानी चाहिए। ■

On the racks

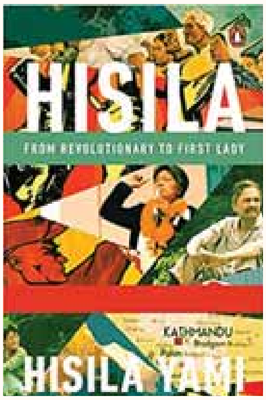

Hisila

Author : **Hisila Yami**
Publisher : **Penguin Random House India**
Pages : **384; ₹499**

Hisila Yami in her political memoir writes about her life as a Nepali politician and an architect. She talks about being a young student activist in 1978 and recounts the 1990 uprising against the Panchayat regime, a partyless type of governance initiated by King Mahendra by sidelining the dominant Nepali Congress, which ruled Nepal from 1960–90. She was one of the prominent women leaders in that political uprising. The book gives insight into her personal life from her marriage to a fellow architect and politician, Baburam Bhattarai, who went on to become Nepali PM to her struggles as a mother and a politician. She also recalls her student years in Delhi studying architecture and then becoming the president of the All-Nepal Women's Association. Her arrest for her anti-monarchy stance and how she went underground in 1996 during the People's War in Nepal were narrated in an interesting manner. She became a politburo member of the CPN (Maoist) which was also nicely captured in crisp words.

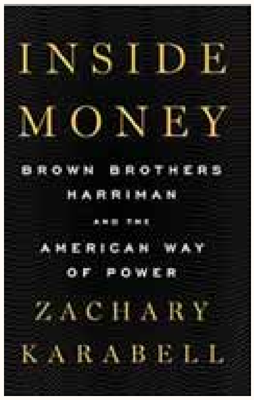

Inside Money

Author : **Zachary Karabell**
Publisher : **Penguin Press**
Pages : **448; ₹2,562**

A walk through the history of the private investment firm Brown Brothers Harriman, this book explores its central role in American wealth creation and the rise of US as a global power. Historian Karabell digs deep into and examines the long history of this financial services firm in a political context. He reveals some uncomfortable truths of the intertwined firm, such as its deep involvement in the cotton economy in southern America that implies that the firm may have supported slavery in the past. The book also gives insight into the leadership of Alexander Brown, who set up the first investment bank in the US, by joining hands with his sons at the Alex Brown and Sons Inc. This company endured wars, banking panics and stock market crashes over decades. The book offers an interesting account of the firm's big push into advisory, wealth management, commercial banking, and investor services for corporates and high net worth clients.

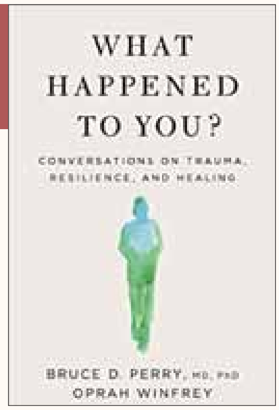

What Happened to You?

Author : **Bruce D Perry and Oprah Winfrey**
Publisher : **Flatiron Books**
Pages : **304; ₹2,108**

Oprah Winfrey, American talk show host and TV producer, along with Dr Bruce D Perry, American psychiatrist and senior fellow at the Child Trauma Academy in Houston, Texas, analyses the effects of trauma on the brain. They discuss both the emotional and biological changes the trauma creates. Dr Perry explains how childhood trauma can profoundly affect an adult's life. The book alternates between sections written by Oprah, as she recalls events from her life, and Perry who uses anecdotes from his practice to explain concepts about the brain's response to trauma in a conversational tone. There are discussions on drug addiction and how people use artificial means to restore some sense of balance in their lives. In other chapters they discuss love, identifying trauma and the healing process.

Compiled by Kiran Zehra

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब आडूथुरई - रो ई मंडल 2981

क्लब द्वारा गोद लिए हुए गाँव कोट्टूर में एक कोविड टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया जिसमें 300 लोगों को टीका लगाया गया। शिविर में मौजूद डॉक्टरों, नर्सों एवं स्वयंसेवकों को भोजन एवं फल दिए गए।

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन - रो ई मंडल 3012

100 जरूरतमन्द परिवारों को किराने का समान दिया गया। मुख्य अतिथि रमेश चंदेर, सोनीपत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, को क्लब सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

रोटरी क्लब सेलम सेंट्रल - रो ई मंडल 2982

अन्नपूर्णा दिवस के उपलक्ष्य में मेट्टूर शहर के पास कोलाथुर गांव में शारीरिक रूप से अपंग 75 लोगों को ₹75,000 की चावल और किराने की थैलियाँ दान की गईं।

रोटरी क्लब नासिक गोदावरी - रो ई मंडल 3030

रो ई की DEI नीति के तर्ज पर, क्लब ने ट्रांसजेंडर कल्कि सुब्रमण्यम को अपने सदस्य के रूप में शामिल किया। वह सहोदरी फाउंडेशन की संस्थापक है जो तीसरे लिंग समुदाय के सशक्तिकरण के लिए काम करता है।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ सेंट्रल - रो ई मंडल 3011

अरावली पहाड़ियों में एक एकड़ की बंजर भूमि पर *वनीकरण* नामक एक प्रमुख वनरोपण परियोजना लागू की गई। लगभग 7,000 देशी पेड़ लगाए गए; और क्लब एक साल तक उन पौधों का रखरखाव एवं सिंचाव करेगा।

रोटरी क्लब जोधपुर - रो ई मंडल 3053

60 डॉक्टरों को कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित करने के लिए क्लब ने रोटरी ब्लड सेंटर से हाथ मिलाया है। DG संजय मालवीय ने जिला प्रशासन के साथ साझेदारी में अपशिष्ट जल संसाधन संयंत्र स्थापित करने में रोटरी के सहयोग की पेशकश की।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब फगवाड़ा मिडटाउन - मंडल 3070

फगवाड़ा के गुरुद्वारा सुखचैन साहिब में पक्षी प्रेमियों को पक्षियों के लिए जल पात्र बांटे गए। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार, सचिव राज कुमार हीर और परियोजना निदेशक नरिंदर सैनी मौजूद थे।

रोटरी क्लब पालिया कलाँ - रो ई मंडल 3120

पलिया कलां स्थित गुरुद्वारा साहिब को दो ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर (₹1.02 लाख) दान किए गए। ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने के लिए ₹31,100 की नकद सहायता दी गई।

रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन - रो ई मंडल 3090

क्लब ने भिवानी के दिनोद गांव की अरुणा तंवर का स्वागत किया। उन्हें ताइक्वांडो में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए टोक्यो में होने वाले पैरा ओलंपिक के लिए चुना गया था। हाथों में विकृति के अलावा, उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

रोटरी क्लब पनवेल इन्डस्ट्रीअल टाउन - रो ई मंडल 3131

पनवेल महानगर पालिका की मदद से रोटरी सामुदायिक केंद्र में एक कोविड टीकाकरण केंद्र की स्थापना की गई। पर्चे बांटकर एवं सामाजिक मीडिया पर अभियान चलकर जागरूकता फैलाई गई।

रोटरी क्लब कानपुर - रो ई मंडल 3110

IPDG दिनेश चंद शुक्ल की मौजूदगी में रोटरी शहीद पार्क में एक रोटरी मास्क बैंक का उद्घाटन UP के मंत्री सतीश महाना ने किया।

रोटरी क्लब सोलापुर नॉर्थ - रो ई मंडल 3132

शवों को खुले में जलाने से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए स्थानीय श्मशान स्थल को एक श्मशान पिंजरा दान किया गया। 500 किलोग्राम वजनी कच्चे लोहे से बना ये पिंजरा जलाऊ लकड़ी की खपत को भी कम करेगा।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब सुलूरपेट - रो ई मंडल 3160

IPDG चिनप्पा रेड्डी और DGE वोमीना सतीश बाबू द्वारा एक हैप्पी स्कूल का उद्घाटन किया गया। ₹4.95 लाख की परियोजना लागत का प्रयोजन रोटेरियन बालू मोहन राव ने किया था।

रोटरी क्लब बैंगलोर नॉर्थ - रो ई मंडल 3190

प्रतिदिन 350 सूखे राशन की किटें और 100 ताजे पके भोजन के पैकेट उन प्रवासी परिवारों को वितरित किए जा रहे है जो बिना भोजन बेंगलुरु में फंसे हुए है।

रोटरी क्लब लोटे - रो ई मंडल 3170

रोटेरियन सुभाष रहाते, रोटेरियन शशांक रेड्डी और रोटेरियन डॉक्टर संदीप सुर्वे ने एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को एक कंप्युटर एवं दो मोबाईल फोन सुपुर्द किए।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर ग्रीन सिटी - रो ई मंडल 3201

₹40 लाख की CSR परियोजना के तहत मिशेल जॉब स्कूल में एक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया। विभिन्न स्कूलों में क्लब द्वारा स्थापित की गई यह इसी प्रकार की 10वीं लैब है।

रोटरी क्लब कुन्दापुर साउथ - रो ई मंडल 3182

कुन्दपुर तालुक के चिततूरु स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को पंद्रह कंप्यूटर टैबलेट वितरित किए गए। PDG ए एस एन हेब्बर और क्लब के IPP उत्तम कुमार शेट्टी इस मौके पर मौजूद थे।

रोटरी क्लब कन्नानोर - रो ई मंडल 3204

ऑनलाइन कक्षाओं में उपस्थित होने हेतु सक्षम बनाने के लिए तलप अपर प्राइमेरी स्कूल के विद्यार्थियों को स्मार्टफोन प्रदान किए गए। अभिभावक शिक्षा समिति को ये मोबाईल फोन सुपुर्द किए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब चेगन्नूर - रो ई मंडल 3211

विकलांगों के लिए एक नवनिर्मित आवास, क्लब की एक प्रमुख परियोजना, को कोट्टायम गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज के प्रधानाध्यापक डॉक्टर जोस जोसेफ द्वारा लाभार्थी परिवार को सौंपा गया।

रोटरी क्लब रांची - रो ई मंडल 3250

क्लब के कोविड टीकाकरण केंद्र ने अब तक 6,500 से अधिक लोगों को टीका लगाया है और यह संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से क्लब के अपने परिसर में इस केंद्र का संचालन किया जा रहा है।

रोटरी क्लब यार्न सिटी नागरकोइल - रो ई मंडल 3212

चेन्नई के -गच् फाउंडेशन के साथ साझेदारी में ₹10 लाख कीमत की स्वच्छता किटों को अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों जैसे पुलिसबल, रिपोर्टरों, नर्सों, आपदा प्रबंधन कर्मचारियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों को सौंपा गया।

रोटरी कलब कटक गोल्डन स्टार - रो ई मंडल 3262

क्लब ने जे जे चिल्ड्रन होम नामक एक अनाथालय में 40 सहवासियों का नाश्ता प्रायोजित किया। रोटेरियनों ने 65 पौधे भी लगाए और 30 डॉक्टरों को उनके कोविड कार्य के लिए सम्मानित किया।

रोटरी क्लब गुवाहाटी सिटी - रो ई मंडल 3240

प्रोजेक्ट अन्नरत्नम के तहत शहर के डॉक्टर बी बोरोहा कैंसर अस्पताल के मरीजों के लगभग 400 परिचारकों को क्लब ने रोटरी क्लब गुवाहाटी मेट्रो के साथ मिलकर भोजन परोसा।

रोटरी कलब कलकत्ता मेजेस्टिक - रो ई मंडल 3291

विशेष बच्चों के एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र प्रयास में कुकीज़, फलों के रस, बिस्कुट और कॉर्नफ्लेक्स सहित अनेक खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया। पेंसिल और ड्राइंग कॉपी जैसी लेखन सामग्री भी दान की गई।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

फरार माली ...और जी डी पी

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

पिछले हफ्ते मेरी पत्नी के साथ एक बार फिर झगड़ा हो गया हालांकि हमारी शादी 1981 में हुई थी, लेकिन एक दूसरे के विचारों को आज तक नहीं समझ पाए । इस बार झगडे का मुद्दा था माली या बागवान। उनका विचार है कि जब तक हमारे फूलदान खूबसूरत नज़र आते हैं और वह सिर्फ 15 दिन काम पर आए तो चलेगा, भले ही हम उसे पूरे महीने की तनख्वाह देते हों। मेरा मानना है कि उसे कम से कम 22 - 24 दिन तो आना ही चाहिए। तो ये झगड़ा बाकी के 7-9 दिनों को लेकर हुआ था। मैं उसे समझाने की कोशिश कर रहा था कि अगर वह आधे दिन ही काम करता है, एक तरह से देखा जाए तो तो इसका मतलब है कि प्रभावी तरीके से वो अपना वेतन दोगुना कर रहा है। उसने कहा कि सिर्फ ₹50 रोज़ की जरा सी रकम पर इतना बवाल। मैंने कहा रकम से इसका कोई लेना-देना नहीं है, बात सिद्धांतों की है कि अगर मूल्यवर्धन द्वारा मापा जाये तो काम किए बिना ही वह अपनी उत्पादकता दुगुनी कर रहा था। जीडीपी आकलन के दृष्टिकोण से यह सरासर गलत था। और उसने मुझे अच्छी तरह से समझा दिया कि ''अपने अर्थशास्त्र के प्रति जुनून'' की खातिर मैं किस हद तक तक जा सकता हूं।

लेकिन ये वक़्त इस आक्रमण को नजरअंदाज करने का नहीं था और लड़ाई बढ़ती चली गई। मैं लड़ाई के ब्यौरे के साथ आपको ज़्यादा बोर नहीं करूंगा। इतना काफी है कि मैं लड़ाई हार गया। माली पहले की तरह आ रहा है और मैं भी उसे गुस्से से देखता रहता हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि ये बदमाश जानता है कि क्या हुआ था और ये बहुत बुरा लगता है। सो आखिर में ना सिर्फ उस की जीत हुई बल्कि उसने भारतीय सांख्यिकी प्रणाली और सरकार को भी बेवकूफ बनाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है जबकि उसकी उत्पादकता गिर रही है। सब हमारे माली की वजह से।

अपनी अवमानना की टीस से गुजरने के बाद, मैंने अपने एक दोस्त के साथ ये अनुभव साझा किया, जिसका बगीचा बहुत खूबसूरत है। कोई पुराना बगीचा नहीं बल्कि उसकी छत पर एक शानदार बगीचा। इसमें पौधों की कम से कम 50 किस्में हैं जिन्हें बहुत सावधानी से सम्हालने और ध्यान रखने की आवश्यकता है। इसका मतलब ये हुआ कि उसके पास तो एक बढ़िया माली तो होगा ही। मैंने उसे फोन किया और पूछा कि उसका माली कैसा है। वह ज़ोर से हंसी और बोली वह तभी आता है जब उसे लगता है कि अब आने के बिना कोई चारा नहीं है। यानी महीने में 10-12 दिन। बाकी दिनों में, उसने कहा, पौधों की देखभाल वह खुद करती है। उसका माली तो और भी शातिर निकला। उसने तो अपनी उत्पादकता तीन गुना कर दी थी और केंद्रीय सांख्यिकी संगठन को मेरे माली से भी ज़्यादा मूर्ख बनाया था। आपको इन मालियों की प्रशंसा करनी होगी। वे तो नौकरीपेशा लोगों से भी बेहतर हैं, जिनके पास काम हो ना हो, लेकिन हर हाल में उन्हें कार्यालय तो जाना ही पड़ता है। भारत के माली तो इतना भी नहीं करते।

आपको इन मालियों की प्रशंसा करनी होगी। वे तो नौकरीपेशा लोगों से भी बेहतर हैं, जिनके पास काम हो ना हो, लेकिन हर हाल में उन्हें कार्यालय तो जाना ही पड़ता है। भारत के माली तो इतना भी नहीं करते।

जब मैंने अपने एक नियमवादी और दार्शनिक मित्र से इसका उल्लेख किया, तो उन्होंने कहा कि दो माली का उदाहरण तो बहुत कम है। इसलिए मैंने अधिक डेटा एकत्र करने का सोचा और इस काम के लिए विश्वविद्यालय से बेहतर जगह और क्या हो सकती है जहां मेरी पत्नी पढ़ाती है? यह कुछ हजार एकड़ में फैला है। इसका मतलब है कि यहां तो बहुत ज़्यादा मालियों की जरूरत पड़ती होगी। जल्दी ही स्पष्ट हो गया कि ये लोग पूरी तरह से एक अलग स्तर पर रहते थे। वे विश्वविद्यालय से अपना वेतन तो उठा रहे थे लेकिन ज्यादातर माली परिसर के नजदीक समृद्ध घरों में काम कर रहे थे। विश्वविद्यालय के वेतन को तो सकल घरेलू उत्पाद में गिना जाता था लेकिन ऊपर से होने वाली नकद आय नहीं गिनी जाती थी।

हालांकि, विश्वविद्यालय में उत्पादन लगभग शून्य था। तो एक बार फिर वही किस्सा : ऊंचा वेतन, पर कोई आउटपुट नहीं। जबकि निजी आवासीय पड़ोस में ये उत्पादकता बहुत अधिक थी, पर इससे होने वाली आय की गणना नहीं की जाती थी।

मैंने अपने चचेरे भाई से पूछा जो एक विद्वान् और प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री है। उसने और भी बड़ी उलझन में डाल दिया : शांतिकाल के दौरान सैनिकों को वेतन मिलता हैं लेकिन उस दौरान वो दुश्मनों को नहीं मारते। बढ़िया वेतन मिलने पर भी कोई आउटपुट नहीं है, ।

माली और सैनिकों के लिए ये तर्क समान है। जरूरत पड़ने पर उन्हें वहां उपस्थित रहना चाहिए। जब तक पौधे ठीक दिखते हैं और देश युद्ध नहीं हारता, चंद रुपये की परवाह कौन करता है? हमेशा की तरह, मेरी पत्नी ने लड़ाई ही नहीं जीती बल्कि युद्ध भी जीता था। ■

संक्षेप में

माइकलएंजेलो की उंगलियों के निशान?

लंदन के विक्टोरिया एंड अल्बर्ट संग्रहालय के संग्रहालय विशेषज्ञों ने *अ स्लेव* नामक 500 साल पुरानी मोम कलाकृति पर उंगलियों के निशानों की खोज की है। उनका मानना है कि पदार्थ में मिले निशान इतालवी मूर्तिकार, चित्रकार, वास्तुकार और परम पुनरुत्थान काल के कवि माइकल एंजेलो के है। यह प्रतिमा रोम में पोप जूलियस द्वितीय के मकबरे के लिए उनकी तैयारियों का हिस्सा थी। इसमें एक युवा नग्न आकृति को दर्शाया गया है जिसका हाथ उसके चेहरे की ओर जा रहा है। विशेषज्ञों ने निशानों की खोज सबसे पहले एक गहरे लाल रंग की मूर्ति पर की थी, जो एक बड़ी अधूरी संगमरमर की मूर्ति का एक प्रारंभिक प्रतिरूप था।

12.3 मिलियन डॉलर का हीरा क्रिप्टोकरन्सी में खरीदा गया

एक गुमनाम खरीदार ने अपनी 12.3 मिलियन डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करके नाशपाती के आकार का 101 कैरेट का हीरा खरीदा है। नीलामी घराने सोथबीस के अनुसार *द की 10138* नामक यह हीरा क्रिप्टोकरेंसी द्वारा खरीदा गया अब तक का सबसे महंगा नगीना बन गया है। नीलामीकर्ता द्वारा इस बात की घोषणा किए जाने के बाद की वे भुगतान के पारंपरिक रूपों के अलावा बिटकॉइन और एथेरियम में भी ऑफ़र स्वीकार कर रहा है, यह हीरा 12.3 मिलियन डॉलर में बेचा गया। सोथबीस ने ना ही खरीददार का नाम बताया है और ना ही यह बताया कि दोनों क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान के लिए किसका उपयोग किया गया।

सिरीशा, अंतरिक्ष में जाने वाली तीसरी भारतवंशी महिला

सिरीशा बंदला, वर्जिन गैलेक्टिक में अनुसंधान कार्यों एवं सरकारी मामलों की उपाध्यक्ष, ब्रिटिश अरबपति रिचर्ड ब्रैनसन और चार अन्य लोगों के साथ अंतरिक्ष की यात्रा करने के लिए स्पेसशिप टू यूनिटी में शामिल हुई। आंध्र प्रदेश में जन्मी इस शोधकर्ता को नासा द्वारा डिजाइन किए गए प्रयोगों को संचालित करने के लिए नियोजित किया गया था जिसमें माइक्रोग्रैविटी में पौधों पर शोध भी शामिल था। कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के बाद वह अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाली तीसरी भारतीय-अमेरिकी महिला बन गई।

लेगो का LGBTQ सेट

इंद्रधनुष के रंगों वाले पारंपरिक ध्वज - LGBTQ समुदाय के एकजुटता के प्रतीक - से प्रेरित और परिवारों को अपने LGBT बच्चों को यह बताने में मदद करने के लिए कि उन्हें प्यार और स्वीकार किया जाता है, खिलौने निर्माता लेगो ने एक LGBTQ-विषय वस्तु वाला सेट जारी किया है जिसमें 346-टुकड़े और 11 आकृतियाँ शामिल है, और प्रत्येक को एक नियत इंद्रधनुषीय रंग के साथ रंगा गया है। डिज़ाइन के उपाध्यक्ष सेट डिज़ाइनर मैथ्यू एश्टन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह ''एक ऐसा प्रतिरूप बनाना चाहते थे जो समावेशिता का प्रतीक हो और सभी को स्वीकार करता हो, चाहे उनकी पहचान कुछ भी हो या वे किसी से भी प्यार करते हो।''

3डी-मुद्रित घर

किफायती घरों के भविष्य का माहौल तैयार करते हुए, नीदरलैंड्स की आइंडहोवन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, स्थानीय नगर पालिका, रियल एस्टेट निवेशक वेस्टेडा और तीन निर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक संयुक्त निर्माण एवं नवाचार परियोजना प्रोजेक्ट माइलस्टोन ने देश के पहले 3डी-मुद्रित घर का निर्माण किया है। घर में एक विशाल बैठक और दो शयनकक्ष है और यह 24 ठोस तत्वों से मिलकर बना है जिन्हें आइंडहोवन के एक संयंत्र में पांच दिनों के भीतर मुद्रित किया गया और निर्माण स्थल पर पहुंचाया गया। एक डच दंपति को घर की डिजिटल चाबी सौंपी गई।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Regn. No. TN/CCN/359/2021-2023
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

www.iisuniv.ac.in

IIS (deemed to be UNIVERSITY) JAIPUR

Admissions Open 2021-22

For UG/PG/Ph.D./Professional programmes

Option-1 : Apply Offline
Visit our Campus between 9.30 am & 4.00 pm on all working days

Option-2 : Apply Online
https://onlineadmission.iisuniv.ac.in/
Direct Admission for **UG/PG & Professional** programmes
Admission to **Ph.D.** programmes through **Research Entrance Test (RET)** on **21.08.2021**

Psychometric Testing available for Vocational & Career Counselling

https://onlineadmission.iisuniv.ac.in/node/3016

FOR ACADEMIC COUNSELLING &/OR ANY SPECIFIC QUERIES :

9358819994 ARTS & SOCIAL SCIENCE | 9358819995 SCIENCE
9358819996 COMMERCE & MANAGEMENT | or mail at : admissions@iisuniv.ac.in

FOR GENERAL ENQUIRY : +91 141 2397906-07, +91 141 2400160, 2401008

PROGRAMMES OFFERED

UNDERGRADUATE PROGRAMMES

- **B.A.**
- **B.A. Hons.**
- **B.A.** (Journalism and Mass Communication)
- **B.F.A.** (Applied Art, Painting, Sculpture)
- **B.B.A.**
- **B.C.A.**
- **B.Com.**
- **B.Com. Hons.**
- **B.Sc.**
- **B.Sc. Hons.**
- **B.Sc. Hons.** (Home Sc.)
- **B.Sc. Hons.** (Multimedia & Animation)
- **B.Sc. Fashion Design**
- **B.Sc. Jewellery Design & Technology**

INTEGRATED COURSES

- B.A. B.Ed.*
- B.Sc. B.Ed.*

*Approved by NCTE

SPECIALIZED PROGRAMMES

- **B.Com. Hons.** (Proficiency in Chartered Accounting/ Proficiency in Company Secretaryship) Specialized programmes and separate academic calendars for aspirants of CA & CS.
- **B.Com. Hons.** (Applied Accounting and Finance) Accredited by ACCA, UK.

SPECIALIZED CERTIFICATE PROGRAMMES

- **ICAI sponsored Certificate** programme for Accounting Technicians.
- **University of Cambridge,** U.K.'s Business English Certificates Tests of English

BACHELOR OF VOCATION (B.VOC.) PROGRAMMES

- **B.Voc.** (Office Management and Secretarial Practices)
- **B.Voc.** (Banking and Financial Services)
- **B.Voc.** (Entrepreneurship and Business Innovation)
- **B.Voc.** (Digital Marketing)

*Approved by UGC

POSTGRADUATE PROGRAMMES

- **M.A.**- Economics, English, French, Sociology, Geography, History, Political Science, Mathematics, International Relations, Public Administration, Psychology, Statistics
- **M.Sc.**- Biotechnology, Botany, Chemistry, Economics, Environmental Science, Geography, Information Technology, Mathematics, Microbiology, Physics, Psychology, Statistics, Zoology
- **M.Com.** - Accounting & Taxation, Business Studies, Financial Studies
- **M.Sc. Home Science** - Clothing and Textiles, Foods and Nutrition, Human Development
- **M.F.A.** - Applied Art (Graphic Design/Illustration), Print Making, History of Art, Painting, Sculpture (Portraiture, Creative Sculpture)
- **M.A.** Journalism & Mass Communication
- **M.A./M.Com./M.Sc.** Fashion Design
- **M.S.W.** (Master of Social Work)
- **M.B.A. (Semester Based)** Human Resource Management; International Business; Retail Management; Travel & Tourism Management; Finance; Advertising & Brand Management; Business Analytics; Innovation, Entrepreneurship and Venture Development
- **M.B.A.** (**Dual Specialization, Trimester based**) - Marketing, Finance, Human Resource, International Business, Information Technology Management **(Co-Educational)**
- **M.C.A.** (Master of Computer Applications - Two years semester based programme) **(Co-Educational)**

RESEARCH PROGRAMMES

- **Ph.D.**

Faculty of Arts & Social Sciences: English, Journalism and Mass Communication, Economics, Geography, History, Political Science, Fine Arts, Fashion & Textiles, Mathematics, Psychology, Statistics

Faculty of Science : Environmental & Life Sciences (Botany, Biotechnology, Environmental Science, Microbiology, Zoology), Chemistry, Computer Science, Fashion & Textiles, Geography, Home Science (Human Development), Mathematics, Physics, Psychology, Statistics

Faculty of Commerce & Management: Commerce, Management

- **D.Sc./D.Litt. : Admissions Also Open**

CAREER ORIENTED & SKILL DEVELOPMENT PROGRAMMES, 3-LEVEL CERTIFICATE/ DIPLOMA/ADVANCED DIPLOMA ALONG WITH DEGREE PROGRAMMES

IIS (deemed to be UNIVERSITY)
Gurukul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur -302 020 (India)
www.iisuniv.ac.in | admissions@iisuniv.ac.in

50% SCHOLARSHIP
OFFERED TO THOSE WHO HAVE LOST AN EARNING PARENT / GUARDIAN TO COVID-19